ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसएम कृष्णा ने कर्नाटक और देश के लिए बहुत योगदान दिया: अेशथ नारायण @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-342

भारतीय विदेश सचिव के ढाका पहुंचते ही यूनुस सरकार के तेवर ढीले

बांग्लादेश ने कबूला, हिंदुओं पर हो रहे हैं हमले

ढाका/दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री के ढाका पहुंचते ही यूनुस सरकार के तेवर ढीले पड़ गए। हालांकि पहले तो बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश सचिव ने देश का अंदरूनी मामला बताने और हिंसा की खबरों को अफवाहें बताने की पाकिस्तानी स्टाइल अपनाने की कोशिश की, लेकिन जब सामने कड़ाई से तथ्य रखे गए तो हेंकड़ी ढीली पड़ गई।

सांप्रदायिक हिंसा की 88 घटनाएं सरकार ने स्वीकार की

हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ सम्पूर्ण भारत में उबाल

बांग्लादेश सरकार ने स्वीकार किया कि हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन सरकार ने हिंसा की 88 घटनाएं कबूलीं, जबकि हिंदुओं पर अत्याचार और मंदिर पर आक्रमण की सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ सम्पूर्ण भारत में उबाल है। विरोध में धरना-प्रदर्शन और हड़ताल जारी है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंदुओं, मंदिरों और हिंदुओं के घरों पर हमले की बात को पहले नकार दिया था। भारत में फेक नैरेटिव गढ़ने वाली नस्लदूषित जमातें भी बांग्लादेश में हिंदुओं को सुरक्षित बता रही थी और हिंसा की खबरों को फर्जी बता रही थीं। लेकिन अब बांग्लादेश सरकार ने खुद स्वीकार किया है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर कई हमले हुए हैं। बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार को स्वीकार किया कि हिंदुओं पर सांप्रदायिक हमले की 88 घटनाएं हुई हैं। मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल इस्लाम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताया कि इन घटनाओं में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश का यह बयान उस समय आया है जब भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा की बात उठाई। उन्होंने हमलों को खेदजनक बताया था। बांग्लादेशी नेतृत्व को हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने को कहा था। मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने पत्रकारों को बताया कि 5 अगस्त से 22 अक्टूबर तक ▶10पर

पीएम मोदी ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में युवाओं में भरा जोश

युवाओं का विजन ही सरकार का मिशन है

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में युवाओं में जोश भर दिया। उन्होंने देश के युवाओं को देश के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा, युवाओं का विजन ही भारत सरकार का मिशन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत देशवासियों के सामूहिक प्रयास से ही तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा, युवा इनोवेटर्स के पास 21वीं सदी के भारत को लेकर एक अनूठा नजरिया है। जो नवाचार समाधानों की ओर ले जाता है। जब आपके सामने नई चुनौतियां आती हैं, तो आप असाधारण जवाब देते हैं। यही सबसे बड़ी और अनोखी बात है।

- आज का भारतवर्ष सामूहिक प्रयास से ही तेजी से आगे बढ़ रहा है
- गैर सियासी परिवार के एक लाख युवाओं को राजनीति में लाऊंगा

बुधवार को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के ग्रैंड फिनाले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शरीक हुए। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हैकॉथान में शामिल हुए युवाओं को संबोधित किया। पीएम ने कहा, मैंने हमेशा लाल किले से एक बात कही है सबका प्रयास, सबका विकास। आज का भारत सभी के प्रयास से ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के ग्रैंड फिनाले का मुझे बहुत इंतजार था। जब भी आप जैसे युवा इनोवेटर्स के बीच आने का मौका मिलता है तो मुझे भी बहुत कुछ जानने, सीखने और समझने का मौका मिलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं का विजन ही भारत सरकार का मिशन है। ▶10पर

राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

कांग्रेस ने उपराष्ट्रपति का अपमान किया है : रिजिजू

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाए जाने की निंदा की है। रिजिजू ने कांग्रेस प्रेरित विपक्ष की इस हरकत को उप राष्ट्रपति का अपमान बताया। रिजिजू ने कहा, विपक्ष के लोगों ने राज्यसभा के सभापति की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने सभापति की बात नहीं मानी और गलत व्यवहार किया। हम सभी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का सम्मान करते हैं। जो नोटिस सभापति धनखड़ के खिलाफ लाया गया है, उस पर हस्ताक्षर करने वाले 60 सदस्यों की मै भर्त्सना करता हूं। हमारे पास बहुमत है और हम सभापति के तौर तरीके से पूरी तरह प्रसन्न हैं।

उल्लेखनीय है कि भारतीय संसद के इतिहास में यह पहला दुर्भाग्यपूर्ण समय है जब राज्यसभा में किसी सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस आया हो।

कांग्रेस सोरोस साठगांठ से ध्यान हटाने का हथकंडा

अमेरिकी धनपशु एवं भारत विरोधी षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस से सोनिया गांधी और राहुल गांधी की साठगांठ के मसले पर लोकसभा और राज्यसभा में हुई बहस को लेकर कांग्रेस पार्टी बौखलाहट में है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव उसी बौखलाहट का नतीजा है। विपक्ष भी जानता है कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में उसका संख्याबल कम है और अविश्वास प्रस्ताव बेमानी है। लेकिन सोरोस साठगांठ से ध्यान हटाने के लिए कांग्रेस के पास और कोई दूसरा उपाय नहीं था। राज्यसभा में मौजूदा वक्त में भाजपा नीत एनडीए के पास बहुमत है। 245 सदस्यीय सदन में बहुमत के लिए 123 सांसदों की जरूरत होती है। ऐसे में भाजपा के पास खुद ही 95 सांसद हैं। विपक्ष के पास संख्या बल करीब 100 है। 12 में से फिलहाल अभी 6 मनोनीत सांसद ही मौजूद हैं। ▶10पर

दिल्ली के उपराज्यपाल के आदेश पर प्रारंभ हुई कार्रवाई

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अभियान शुरू

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आदेश के बाद कालिंदी कुंज इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को पुलिस ने कालिंदी कुंज में बनी झुग्गियों में जाकर लोगों के आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच की।

बांग्लादेश बॉर्डर से घुसपैठ करने वाले लोग दिल्ली आकर भारतीय पहचान पत्र बनवा लेते हैं। ऐसे में उनकी पहचान करना और दस्तावेजों को रद्द करना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है। इसको लेकर उपराज्यपाल सचिवालय ने मंगलवार 10 दिसंबर को मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त ▶10पर

विद्रोहियों के कब्जे के बाद भारत सरकार का एक्शन

भारत ने सीरिया से 75 नागरिकों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

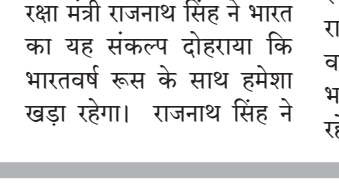

सीरिया में राष्ट्रपति अल असद के परिवार के 50 साल के शासन को उखाड़ फेंकने और विद्रोही गुटों के राजधानी दमिश्क में कब्जे के बाद से वहां हालात सामान्य करने की कोशिश की जा रही है। ▶10पर

बिजली निजीकरण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा

अब किसानों के साथ आंदोलन में कूदेंगे सरकारी कर्मचारी

लखनऊ, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। बिजली के निजीकरण के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा की गई है। आंदोलन की शुरुआत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से हुई है। राष्ट्रव्यापी आंदोलन के पहले क्रम में 13 से 19 दिसंबर के बीच देशभर में विरोध सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 22 को लखनऊ और 25 दिसंबर को चंडीगढ़ में विशाल पंचायत बुलाई गई है, जिसमें आंदोलन की आगे की रूपरेखा तय की जाएगी।

22 को लखनऊ और 25 को चंडीगढ़ में होगी पंचायत

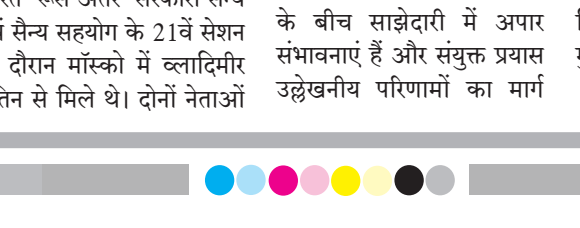

पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण को लेकर कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बुधवार को लखनऊ में नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एंड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि यूपी में बिजली के निजीकरण की किसी भी एकतरफा कार्रवाई के विरोध में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन होगा।

13 और 19 दिसंबर को निजीकरण के विरोध में देश भर में विरोध सभाएं की जाएंगी। 22 दिसंबर को लखनऊ में और 25 दिसंबर को चंडीगढ़ में निजीकरण के विरोध में विशाल बिजली पंचायत आयोजित की जाएंगी। एनसीसीओईईई ने निर्णय लिया कि यदि उत्तर प्रदेश में विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की कोई भी एकतरफा कार्रवाई ▶10पर

इंडी गठबंधन के दरकने की ध्वनि तेज हुई

दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ेगी आपा

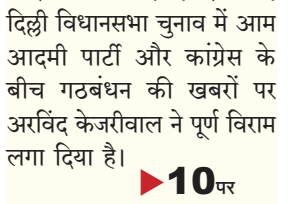

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडी गठबंधन के दरकने की तेज आवाजें आने लगी हैं। इंडी गठबंधन के नेतृत्व परिवर्तन के तेज होते स्वर के बीच आम आदमी पार्टी उस घोषणा की भी आवाज आई है जिसमें आपा ने

राहुल और केजरीवाल प्रेम प्रसंग का समापन

दिल्ली में अकेले दम पर चुनाव लड़ने की बात कही है। आपा नेता अरविंद केजरीवाल की इस घोषणा के बाद राहुल-केजरीवाल प्रेम प्रसंग का समापन किस्त लिख गया है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की अटकलों को अरविंद केजरीवाल ने पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपने बूते पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की कोई संभावना नहीं है। इस तरह दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की खबरों पर अरविंद केजरीवाल ने पूर्ण विराम लगा दिया है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 21°

मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

रूस के साथ हमेशा खड़ा रहेगा भारत : राजनाथ

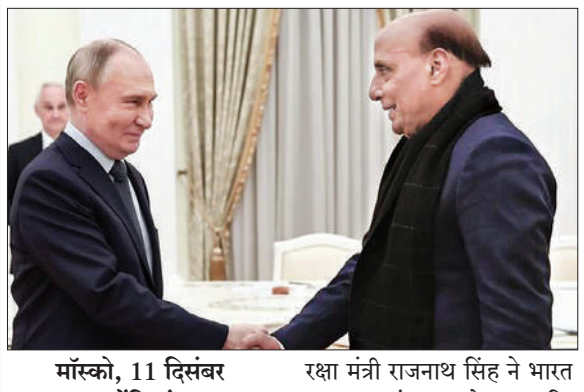

मॉस्को, 11 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत का यह संकल्प दोहराया कि भारतवर्ष रूस के साथ हमेशा खड़ा रहेगा। राजनाथ सिंह ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मॉस्को स्थित उनके आधिकारिक आवास क्रेमलिन में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच राजनाथ सिंह ने रेखांकित करने वाला बयान दिया। उन्होंने कहा, भारत हमेशा रूस के साथ खड़ा रहेगा। दोनों देशों के बीच हमारी मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है। भारत हमेशा अपने रूसी मित्रों के साथ खड़ा रहा है, और भविष्य में भी ऐसा ही करता रहेगा।

रूस निर्मित स्टील्थ फ्रिगेट तुशील भारतीय नौसेना को सुपुर्द

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत-रूस अंतर-सरकारी सैन्य एवं सैन्य सहयोग के 21वें सेशन के दौरान मॉस्को में व्लादिमीर पुतिन से मिले थे। दोनों नेताओं द्वारा कहा गया कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अपार संभावनाएं हैं और संयुक्त प्रयास उल्लेखनीय परिणामों का मार्ग प्रशस्त करेंगे। राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसएम कृष्णा का स्मारक बनाने पर किया जा रहा विचार: कृषि मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मांड्या जिले के प्रभारी मंत्री चालुवरयास्वामी ने कहा कि एसएम कृष्णा की याद में एक स्मारक बनाने का विचार है और वह इस बारे में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चर्चा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मंगलवार से ही अंतिम संस्कार की सभी तैयारियां की गई। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को कोई परेशानी न हो और परिवार और शुभचिंतकों के लिए माहौल बनाया जाए, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार के मार्गदर्शन में सभी तैयारियां की गई हैं। मैं एसएम कृष्णा के साथ 24 साल से जुड़ा हूं और उनसे बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने किसी की

आलोचना नहीं की और आम लोगों के मन पर उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि आलोचना करने वालों को उनसे सीखना चाहिए। अपने कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा बनाये गये कार्यक्रम सदैव प्रासंगिक रहते हैं। मंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और केंद्रीय सचिव के रूप में दी गई सेवा उत्कृष्ट है। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय एसएम कृष्णा को जाता है जिन्होंने विकाससौधा, उद्योगसौधा, स्वयं सहायता समितियों की स्थापना, बिसुता योजना, कावेरी सिंचाई विकास निगम सहित कई संगठनों और परियोजनाओं को शुरू किया, जो उनके मुख्यमंत्री रहते हुए बनाए गए थे। जनता की मांग एसएम कृष्णा का स्थायी स्मारक बनाने की है। उन्होंने कहा कि इस बारे में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चर्चा के बाद फैसला लिया जाएगा।

इससे पहले पूर्व सीएम एस.एम. कृष्णा को श्रद्धांजलि देते हुए कर्नाटक विधानसभा ने पूर्व मुख्यमंत्री को दुर्लभ राजनेता बताया, जिन्होंने कभी बदले की भावना नहीं दिखाई। एक ऐसे योग्य प्रशासक थे, जिनके पास विकास के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण था और वे सार्वजनिक व्यवहार में शालीनता के प्रतीक थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि वे एक ऐसे दुर्लभ राजनेता थे, जो सभी से प्यार करते थे और शालीनता तथा कुशल प्रशासनिक कौशल के लिए जाने जाते थे। सिद्धरामैया ने याद किया कि कैसे एक छात्र के रूप में वे कृष्णा के व्यक्तित्व से प्रभावित थे और यहां तक कि 1968 में जब उन्होंने मांड्या लोकसभा चुनाव लड़ा था, तब वे उनकी चुनावी सभाओं में भी शामिल हुए थे। बेंगलूरु को भारत की सिलिकॉन वैली बनाने में उनके योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके पास बेंगलूरु को सिंगापुर बनाने का विजन था। उन्होंने कहा कि वे उन बहुत कम राजनेताओं में से एक थे, जो लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य रहे हैं। कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा मुझे याद नहीं आता कि कृष्णा ने कभी भी किसी के खिलाफ, यहां तक कि अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ, निजी बातचीत में भी, कोई अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया हो।

शांति का त्योहार कार्यक्रम में प्रेम रावत के संदेश से प्रेरित हुए लोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज विद्या केंद्र द्वारा बेंगलूरु के अंबेडकर भवन में शांति का त्योहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रेम रावत के संदेश का वीडियो प्रसारण किया गया, जिसमें प्रेम रावत ने कहा कि जब अँधेरा हो जाए आपके जीवन में और ऐसा लगे कि हर चीज ने आपको छोड़ दिया है, पर अगर आपका सांस आपके अंदर आ रहा है और जा रहा है तो वह शक्ति जो सारे विश्व को चला रही है, उसने आपको नहीं छोड़ा है। वह हमेशा आपके साथ है। अगर सारी चीजें आपके विपरीत हो जाएं, पर अगर वह चीज आपके साथ है तो सबकुछ ठीक है। आपको किसी चीज से डरने की जरूरत नहीं है। इस कार्यक्रम में सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसमें नृत्य कविता गायन, भजन आदि सुन्दर प्रस्तुतियां भी थी। कार्यक्रम के दौरान एक नाट्य प्रस्तुति भी दी गई जो कि प्रेम रावत की प्रसिद्ध पुस्तक (तीर का लक्ष्य) की एक कहानी 'अभ्यास की शक्ति' पर आधारित थी। इस संदेश को वहां आए सभी श्रोताओं ने बड़े ध्यानपूर्वक सुना और आगे सुनने की इच्छा जाहिर की। इस कार्यक्रम ने लोगों को जीवन में शांति को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रेम रावत एक विश्व प्रसिद्ध

शिक्षक, बेस्ट सेलिंग लेखक एवं मानवतावादी हैं और उन्होंने दो गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाए हैं। वे संपूर्ण विश्व में अपने श्रोताओं को वास्तव में अपने आपसे जुड़ने और संतुष्टि का जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। उनका संदेश उनके व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित है। उन्होंने पिछले 6 दशकों से भी अधिक समय में 5500 से भी अधिक कार्यक्रमों को संबोधित किया है। उनका प्रेम रावत फाउंडेशन भारत में बंटोली (राँची) में जनभोजन, सुविधा भी संचालित करता है। जिसमें बच्चों और बुजुर्गों को हर रोज पौष्टिक, स्थानीय भोजन और स्वस्थ पानी मिलता है। ऐसी ही सुविधाएँ नेपाल, केप टाउन और घाना में भी संचालित की जा रही है। इसके अलावा टी पी आर एफ का पीस एजुकेशन प्रोग्राम वीडियो आधारित कार्यशालाओं की एक

श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वयं की आंतरिक शक्ति और व्यक्तिगत शांति की खोज में मदद करना है। प्रत्येक कार्यशाला सम्मान, आंतरिक शक्ति, आत्म जागरूकता, स्पष्टता, समझ, गरिमा, चयन, आशा और तृप्ति जैसे विषयों पर केंद्रित है। इस प्रोग्राम से अब तक 84 देशों में 450,000 से अधिक लोग लाभ उठा चुके हैं। व्यक्तिगत उन्नति और शिक्षा पर पड़ने वाले इसके सकारात्मक प्रभावों के लिए इसकी बहुत अधिक सराहना की गयी है।

एसडीपीआई पदाधिकारियों पर बिना अनुमति जत्था निकालने का मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पदुबिद्री पुलिस ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के पदाधिकारियों के खिलाफ बिना अनुमति जत्था निकालने और हेजमाडी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही बाधित करने का मामला दर्ज किया है। एसडीपीआई ने मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक जत्था निकाला था। पुलिस के अनुसार, समूह ने हेजमाडी में राष्ट्रीय राजमार्ग टोल गेट के पास अवैध रूप से इकट्ठा होकर प्रदर्शन किया था। पीएसआई द्वारा तितर-बितर करने के निर्देश के बावजूद, वे कार्रवाई

करने में विफल रहे और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित किया। पुलिस ने एसडीपीआई के राज्य सचिव रियाज कडुम्बू, नेताओं हनीफ मुल्लूर, नूरुद्दीन मल्लारू, फिरोज कांचिनाडका, तौफीक उचिला, मजीद उचिला, इब्राहिम कांचिनाडका और अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 57, 189 (2), 189 (3), 281, 285 और 190 के तहत मामला दर्ज किया है। लगभग 75 से 100 लोगों ने कारों और दोपहिया वाहनों में अनुमति लिए बिना नारे लगाते हुए जुलूस निकाला। पुलिस ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले वाहनों को असुविधा पहुँचाई। एसडीपीआई सदस्यों के अनुसार, जत्था 'चलो बेलगावी - अंबेडकर मार्च - 2 का हिस्सा था, जिसे पार्टी ने सामाजिक न्याय की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ अपने विरोध के हिस्से के रूप में उडुपी से बेलगावी तक की योजना बनाई थी।

प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी उदित यशा जी के पावन सानिध्य में प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ महिला मंडल द्वारा प्रेक्षा ध्यान गीत के संगान के साथ हुआ। महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

साध्वी उदित यशा जी ने फरमाया कि ध्यान क्यों किया जाता है, कैसे किया जाता है। ध्यान ज्ञान का अर्थ है आंखें बंद करके अपने भीतर झांकना और

स्वयं को जानना। ध्यान के आलंबन से व्यक्ति भीड़ में भी अकेला स्वयं के भीतर झांक सकता है। साध्वी संगीत श्रीजी ने बताया कि ध्यान का कोई निश्चित समय नहीं होता। यह कभी भी कहीं भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को काम के बाद रिलैक्स होने के लिए 7 मिनट का ध्यान प्रतिदिन अवश्य करना चाहिए। कई लोग आराम के लिए टीवी मोबाइल इत्यादि का प्रयोग करते हैं, किंतु इसे तनाव दूर नहीं होता, क्योंकि यह वह नहीं दे सकते जो हमारे दिमाग को चाहिए होता है। तनाव दूर करने के लिए श्वास प्रेक्षा करनी चाहिए। साध्वी ने कहा कि मेडिटेशन ज्यादा करें, मेडिकेशन कम करें। साध्वी शिक्षा प्रभा जी ने प्रेक्षा ध्यान के विभिन्न प्रयोग करवाएं तथा सु मधुर गीतिका का संगान भी किया। कार्यशाला का कुशल संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने किया। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, मंडल की सभी पदाधिकारी तथा श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही। कार्यशाला में सीपीएस के ट्रेनर और उपासक अरविंद, टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत, तेयुप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत का विशेष सहयोग रहा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक तपागच्छीय संघ के शासन सौभाग्य तिलक आचार्यश्री डॉ. देवेंद्र सागरसूरीजी ने लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में मान्यता प्राप्त कर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता गौतम चंद धारीवाल ने दी। उन्होंने बताया कि यह सम्मान उनकी आध्यात्मिकता और मानवता के प्रति उनकी अद्वितीय योगदान और समर्पण का जश्न मनाता है।*

क्या सीएम कर्नाटक के लोगों के लिए काम कर रहे या गांधी परिवार के लिए? विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केरल के वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए घर बनाने के लिए जमीन खरीदने की राज्य सरकार की योजना पर आपत्ति जताते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने जानना चाहा कि क्या मुख्यमंत्री सिद्धरामैया कर्नाटक के लोगों के लिए काम कर रहे हैं या गांधी परिवार के लिए।

कर्नाटक के सामने आने वाले कुछ बुनियादी ढाँचे के मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो अपने लोगों

और विकास को प्राथमिकता दे, न कि ऐसा नेतृत्व जो राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए राज्य की जरूरतों को दरकिनार कर दे। वायनाड लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी कर रही हैं। उनके भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले इस निर्वाचन क्षेत्र से सांसद थे। सिद्धरामैया ने केरल के अपने समकक्ष पिनराई विजयन को पत्र लिखकर कहा है कि उनकी सरकार विनाशकारी भूस्खलन से प्रभावित परिवारों के लिए वायनाड में घर बनाने के लिए जमीन खरीदने के लिए तैयार है।

विजयेंद्र ने एक पोस्ट में पूछा कर्नाटक की सड़कों पर तारकोल से ज्यादा गड्ढे हैं, निवेश तेलंगाना की ओर खिसक रहा है, उत्तरी कर्नाटक उपेक्षित बना हुआ है और बेरोजगारी बढ़ रही है। फिर भी, सीएम सिद्धरामैया, जिन्होंने पहले केरल में घर बनाने का वादा किया था, अब इसे सुविधाजनक बनाने के लिए जमीन खरीदकर इसे दोगुना करना चाहते हैं? सीएम सर, क्या आप कर्नाटक के लोगों के लिए काम कर रहे हैं या गांधी परिवार के लिए? क्या यह कर्नाटक के लिए प्रतिबद्ध नेता की प्राथमिकताओं को दर्शाता है? हमारा राज्य ऐसे नेतृत्व का हकदार है जो अपने लोगों और विकास को प्राथमिकता दे, न कि ऐसा जो राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए राज्य की जरूरतों को दरकिनार कर दे।

9 दिसंबर को विजयन को लिखे एक पत्र में, सिद्धरामैया ने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए 100 घर दान करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसकी घोषणा दुर्भाग्यपूर्ण भूस्खलन की घटना के बाद वायनाड की उनकी यात्रा के दौरान की गई थी।

संत लाभ रुचिजी आज से दो दिवसीय प्रवास पर बेंगलूरु में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवकार धाम जोधपुर (राजस्थान) के तीर्थ प्रेरक संस्थापक तपस्वी संत श्री लाभ रुचि जी दक्षिण भारत क्षेत्र के प्रवास पर हैं। इसी क्रम में वे शुक्रवार को बेंगलूरु प्रवास पर रहेंगे। नवकार धाम से जुड़ी गुरु भक्त मधु तातेड़ ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगले माह की 12 से 19 जनवरी के दौरान नवकार धाम जिनालय में भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम होना है, जो आचार्य श्री चंद्रानन सागर जी सहित अनेक साधु साध्वीवृंद की पावन निश्रा में संपन्न होगा। मधु तातेड़ ने बताया कि जोधपुर के बालोतरा रोड नारनाडी स्थित

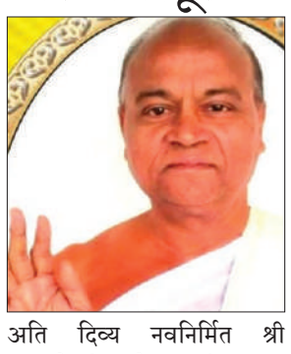

अति दिव्य नवनिर्मित श्री राजराजेश्वरी पार्श्व पद्मावती नवकार धाम में श्री पार्श्व पद्मावती अंजन शलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम की आमंत्रण पत्रिका एवं भक्तजनों से संवाद हेतु संत लाभ रुचि जी बेंगलूरु में रहेंगे। वह विजय नगर पाइप लाइन स्थित हमारे निवास पर विराजमान होंगे।

पंचमसाली कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कायरतापूर्ण कृत्य: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने कहा कि यह अमानवीय है कि पुलिस ने पंचमसाली प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। सुरक्षा की अपेक्षा रखने वाले गार्डों के इस तरह के पशुवत व्यवहार निंदनीय है और राज्य कांग्रेस सरकार का यह कदम कायरतापूर्ण कार्य है। इस संबंध में, जेडीएस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि कांग्रेस सरकार, जो बेलगावी में सुवर्ण सौधा में एक सत्र आयोजित कर रही है, को उत्तरी कर्नाटक की ज्वलंत समस्याओं का समाधान प्रदान करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सरकार पर पंचमसलियों पर डंडा चलाकर तानाशाह की तरह दमनकारी नीति अपनाने का आरोप लगाया। कुडलसंगम पंचमसाली गुरुपीठ के जगद्गुरु बसव जया मृत्युंजय स्वामीजी के नेतृत्व में सुवर्ण विधान सौधा के सामने 2ए आरक्षण की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। लेकिन यह शर्म की बात है कि सरकार ने पंचमसालियों के संघर्ष को दबाने के लिए बल प्रयोग किया है। यह तथ्य कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लाठियों से पीटकर लहूलुहान कर दिया, जो राज्य में कांग्रेस सरकार के तोगलक प्रशासन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता अगले कुछ दिनों में कांग्रेस सरकार की हिंसा और उत्पीड़न का करारा जवाब देगी।

कर्नाटक के चिकमगलूरु में खुले कुएं में गिरने से 2 बच्चों की मौत

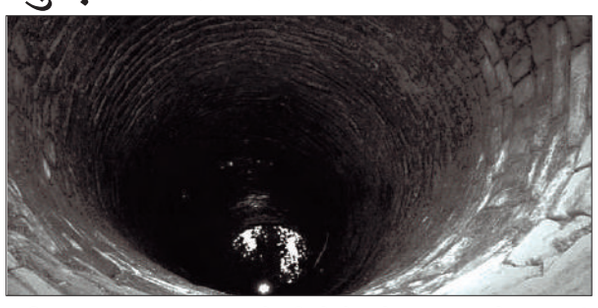

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के कोप्पा तालुक के अम्माडी में एक कॉफी एस्टेट में मजदूरों के घरों में खेलते समय दो बच्चियों की खुले कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतकों में सीमा (6) और राधिका (2) शामिल हैं, जो मध्य प्रदेश के नजीराबाद की सुनीता बाई और अर्जुन सिंह की संतान हैं। जबकि अर्जुन सिंह नजीराबाद में रहते हैं। सुनीता अपने बच्चों के साथ काम के लिए एस्टेट आई थीं। यह घटना उस समय हुई जब सुनीता बाई मंगलवार को काम पर गई थीं। जब वह शाम को लौटीं तो उनके बच्चे कहीं नहीं मिले। बच्चों के कुएं में गिरने का संदेह होने पर स्थानीय लोगों ने आसपास की तलाश शुरू की। सीमा का शव घर से 100 मीटर दूर स्थित एक कुएं में मिला। राधिका का शव तुरंत नहीं मिला। मौके पर पहुंचे दमकल और बचाव कर्मियों ने कुएं में तलाशी ली और शवों को बरामद किया। दोनों शवों को स्थानीय सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। कोप्पा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

कर्नाटक बेलगावी को अलग करने के बारे में बचकानी बातें बर्दाश्त नहीं करेगा: सीएम

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि बेलगावी पर महाजन आयोग की रिपोर्ट अंतिम है और बार-बार इस बात पर जोर देना कि जिले को महाराष्ट्र में मिला दिया जाना चाहिए, सरासर मूर्खता है। आदित्य ठाकरे के बयान के बारे में बेलगावी में मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक सरकार इस तरह के बचकाने बयानों को बर्दाश्त नहीं करेगी। बेलगावी को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग की आलोचना करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा हमारे लिए महाजन आयोग की रिपोर्ट अंतिम है। एक बार महाजन रिपोर्ट स्वीकार हो जाने के बाद, मामला सुलझ जाएगा। जब पत्रकारों ने पूछा कि अगर महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्य इस मुद्दे पर

हिंसा का सहारा लेते हैं तो क्या सरकार कार्रवाई करेगी, तो मुख्यमंत्री ने जवाब दिया, जो कोई भी हिंसा में लिप्त है, हम चुप नहीं रहेंगे। इससे पहले आदित्य ठाकरे ने कहा था कि बेलगावी में मराठी भाषी लोगों को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा रविवार से ही क्षेत्र में स्थिति बिगड़ती जा रही है। हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत भाषाई आधार पर सीमाओं का सीमांकन किए जाने के बाद से सीमावर्ती शहर बेलगावी कर्नाटक का हिस्सा रहा है। हालांकि, कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच अंतर-राज्यीय सीमा विवाद हर बार सामने आता रहता है। पंचमसाली लिंगायत समुदाय के आरक्षण आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि हालांकि सरकार ने समुदाय के नेताओं को चर्चा के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन वे नहीं आए। उन्होंने कहा लोकतंत्र में, हर किसी को विरोध करने का अधिकार है, और हम ऐसे विरोधों का विरोध नहीं करते हैं।

रायचूर, चित्रदुर्ग जिलों में पांच और मातृ मृत्यु की सूचना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में मातृ मृत्यु की श्रृंखला को लेकर मचे बवाल के बीच रायचूर और चित्रदुर्ग जिलों से पांच और मौतें होने की खबर है। अक्टूबर में सिंधनूर तालुक सरकारी अस्पताल से चार मातृ मृत्यु की घटना प्रकाश में आई है। मृतकों की पहचान चंद्रकला (26), रेणुकम्मा (32), मौसमी मंडल (22) और चन्नम्मा (25) के रूप में हुई है। अक्टूबर में 300 गर्भवती महिलाओं में से सात की हालत गंभीर हो गई और चार की मौत हो गई। सभी पीड़ितों की सीजेरियन सर्जरी हुई थी। 21 अक्टूबर को चन्नम्मा ने सी-सेक्शन के बाद बच्चे को जन्म दिया और नौ दिन बाद उसकी मौत हो गई। मौसमी मंडल ने 22 अक्टूबर को एक बच्चे को जन्म दिया और अगले दिन उसकी मौत हो गई। रेणुकम्मा ने 31 अक्टूबर को बच्चे को जन्म दिया और अगले दिन उसकी मौत हो गई। नई माताओं की हालत गंभीर होने के बाद उन्हें रायचूर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मृतकों के परिवारों ने आरोप लगाया कि मौतें चिकित्सा लापरवाही के कारण हुईं और न्याय की मांग की। मृतकों के परिवारों ने मुआवजे की भी मांग की और धमकी दी कि अगर मुआवजा नहीं मिला तो वे बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा के सामने नवजात शिशुओं के साथ विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, रायचूर

के डिप्टी कमिश्नर के. नीतीश ने कहा मातृ मृत्यु अलग-अलग कारणों से हुई। क्या मौतें नर्सों में तरल पदार्थ दिए जाने के कारण हुईं, इसका पता एक सप्ताह के भीतर चल जाएगा। इस संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद, सरकार उचित कदम उठाएगी। सिंधनूर तालुक अस्पताल में हर महीने 300 प्रसव होते हैं। अक्टूबर में मातृ मृत्यु के चार मामले सामने आए। नवंबर में खत तरल पदार्थ दिए जाने के कारण मातृ मृत्यु के मामले सामने आए हैं। हालांकि, उस विशेष बैच के खत तरल पदार्थ को जांच के लिए भेजा गया है। सभी चार मृतकों को पश्चिम बंगाल की कंपनी से रिंगर लैक्टेट इंट्रावेनस तरल पदार्थ का 0113 बैच दिया गया था और कंपनी की दवाओं का उपयोग बंद कर दिया गया है। इस बीच, चैलकेरे के पास जगनुरुहट्टी की निवासी रोजा (24) की मंगलवार को चित्रदुर्ग जिला अस्पताल में मौत हो गई। उसने 30 अक्टूबर को एक लड़के को जन्म दिया था और प्रसव के पांच दिन बाद घर लौट आई थी। रोजा का सीजेरियन हुआ था और 40 दिन बाद उसे पेट में दर्द और जलन होने लगी। उसे कई बार उल्टी हुई और उसे वापस चित्रदुर्ग जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रोजा के परिवार ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण उसकी मौत हुई और डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार पश्चिम बंगाल की उस दवा कंपनी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की तैयारी कर रही है, जिसने रिंगर लैक्टेट अंतःशिरा द्रव की आपूर्ति की थी, जिसके कारण कथित तौर पर राज्य में कई मातृ मृत्यु हुई। सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल की दवा कंपनी का दौरा करने और निरीक्षण करने वाली सात सदस्यीय टीम सरकार को एक रिपोर्ट सौंपने के लिए तैयार थी। रिपोर्ट में कंपनी के खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में रिंगर लैक्टेट अंतःशिरा (आई.वी.) द्रव में हानिकारक सामग्री के निशान पाए गए। फार्मा कंपनी ने अदालत को बताया था कि उनका खत द्रव उत्पाद हानिकारक नहीं था। फार्मा कंपनी की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद, राज्य में मातृ मृत्यु के छह मामले सामने आए। कर्नाटक सरकार ने हाल ही में 2019-20 से अब तक राज्य में मातृ मृत्यु के आधिकारिक आंकड़े जारी किए, जिसमें दावा किया गया कि पिछले वर्षों की तुलना में मृत्यु दर कम है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 2019-20 में 8,94,946 जीवित जन्मों में से कुल 662 मातृ मृत्यु हुईं, जिसके परिणामस्वरूप मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) 74 रही। एमएमआर को प्रति 1 लाख जीवित जन्मों पर गर्भवती माताओं की मृत्यु की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। बाद के वर्षों में 2020-21 में 714 मातृ मृत्यु (एमएमआर 84), 2021-22 में 595 मातृ मृत्यु (एमएमआर 68), 2022-23 में 527 मातृ मृत्यु (एमएमआर 65), 2023-24 में 518 मातृ मृत्यु (एमएमआर 64), 2024-25 (नवंबर तक) 348 मातृ मृत्यु (एमएमआर 64) रिपोर्ट की गई हैं।

एसएम कृष्णा ने कर्नाटक और देश के लिए बहुत योगदान दिया: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेता सीएन अश्वथ नारायण ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा, जिनका मंगलवार तड़के निधन हो गया, ने राज्य और देश के लिए बहुत योगदान दिया है। एसएम कृष्णा ने राज्य और देश के लिए बहुत योगदान दिया है। हमने उन्हें खो दिया। लेकिन उनके योगदानों को हमेशा याद रखा जाएगा। इससे पहले दिन में श्री आदिचुंचनगिरी मठ के निर्मलानंदनाथ स्वामीजी ने कृष्णा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व विदेश मंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि कृष्णा एक असाधारण नेता थे और सभी क्षेत्रों के लोग उनकी प्रशंसा करते थे। एसएम कृष्णा एक असाधारण नेता थे, जिनकी प्रशंसा हर वर्ग के लोग करते थे। उन्होंने हमेशा दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास किया।

उन्हें कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के लिए याद किया जाता है, खासकर बुनियादी ढांचे के विकास पर उनके ध्यान के लिए। एसएम कृष्णा एक विपुल पाठक और विचारक भी थे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि कर्नाटक आईटी-बीटी के विकास में कृष्णा के योगदान का ऋणी रहेगा। सूचना, प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि पूर्व सीएम की दूरदर्शिता और समर्पण ने कर्नाटक की प्रगति को आकार दिया। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा के निधन से बहुत दुःख हुआ, जिनके नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा की विरासत ने हमारे राज्य और राष्ट्र पर एक अमिट छाप छोड़ी है। 92 वर्षीय कृष्णा 11 अक्टूबर 1999 से 28 मई 2004 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री थे और उन्होंने 2009 से 2012 तक मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान विदेश मंत्री और महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। वह मार्च 2017 में भाजपा में शामिल हो गए, जिससे कांग्रेस के साथ उनका लगभग 50 साल लंबा जुड़ाव समाप्त हो गया। उन्होंने पिछले साल सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया।

कर्नाटक सरकार पंचमसाली विरोध को दरकिनार करने की कर रही कोशिश: संत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुडलसंगम पंचमसाली पीठ के महंत बसवराज जय मृत्युंजय स्वामी ने मंगलवार शाम को कहा कि कर्नाटक सरकार पंचमसाली विरोध प्रदर्शन को दरकिनार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण की भी मांग की। महंत ने कहा राज्य सरकार विरोध प्रदर्शन को दरकिनार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने वाहनों पर प्रतिबंध भी लगाया और हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए जगह देने से इनकार कर दिया। इन सबके बावजूद 50,000 लोगों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन विरोध प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं, महिलाओं और किसानों को बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया गया। महंत ने दावा किया सिद्धरामैया इस सब के लिए जिम्मेदार हैं। हम अपने भविष्य के विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाएंगे। सरकार को आज की मनमानी के परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस ने पंचमसाली लिंगायतों के वोट लिए और सत्ता में आई। आज, हमारे अधिकारों को सुनने

की जहमत नहीं उठाई जा रही है। हमारी एकमात्र मांग थी कि सिद्धरामैया मंच पर आएं और हमें आश्वासन दें।

हमारे पास आए तीन मंत्रियों ने आश्वासन नहीं दिया, बल्कि दावा किया कि वे हमारी राय जानने आए हैं। अगर सिद्धरामैया आकर हमें आश्वासन देते तो मामला सुलझ जाता। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस ने उन पर हमला करने की भी कोशिश की, लेकिन उनके समुदाय के सदस्यों ने उनकी रक्षा की। उन्होंने मुझे गिरफ्तार करने का भी प्रयास किया। अगर उन्होंने मुझे छुआ होता, तो पूरा कर्नाटक जल उठता। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने 50 लोगों के खिलाफ बल प्रयोग किया है, जिन्हें चोटें आई हैं। पंचमसाली लिंगायत समुदाय का आंदोलन उस समय हिंसक हो गया, जब भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया और बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा की घेराबंदी करने का प्रयास किया। पुलिस ने सुवर्ण विधान सौधा की ओर जा रहे प्रदर्शनकारियों को रोक दिया और उन्हें चेतावनी दी कि उन्हें आगे मार्च करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर और जूते फेंके, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

बीब्बल्यूएसएसबी ने पीन्या औद्योगिक क्षेत्र को

एक अलग पाइपलाइन में 4 एमएलडी उपचारित पानी की आपूर्ति करने का रखा प्रस्ताव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडबल्यूएसएसबी) ने एशिया के सबसे बड़े औद्योगिक केंद्र पीन्या औद्योगिक क्षेत्र को उसकी गैर-पेय आवश्यकताओं के लिए उपचारित सीवेज जल उपलब्ध कराने के लिए अपनी तरह की पहली परियोजना का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों ने बताया कि इस परियोजना की अनुमानित लागत 27.5 करोड़ है, जिसे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है और राज्य सरकार को सौंप दिया है। प्रस्तावित परियोजना के तहत, बीड्बल्यूएसएसबी डोड्डाबिदारकल्लू झील के पास नागासंद्रा में अपने 40 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से 4 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) उपचारित पानी की आपूर्ति करेगा। यह एसटीपी पीन्या औद्योगिक क्षेत्र में बीड्बल्यूएसएसबी की संपत्ति से 4 किमी दूर है। बीडब्ल्यूएसएसबी के एक वरिष्ठ इंजीनियर ने कहा हमने एसटीपी से बीडब्ल्यूएसएसबी परिसर तक एक लाइन खींचने, केवल उपचारित पानी के लिए समर्पित एक नया पानी का टैंक बनाने और वहां से इस पानी को क्षेत्र की 13,000 से अधिक औद्योगिक इकाइयों

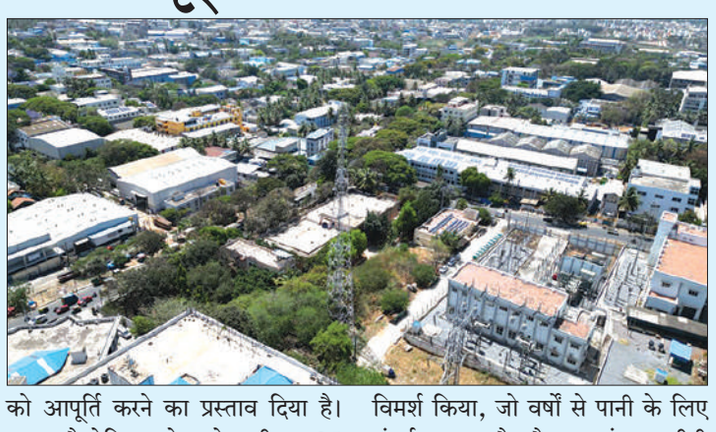

को आपूर्ति करने का प्रस्ताव दिया है। हम औद्योगिक क्षेत्र के भीतर 25 किलोमीटर से अधिक की आपूर्ति लाइन बिछाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि उद्योग इकाइयों को उपचारित पानी का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए दोहरी पाइपिंग प्रणाली प्राप्त करनी होगी। बीडब्ल्यूएसएसबी के अध्यक्ष वी. राम प्रसाद मनोहर ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में सूखे से प्रभावित गर्मियों के दौरान, बीडब्ल्यूएसएसबी ने गैर-पेय प्रयोजनों के लिए उपचारित जल के उपयोग को बढ़ावा दिया था, विशेष रूप से निर्माण क्षेत्र और उद्योगों में। इन पहलों के हिस्से के रूप में, बोर्ड ने पीन्या इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के साथ विचार-विमर्श किया, जो वर्षों से पानी के लिए संघर्ष कर रहा है और नागासंद्रा एसटीपी से उपचारित जल उपलब्ध कराने का विचार सामने आया। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई और अब राज्य सरकार को सौंप दी गई है। हालांकि पीन्या इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने इस परियोजना का स्वागत किया है, लेकिन चिंताएं बनी हुई हैं। पीन्या इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डी. पी. दानप्पा ने कहा पीन्या में पानी की खपत करने वाले उद्योग कम हैं। अन्य औद्योगिक इकाइयों में पानी की जरूरत मुख्य रूप से शौचालय और पीने के लिए होती है। अधिकांश औद्योगिक इकाइयों में एक नाबदान है, जिससे अब कावेरी जल आपूर्ति जुड़ी हुई है। हमारे पास दूसरा नाबदान बनाने के लिए जगह नहीं है और हम इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि हमें उपचारित जल कहां से इकट्ठा करना चाहिए। वर्तमान में, बीडब्ल्यूएसएसबी औसतन कावेरी नदी से पीन्या औद्योगिक क्षेत्र को 2.5 एमएलडी पानी की आपूर्ति करता है, जबकि मांग लगभग 4 एमएलडी होने का अनुमान है। कई उद्योग आपूर्ति-मांग के अंतर को पूरा करने के लिए टैंकर का पानी भी ले रहे हैं। बीडब्ल्यूएसएसबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा एक औद्योगिक इकाई के लिए पानी की मांग छोटी लग सकती है, लेकिन पूरे औद्योगिक क्षेत्र में खपत बहुत अधिक है।

हम लगभग 4 एमएलडी नदी का पानी नाली में क्यों बर्बाद करें? उद्योगों को कावेरी के पानी का उपयोग केवल पीने के लिए करना चाहिए, जो औसतन 2 से 3 लीटर प्रतिदिन है। इसे प्लास्टिक के टैंक और नाबदान में एकत्र किए गए उपचारित पानी से आसानी से प्रबंधित किया जा सकता है। यह अपनी तरह की पहली क्रांतिकारी परियोजना है और हमें उम्मीद है कि हर कोई सहयोग करेगा।

तकनीकी विशेषज्ञ आत्महत्या मामला

तकनीकी विशेषज्ञ के भाई ने कानूनी सुरक्षा की कमी पर चिंता व्यक्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष के भाई ने अपने भाई के लिए न्याय की मांग करते हुए उत्पीड़न का सामना करने वाले पुरुषों के लिए कानूनी सुरक्षा की कमी के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि आत्महत्या की घटना की गंभीरता के बावजूद, मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, और परिवार कानूनी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक भावुक बयान में, तकनीकी विशेषज्ञ के भाई ने भारत सरकार से यह पहचानने का आग्रह किया कि पुरुषों का जीवन महिलाओं की तरह ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानूनों को पुरुषों द्वारा अनुभव किए जाने वाले उत्पीड़न को भी संबोधित करना चाहिए। मैं अपने भाई के लिए न्याय चाहता हूं। पुरुषों के लिए भी कानून बनाए जाने चाहिए क्योंकि वे भी उत्पीड़न से पीड़ित हैं। भारत सरकार को यह समझना चाहिए। एक पुरुष का जीवन एक महिला की तरह ही महत्वपूर्ण है। मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं

हुई है। हम कानूनी रूप से आगे बढ़ेंगे। अतुल सुभाष के चचेरे भाई ने कहा वह एक इंजीनियर था और बेंगलूरु में काम करता था। हमें पता था कि उसके ससुराल वालों द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा था, लेकिन यह नहीं पता था कि वह ऐसा कदम उठाएगा। आत्महत्या करने से पहले उसने अपने माता-पिता से बातचीत की थी। उसकी शादी 2019 में हुई थी। इस बीच, व्हाइटफील्ड के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शिवकुमार ने पुष्टि की कि बेंगलूरु के रहने वाले तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष ने 9 दिसंबर की सुबह अपनी पत्नी और उसके परिवार से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। डीसीपी ने कहा अतुल सुभाष ने 9 दिसंबर की सुबह आत्महत्या कर ली। इस संबंध में बेंगलूरु के मराठाहल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है।

उत्तर प्रदेश में उनके खिलाफ कई मामले चल रहे थे। अधिकारी ने कहा उनकी पत्नी और उनके परिवार के सदस्यों ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए उनसे पैसे मांगे और उन्हें परेशान किया। इन कारणों से, उन्होंने आत्महत्या कर ली।

इस शिकायत के आधार पर, हमने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। जांच चल रही है। अपने सुसाइड नोट में अतुल सुभाष ने न्याय की गुहार लगाते हुए 24 पन्नों के नोट के हर एक पन्ने पर न्याय मिलना चाहिए लिखा। अपनी पत्नी और उसके परिवार के सदस्यों के साथ, सुभाष ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर में एक पारिवारिक न्यायालय के न्यायाधीश पर उनकी बात नहीं सुनने का आरोप लगाया और अदालत के एक अधिकारी पर न्यायाधीश के सामने रिश्वत लेने का आरोप लगाया। सुभाष ने आगे उन घटनाओं का वर्णन किया, जिन्होंने उसे ऐसा कदम उठाने के लिए उकसाया। सुभाष ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपने कथित उत्पीड़न का वर्णन किया और अपने परिवार के सदस्यों से कहा कि जब तक उसे न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उसकी अस्थियों को विसर्जित न करें। उसके सुसाइड नोट में उसके चार साल के बेटे के लिए भी एक संदेश था, जिसके बारे में उसने दावा किया था कि उसे उससे अलग रखा गया था। नोट में उसके माता-पिता को उसके बच्चे की कस्टडी देने की भी बात कही गई थी। नोट और वीडियो का लिंक एक एनजीओ के व्हाट्सऐप ग्रुप पर भेजा गया था, जिससे वह जुड़ा हुआ था। सुभाष ने अपने सुसाइड नोट में आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने उसके खिलाफ हत्या, यौन दुराचार, पैसे के लिए उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और दहेज सहित नौ मामले दर्ज कराए हैं।

लाठीचार्ज की हो न्यायिक जांच

पंचमसाली प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और अमानवीय व्यवहार: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि सरकार ने पंचमसाली समाज के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और अमानवीय व्यवहार किया।

यहां मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की कि सामाजिक न्याय प्रणाली के तहत पंचमसालियों को न्याय दिया जाना चाहिए। उन्होंने हुए लाठीचार्ज को लेकर मौजूदा न्यायाधीश के नेतृत्व में न्यायिक जांच की मांग की। बेलगावी में बसव जया मृत्युंजय स्वामीजी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन चल रहा था। संघर्ष में भाग लेने वाले लिंगायत समुदाय के सैकड़ों पंचमसाली किसान लाठीचार्ज के कारण घायल हो गए। उन्होंने सरकार की निंदा करते हुए इसे तानाशाही और

अलोकतांत्रिक कदम बताया। पंचमसाली समुदाय की मांग आज है कल नहीं, यह सरकार 2ए आरक्षण की शुरुआत से ही अपनी मांगों को दोहराती रही है। उन्होंने बताया कि जब भाजपा की सरकार थी तो 2सी और 2डी के तहत दो तरह से आरक्षण दिया जाता था, जिसके तहत विभिन्न समुदायों को शामिल किया गया और आरक्षण को बढ़ाने का काम किया गया। 2सी के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण को 6 प्रतिशत, 2डी को 5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत कर दिया गया है। पंचमसालिस को भी 2डी रेंज में लाने का काम किया गया। इस कांग्रेस सरकार ने इसे लागू नहीं किया। 2 ए आरक्षण पर भी उचित प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने आपत्ति जताई कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने इसके जरिए संघर्ष करने की नौबत पैदा कर दी है। कांग्रेसी जब विपक्ष में थे तो पंचमसाली समाज के संघर्ष को लेकर घड़ियाली आंसू बहाते थे। उनकी पार्टी के नेताओं ने इस्तीफा देने की बात कही थी। अब लाठीचार्ज हुआ है तो लक्ष्मी हेब्बालकर और इस्तीफा देने वाले सभी लोग कहां हैं? उन्होंने पूछा कि वे कैसा मुँह रखते हैं और लोगों को अपना चेहरा दिखाते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री इतने तानाशाह हो गये हैं कि अपील स्वीकार नहीं कर सके। हमारे संविधान में भी धर्म के आधार पर आरक्षण को नकारा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र और पश्चिम बंगाल सरकार को धार्मिक आरक्षण देने से इनकार कर दिया है। इसे असंवैधानिक बताया गया है। इसलिए उन्होंने मांग की कि आप भाजपा सरकार द्वारा लागू 2सी और 2डी में से कोई एक लागू करें। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी इस मामले में विधानसभा के अंदर भी लड़ाई लड़ेगी। मुख्यमंत्री का व्यवहार परिपक्व नहीं है। उन्होंने इस कदम की निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र के अनुरूप नहीं बताया। कांग्रेसी गलत हैं, प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा गया। उन्होंने माफी मांगने की उदारता भी नहीं दिखाई। मुख्यमंत्री का केरल के वायनाड के पीड़ितों के प्रति चिंतित होना गलत नहीं है। सीएम ने जमीन खरीदने और जरूरत पड़ने पर वहां घर बनाने को लेकर पत्र लिखा है। यह एक ऐसी चीज है जिस पर मानवीय सरोकार वाले लोगों को कार्रवाई करनी चाहिए। इसमें दोष नहीं दिया जा सकता। लेकिन उनकी नजर सिर्फ वायनाड पर है, जो उनकी मानसिक गुलामी का प्रतीक है। वायनाड का प्रतिनिधित्व पहले राहुल गांधी करते थे और अब प्रियंका गांधी करती हैं और उन्होंने उन पर इसे आपकी बुनियादी मानवीय चिंता के रूप में नहीं देखने का आरोप लगाया।

एसएम कृष्णा को कर्नाटक रत्न से सम्मानित करने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक दिनेश गूलीगौड़ा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा छह दशकों की लंबी अवधि तक सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में थे। वह एक महान राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने अपने पद के साथ न्याय किया। उनकी उपलब्धि को देखते हुए भारत सरकार ने हाल ही में उन्हें सम्मानित किया था। हम सभी का आग्रह है कि राज्य सरकार उन्हें कर्नाटक रत्न पुरस्कार से सम्मानित करे। देश के लोकतंत्र के चार स्तंभों विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य के रूप में पिछले साठ वर्षों से देश और राष्ट्र की सेवा करने वाले कृष्णा ने अपने हर पद पर अपनी छाप छोड़ी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उनके निधन से बहुत दुख हुआ है। 1999 से 2004 तक मुख्यमंत्री के रूप में कृष्णा की नदी सेवा अवर्णनीय है। उन्होंने कहा कि स्त्री शक्ति, अक्षरा दशोहा, किसानों के लिए भूमि योजना, यशस्विनी योजना ऐसी परियोजनाएं थीं जिन्होंने समाज के सभी लोगों को छुआ और लोगों का ध्यान जीता। आईटी और बीटी क्षेत्र को अपार समर्थन देकर शहर के विकास के लिए रखी गई मजबूत नींव के कारण बेंगलूरु ने वैश्विक स्तर पर सिलिकॉन वैली का नाम हासिल किया है और संयुक्त राज्य अमेरिका में कैलिफोर्निया शहर के विकल्प के रूप में नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि अगर आज राज्य का बजट तीन लाख करोड़ के पार पहुंच गया है तो इसकी वजह कृष्णा द्वारा आईटी सेक्टर को दिए गए मौके हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनके परिवार को उनके अलगाव का दर्द सहने की शक्ति दें।

केंद्रीय मंत्री एचडीके एसएमके के अंतिम संस्कार में शामिल हुए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी पूर्व मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा के अंतिम संस्कार में शामिल हुए और उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। वह बुधवार सुबह नई दिल्ली से शहर पहुंचे, मद्दूर के सोमनहल्ली गए और श्रद्धांजलि अर्पित की। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पढ़े-लिखे, सुशिक्षित पूर्व मुख्यमंत्रियों एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएम कृष्णा के निधन से मुझे व्यक्तिगत तौर पर दुख पहुंचा है। मैं कृष्णा से कई बार मिल चुका हूं। जब मैंने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा था तब वह राज्यसभा के सदस्य थे। मुझे अभी भी पूर्व मंत्री एच.एन. नांजेगौड़ा के घर जाकर आशीर्वाद लेना याद है। मांड्या के लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार बनने के बाद, मैंने उनसे सदाशिवनगर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्हें याद है कि जब वह दो बार सीएम थे तो उन्हें उनका आशीर्वाद मिला था। उन्होंने देश और राज्य के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए काफी काम किया है।

हम नदी के प्रति उनकी सेवा को नहीं भूल सकते। उन्होंने कहा कि उनके निधन से मुझे दुख हुआ है। कृष्णा की राजनीति में लंबी यात्रा प्रेरणादायक है। शायद सभी राजनेताओं को इतना लंबा राजनीतिक मौका मिलना मुश्किल है। उनके लिए हम समकालीन नहीं, युवा हैं। मुझे उनसे कई तरह से मार्गदर्शन मिला है। बेंगलूरु शहर के विकास में आईटीबीटी का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि कृष्णा हमारे राज्य के इतिहास में सदैव अमर रहेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और कृष्णा अलग-अलग राजनीतिक रास्तों से आए थे। मैंने दोनों में मुक्त चर्चा के दिन देखे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों के बीच परस्पर सम्मान और विश्वास था।

राजमार्गों पर स्ट्रीट लाइटिंग की कमी से सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ीं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजमार्गों पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइटिंग की कमी से वाहन चालकों, पैदल चलने वालों और जानवरों को समान रूप से काफी खतरा है। खराब रोशनी वाली सड़कों पर तेज गति से यात्रा करने से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, क्योंकि वाहन चालकों को सड़क को स्पष्ट रूप से देखने और संभावित खतरों पर समय रहते प्रतिक्रिया करने में कठिनाई होती है। ऐसी परिस्थितियों में पैदल चलने वाले और जानवर विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, जिससे उचित रोशनी की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार पडिल से बीसी रोड तक राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा अपर्याप्त स्ट्रीट लाइटिंग के कारण विशेष रूप से खतरनाक है। हाई-मास्ट लाइट केवल कुछ खास जंक्शनों जैसे

कि पडिल, अड्यार कट्टे, अड्यार और फरंगीपेटे पर ही लगाई जाती हैं। कन्नूर के एक निजी अस्पताल के पास एक छोटा सा सुधार देखा जा सकता है, जहां स्थानीय पार्षद के प्रयासों से स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी। हालांकि, राजमार्ग का बाकी हिस्सा अंधेरे में डूबा हुआ है, जिससे वाहन चालकों को खराब दिखाई देने वाले हिस्सों से गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। कन्नूर और अड्यार कट्टे के बीच स्ट्रीट लाइटें तो हैं, लेकिन उनमें से कई काम नहीं करती हैं। इसके अलावा, थुम्बे पोलाली आर्क से बुंटारा भवन तक 4 किलोमीटर से ज्यादा के हिस्से में स्ट्रीट लाइटिंग की कमी है, सिवाय थुम्बे प्राइवेट हॉस्पिटल जंक्शन के पास कुछ लाइट्स के। विडंबना यह है कि बुंटारा भवन के दूसरी तरफ 6-7 हाई-मास्ट लाइट्स लगी हुई हैं, जो लाइटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में असंतुलन की ओर इशारा करती हैं। लाइटिंग की कमी से न केवल ड्राइवर और पैदल चलने वालों को खतरा होता है, बल्कि बिल्लियों और कुत्तों जैसे जानवरों के साथ दुर्घटनाएँ भी होती हैं, जो अक्सर खराब दृश्यता के कारण वाहनों की चपेट में आ जाते हैं। इस मुद्दे पर तत्काल बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और लगातार स्ट्रीट लाइटिंग की जरूरत है, ताकि इन उच्च जोखिम वाले हिस्सों पर सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुरुदेश्वर में चार स्कूली छात्राएं समुद्र में डूबीं

सीएम ने जताया शोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर कन्नड़ जिले के मुरुदेश्वर में एक आवासीय विद्यालय की नौवीं कक्षा की चार छात्राएं शैक्षणिक दौरे के दौरान समुद्र में डूब गईं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि कोलार जिले के मुलाबागिलु स्थित मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय के 46 छात्रों और छह शिक्षकों के एक समूह ने मंगलवार को अपने स्कूल दौरे के तहत मुरुदेश्वर का दौरा किया। पुलिस के अनुसार शाम करीब 5.30 बजे शिक्षक और छात्र समुद्र तट पर गए थे। लाइफगार्ड की चेतावनी के बावजूद सात छात्र समुद्र में चले गए। समुद्र में लहरें

उठ रही थीं और तीन लड़कियां पानी की तेज धारा में बह गईं, जबकि एक अन्य लड़की की मौके पर ही मौत हो गई। शेष तीन छात्रों को लाइफगार्ड और अन्य एजेंसियों की मदद से बचा लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया और अब वे खतरे से बाहर हैं। लाइफगार्ड, होमगार्ड, मछुआरों और पुलिस की मदद से तलाशी अभियान के तहत बुधवार सुबह तीन लड़कियों के शव बरामद किए गए, जिनके डूबने की आशंका थी। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक नारायण एम ने कहा हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत मामला दर्ज किया है और घटना के सिलसिले में सभी छह शिक्षकों को गिरफ्तार किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को बाद में थाने से जमानत पर रिहा कर दिया गया। मृतक लड़कियों की उम्र 15 साल थी, जिनकी पहचान श्रवंती, दीक्षा, लावण्या और लिपिका के रूप में हुई है। शोक संतप्त माता-पिता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मृतक छात्रों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने कहा दुर्घटना में मारे गए चार छात्रों के परिवारों को राज्य सरकार द्वारा 5-5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

मैंने उत्तर कन्नड़ जिले के डिप्टी कमिश्नर से बात की है और शवों को उनके गृहनगर भेजने की व्यवस्था करने का सुझाव दिया है। उन्होंने शिक्षकों द्वारा यात्रा के दौरान अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा खतरनाक स्थानों पर जाते समय बच्चों की निगरानी की जानी चाहिए। मैं उन माता-पिता का दर्द समझता हूं जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि ऐसी घटनाएं फिर कभी न हों।

सूर्या ने आदित्य ठाकरे की बेलगावी को लेकर दिए बयान की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु दक्षिण के सांसद और भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या ने बेलगावी को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग करने पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे पर कटाक्ष किया। सूर्या ने कहा कि उनके जैसे युवा राजनेताओं को क्षेत्रवाद में लिप्त नहीं होना चाहिए और लोगों को विभाजित नहीं करना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा यह दुखद है कि आदित्य ठाकरे जैसे युवा नेता विभाजन की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। बेलगावी कर्नाटक में था, है और रहेगा। यह लोगों को एकजुट करने का समय है और मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे ऐसा कोई बयान न दें जिससे लोगों के बीच मतभेद पैदा हो। सूर्या ने आगे कहा कि देश के युवा राजनेताओं के लिए राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने का यह सही समय है। तेजस्वी सूर्या ने कहा हमें लोगों के बीच मतभेदों को दूर करना चाहिए और एकजुटता की भावना लानी चाहिए क्योंकि हम सभी एक राष्ट्र के हैं। जो लोग इस तरह के मतभेदों को भड़काते हैं, वे केवल मतभेदों में दब जाएंगे। सोमवार को ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा से बेलगावी और कारवार को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने का प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया, ताकि इस क्षेत्र में मराठी भाषी लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कर्नाटक सरकार ने न केवल बेलगावी में आयोजित महाराष्ट्र एकीकरण समिति के महाधिवेशन को अनुमति देने से इनकार कर दिया, बल्कि बेलगावी में कर्फ्यू भी लगा दिया। सीमाएँ भी बंद की जा रही हैं। सीमा के पास सैकड़ों गाँवों को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषी लोगों की अच्छी-खासी संख्या वाले कुछ गाँवों को शामिल करने की भी माँग की गई है।

एसएम कृष्णा का पूरे सरकारी सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

अंतिम संस्कार चंदन की लकड़ी से किया गया

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएम कृष्णा का अंतिम संस्कार उनके गृहनगर मांड्या जिले के मद्दुर तालुक के सोमनहल्ली में हजारों लोगों के आंसुओं के बीच पूरे सरकारी सम्मान के साथ किया गया। एसएम कृष्णा के प्रिय पोते अमर्त्य हेगड़े ने प्राचीन हिंदू संस्कृति के अनुसार अंतिम संस्कार किया। श्रीरंगपट्टनम से भानु प्रकाश शर्मा की टीम ने अंतिम पूजा की। फिर अमर्त्य हेगड़े ने चिता को अग्नि से स्पर्श किया। इससे पहले सरकार की ओर से पुलिस ने उनके सम्मान में सलामी दी।

बाद में, शव पर लगे तिरंगे झंडे को मृतक के रिश्तेदारों को सौंप दिया गया। एसएमएम कृष्णा की पत्नी प्रेमा कृष्णा, बेटियां शांभवी, मालविका परिवार ने अंतिम संस्कार में भाग लिया और उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। आदिचुचनगिरी मठ के पीठासीन अधिकारी डॉ. श्री निर्मलानंदनाथ स्वामीजी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, डीसीएम डी.के. शिवकुमार, मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद

जोशी, पूर्व सीएम और सांसद बसवराज बोम्मई, सांसद डी. सुधाकर, जिला प्रभारी मंत्री चेलुवरायस्वामी, मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, वेंकटेश, महादेवप्पा, एचके पाटिल और अन्य मंत्री, विपक्षी नेता आर. अशोक, विधायक डॉ. अश्वथ नारायण, राजनीतिक नेता, कई अन्य विधायक, विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने अंतिम संस्कार में भाग लिया। एस.एम.कृष्णा ने चंदन की खेती को प्रोत्साहित किया, इसलिए उनका अंतिम संस्कार चंदन की लकड़ी से किया गया। इससे पहले सुबह एसएम कृष्णा की अंतिम यात्रा बेंगलूरु से मद्दूर तक निकाली गई।

आदिचुंचनगिरी मठ के अध्यक्ष निर्मलानंदनाथ स्वामीजी ने सदाशिवनगर में एसएम कृष्णा के घर पर पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी। बाद में सुबह करीब 8.30 बजे पारदर्शी वाहन से निकली अंतिम यात्रा में सड़क के दोनों ओर जमा हजारों लोगों ने पुष्प अर्पित कर अंतिम दर्शन किए और श्रद्धांजलि अर्पित की। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार पूरी यात्रा के दौरान एक पारदर्शी वाहन में पार्थिव शरीर के बगल में बैठकर आगे बढ़े। यहां-वहां वह रोते-बिलखते नजर आ रहे थे। सदाशिवनगर से बल्लारी रोड होते हुए मेखरी सर्कल सर्कल का उपयोग करते हुए अंतिम जुलूस गुजरा।

सुबह होने के कारण आवाजाही कम थी। एहतियात के तौर पर, शून्य यातायात की व्यवस्था की गई थी और उचित पुलिस उपस्थिति की व्यवस्था की गई थी। बाद में प्रशंसक भी बिदादी में एकत्र हुए और एसएम कृष्णा के अंतिम दर्शन किए। सैकड़ों प्रशंसकों ने चन्नपट्टना में एस. एम. कृष्णा के पार्थिव शरीर के दर्शन किए, जबकि अंतिम यात्रा के लिए वे कुछ समय के लिए रामनगर के ऐजुरु सर्कल में रुके। इस मौके पर विधायक सीपी योगेश्वर ने एसएम कृष्णा को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

असदुद्दीन ओवैसी ने जिसे अपना प्रत्याशी बनाया

दिल्ली दंगे का मास्टरमाइंड है ताहिर हुसैन

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद से उम्मीदवार बनाया है। ताहिर हुसैन साल 2020 में हुए दिल्ली दंगों के बाद से ही जेल में बंद है। वह पहले आम आदमी पार्टी (आपा) में था। बाद में आपा ने उसे पार्टी ने निकाल दिया था। ओवैसी ने उसे अपनी पार्टी से प्रत्याशी बना दिया।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, एमसीडी पार्षद ताहिर हुसैन एआईएमआईएम में शामिल हो गए हैं और आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र से हमारे उम्मीदवार होंगे। उनके परिवार के सदस्य और समर्थक आज मुझसे मिले और पार्टी में शामिल हुए। ओवैसी के इस कदम पर भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ओवैसी ने साफ कर दिया कि ये उन लोगों को सम्मानित करेंगे, जो हिंदुओं को मारते हैं और उनके घर जलाते हैं।

उल्लेखनीय है कि साल 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए हिंदू विरोधी दंगों के दौरान आईबी स्टाफ अंकित शर्मा की निर्मम हत्या के मामले में पार्षद ताहिर हुसैन समेत 11 लोगों के खिलाफ 23 मार्च 2023 को कड़कड़डूमा कोर्ट में आर-ोप तय हुए थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचल ने कहा था कि गवाहों के बयानों से स्पष्ट पता चलता है कि सभी आरोपित घटनास्थल पर मौजूद थे। न्यायाधीश ने अंकित शर्मा हत्या केस में आरोप तय करते हुए माना था, ताहिर भीड़ पर निगरानी रखने और उन्हें प्रेरित करने के लिए लगातार काम कर रहा था। ये सभी चीजें हिंदुओं को निशाना बनाने के लिए

की गई थीं। अदालत ने कहा था, भीड़ के इन कृत्यों से यह स्पष्ट होता है कि उनका उद्देश्य हिंदुओं को उनके शरीर और सम्पत्ति को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाना था।

कोर्ट ने कहा था, यह भी स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि यह भीड़ जानबूझकर हिंदुओं को भी मारना चाहती थी। यह नहीं कहा जा सकता है कि इस भीड़ का हिस्सा होने के बावजूद वो ऐसे उद्देश्य से बेखबर थे। जाहिर तौर पर, यह एक गैरकानूनी भीड़ थी, जो उस उद्देश्य के लिए काम कर रही थी। इससे पहले ताहिर हुसैन पर कड़कड़डूमा कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले और दंगों की फंडिंग में आरोप तय किए थे।

ताहिर हुसैन और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 148, 153 ए, 302, 365, 120बी, 149, 188 और 153ए के तहत आरोप तय किए गए थे। ताहिर हुसैन के खिलाफ आईपीसी की धारा 505, 109 और 114 के तहत भी केस आरोप तय किए गए थे। इस मामले के अन्य आरोपियों के हसीन, नाजिम, कासिम, समीर खान, अनस फिरोज, जावेद, गुलफाम, शोएब आलम और मुंतज़िम हैं। ताहिर हुसैन ने हिंदुओं को काफिर बता कर उन्हें मारने के लिए भीड़ को उकसाया था। इस बात का जिक्र दिल्ली पुलिस ने गवाह के बयानों का हवाला देते हुए दाखिल किए गए आरोप पत्र में किया है। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हिंदुओं के उन सब दुकानों व मकानों का आग लगा दी। भीड़ में शामिल सभी लोग हिंदुओं को गंदी-गंदी गालियां दे रहे थे और हिंदुओं को खत्म करने की बात बोल रहे थे। गवाह ने बताया था कि सभी लोग हिंदुओं के घर जलाने की बात व हमको काफिर कह रहे थे। उनकी बातें हमें बहुत बुरी लग रही थी। दंगाई मुस्लिम भीड़ हमारी दुकान के बाहर तोड़-फोड़ कर रहे थे व हमारी तरफ पत्थर मार रहे थे। भीड़ में शामिल सभी लोग हिंदुओं के खिलाफ नारे लगा रहे थे और कह रहे थे कि 'इन काफिरों को देश से निकाल देंगे, मारेंगे और हिंदुओं की लड़कियों को उठा कर ले जाएंगे।

आरोप पत्र चश्मदीदों के बयान के आधार पर तैयार किया गया है। साथ ही इलाके के सीसीटीवी फुटेज और आरोपियों के फोन कॉल रिकॉर्ड को भी आधार बनाया गया है। पुलिस के अनुसार चश्मदीदों का कहना है कि ताहिर हुसैन घटना वाले दोनों दिनों में 40-50 गुंडों की भीड़ का नेतृत्व कर रहा था। पहला चार्जशीट चांदबाग के एक पार्किंग लॉट में आगजनी और दंगे से संबंधित है। इसमें कम से कम सौ वाहनों में आग लगा दी गई थी। दूसरा मामला करावल नगर इलाके में एक गोदाम में लूटपाट और आगजनी से संबंधित है। दोनों ही घटनाओं में ताहिर हुसैन को मास्टरमाइंड बताया गया था। आरोप पत्र चश्मदीदों के बयान के आधार पर तैयार किया गया है। साथ ही इलाके के सीसीटीवी फुटेज और आरोपियों के फोन कॉल रिकॉर्ड को भी आधार बनाया गया है।

चांदबाग और जफराबाद में हुए दंगों को लेकर ये दायर चार्जशीट में ताहिर हुसैन पर दंगों को फंड करने और इसका मास्टरमाइंड होने की बात कही गई थी। दंगों को भड़काने में 1.3 करोड़ रुपए से भी ज्यादा फूंके गए। ताहिर हुसैन के छत से मिले सबूतों के अलावा उसके खिलाफ कई अन्य सबूतों की बात भी कही गई थी। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा था कि वह दंगे भड़का रहा था। पुलिस को उसके पास से एक पिस्टल भी मिला था, जिसके साथ मिले कुल 200 गोलियों में से 125 गोलियां थीं। हालांकि, 75 बुलेट्स गायब मिले थे। ताहिर इसका कोई जवाब नहीं दे पाया था कि 75 गोलियां कहां गईं। पुलिस ने उस वीडियो को भी सबूत के तौर पर लिया था, जिसमें ताहिर हुसैन के गुंडे पेट्रोल बम फेंकते दिख रहे थे।

आपा को झटका! चुनाव से ठीक पहले छोड़ गए मुस्लिम विधायक

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)

विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आपा) को बड़ा झटका लगा है। आम आदमी पार्टी के सीलमपुर से विधायक अब्दुल रहमान ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा उन्होंने आम आदमी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। अब्दुल रहमान के अनुसार आम आदमी पार्टी ने सत्ता की राजनीति में उलझाकर लगातार मुसलमानों के अधिकारों को नजरअंदाज किया है।

सीलमपुर से आम आदमी पार्टी के विधायक अब्दुल रहमान का टिकट आम आदमी पार्टी ने पहले ही काट दिया है। उनकी जगह पर चौधरी जुबैर अहमद को प्रत्याशी बनाया है। एक महीने पहले ही जुबैर अहमद ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली थी। इसके बाद से ही अब्दुल रहमान नाराज चल रहे थे। 29 अक्टूबर को अब्दुल रहमान ने आम आदमी पार्टी की अल्पसंख्यक इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

अब्दुल रहमान ने अपने पत्र में लिखा, पार्टी के नेतृत्व और नीतियों में जिस तरह से मुस्लिमों और अन्य वंचित समुदाय की उपेक्षा की गई है, उसके बाद इस्तीफा देना मेरा नैतिक कर्तव्य बन गया था। पार्टी की स्थापना के समय मैंने इसे अपनी ऐसी पार्टी माना था, जो धर्म, जाति और समुदाय से ऊपर उठकर जनता की सेवा करेगी। लेकिन आम आदमी पार्टी ने बार-बार यह साबित किया कि वह केवल वोट बैंक की राजनीति करती है। दिल्ली दंगों के दौरान भी आम आदमी पार्टी की सरकार का रवैया बेहद निराशा-जनक रहा था। दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए और ना ही कोई सहानुभूति प्रकट की गई। अब्दुल रहमान ने कोरोना काल के दौरान चर्चा में आए मौलाना साद का भी जिक्र किया। उन्होंने अपने पत्र में कहा, दिल्ली मरकज और मौलाना साद को कोरोना महामारी के दौरान निशाना बनाया गया। पार्टी ने इस मामले पर ना तो कोई रुख अपनाया, ना ही मुस्लिमों के खिलाफ किए गए भ्रामक प्रचार का खंडन किया। संभल दंगे जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भी पार्टी ने एक ट्वीट तक करना जरूरी नहीं समझा।

पुणे में अवैध घुसपैठियों का सरगना फरार

रोहिंग्या मौलाना ने बनवा रखा था आधार कार्ड

पुणे, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

म्यांमार का रोहिंग्या मौलाना बांग्लादेश के रास्ते भारत आया। उसने महज 500 रुपए घूस देकर फर्जी आधार कार्ड बनवाया। उसने इसी फर्जी आधार कार्ड के सहारे सिम, पासपोर्ट, पैन कार्ड और यहां तक कि घर भी खरीद लिया। इस मौलाना ने पुणे में अपना धंधा भी जमा लिया था। उसके बाद वह रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने के धंधे में लग गया। महाराष्ट्र में सुरक्षा एजेंसियों ने मौलाना और एक अन्य रोहिंग्या घुसपैठिए और उसके पूरे परिवार के साथ गिरफ्तार किया था। लेकिन उसे जमानत भी मिल गई। जमानत मिलने के बाद वह पुणे से गायब है। पुलिस ने जुलाई, 2024 में पुणे में मुहम्मद मुजम्मिल खान नाम के एक रोहिंग्या घुसपैठिए को पकड़ा था। उसके साथ उसकी बीवी और दो बच्चों को भी पकड़ा गया था। पुलिस ने जब उसकी जांच की थी तो कई खुलासे हुए।

पुलिस को पता चला कि मुजम्मिल असल में म्यांमार का रहने वाला है और वहां उसने मौलाना का कोर्स किया था। इसके बाद वह 2012 में भाग कर बांग्लादेश चला गया। यहां वह अपनी बीवी के साथ पहुंचा था। उसके दो बेटियां भी थी। बांग्लादेश में उसने रोहिंग्या शरणार्थी कैम्प में उसने अपनी बीवी और दोनों बेटियों को छोड़ दिया और एक और महिला से निकाह कर भारत में घुसपैठ की। यहां उसने कोलकाता में कुछ दिन गुजारे, लेकिन काम ना मिलने पर वह पुणे चला गया। पुणे में उसने एक फैक्ट्री में काम किया। यहां काम करने के दौरान उसने 500 रुपए देकर एक फर्जी आधार कार्ड बनवा लिया। उसने साथ ही पैन कार्ड और सिम और साथ ही में पासपोर्ट भी बनवा लिए। उसने पुणे में कपड़े बेचने और सुपारी बेचने का भी धंधा किया। इसमें उसे स्थानीय मस्जिद में आने वालों से मदद मिली। मुजम्मिल ने यहां जमीन भी खरीद ली। इसकी भी कोई लिखापढ़ी नहीं की गई। इसके बाद इस पर मुजम्मिल ने घर भी बना लिया।

भारतीय समुद्री विरासत सम्मेलन में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में समुद्री क्षेत्र की अहम भूमिका

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय समुद्री विरासत सम्मेलन में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के देश के दृष्टिकोण में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत एक उभरती हुई समुद्री शक्ति के रूप में खड़ा है, जो वैश्विक समुद्री पहलों का नेतृत्व करने के लिए अपनी भौगोलिक स्थिति और उन्नत बुनियादी ढांचे का रणनीतिक रूप से लाभ उठा रहा है। 2030 तक वैश्विक नीली अर्थव्यवस्था के 6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। भारत का समुद्री क्षेत्र दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में हमारे उभरने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत अपनी समुद्री अर्थव्यवस्था को रणनीतिक रूप से विकसित कर रहा है, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए सतत समुद्री संसाधन उपयोग पर जोर दे रहा है। सरकार का सागरमाला कार्यक्रम बंदरगाहों को औद्योगिक समूहों के साथ एकीकृत करता है, लॉजिस्टिक नेटवर्क को अनुकूलित करता है, व्यापक तटीय विकास को बढ़ावा देता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि तटीय नौवहन विधेयक 2024 विनियामक ढांचे को सुव्यवस्थित करता है और बहु-मोडल व्यापार संपर्क को बढ़ाता है। 11 देशों के प्रतिनिधियों समेत प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत में 7,500 किलोमीटर की तटरेखा, 13

प्रमुख बंदरगाह और 200 गैर-प्रमुख बंदरगाह हैं जो इसे निर्विवाद समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित करते हैं।

धनखड़ ने कहा, हमारे बंदरगाह की 1,200 मिलियन टन कार्गो की वार्षिक हैंडलिंग क्षमता हमारे आर्थिक परिदृश्य में समुद्री क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। समुद्री क्षेत्र भारत के व्यापार की असाधारण 95 प्रतिशत मात्रा की सुविधा प्रदान करता है, और यह हमारे रणनीतिक हिंद महासागर की स्थिति का लाभ उठाते हुए इसके मूल्य का 70 प्रतिशत हिस्सा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आईएमएफ, विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच जैसी वैश्विक संस्थाएं भारत को निवेश और अवसर के लिए पसंदीदा गंतव्य मानती हैं।

भारत सरकार में नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, भारत के समुद्री क्षेत्र को हजारों वर्षों का अनुभव है। हमारा महान राष्ट्र, अपने समृद्ध और विविध इतिहास के साथ, 5,000 से अधिक वर्षों से एक समुद्री राष्ट्र रहा है। हड़प्पा सभ्यता से लेकर आज तक, समुद्र के साथ हमारे संबंध ने हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और विश्व दृष्टिकोण को गहराई से आकार दिया है, जिसमें समुद्री इतिहासकार, पुरातत्वविद और समुद्री शोधकर्ता और अन्य उद्योग हितधारक शामिल थे। मध्ययुगीन काल में, मसाला व्यापार में भारत की भूमिका अद्वितीय थी। मंत्री ने कहा कि भारतीय व्यापारियों ने न केवल अरब, चीन और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापार किया, बल्कि माल, संस्कृति और विचारों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए समुद्र के रेशम मार्ग की भी स्थापना की। मंत्री सोनोवाल ने कहा, आज हमें इन मूल्यों की आवश्यकता है, क्योंकि हम जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण क्षरण और वैश्विक अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह सम्मेलन संवाद और सहयोग के लिए एक मंच है। यह विद्वानों, नीति निर्माताओं और समुद्री पेशेवरों को विचारों का आदान-प्रदान करने और भविष्य के लिए समाधान तैयार करने के लिए एक साथ लाने का अवसर है।

78 बांग्लादेशी मछुआरों को कोस्ट गार्ड ने दबोचा

कोच्ची, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जलक्षेत्र में घुसपैठ कर के मछली पकड़ रहे 78 बांग्लादशी मछुआरों को कोस्ट गार्ड ने गिरफ्तार किया है। दो ट्रॉलर भी जब्त किए गए हैं। इन जहाजों के नाम एफवी लैला-2 और एफवी मेघना-5 है। विस्तृत जांच के लिए ट्रॉलर नावों नावों को जांच के लिए पारादीप ले जाया गया है। पकड़े गए सभी घुसपैठियों पर समुद्री क्षेत्र अधिनियम, 1981 के तहत केस दर्ज किया गया है।

भारतीय तट रक्षक बल की टीम अंतराष्ट्रीय जल क्षेत्र में गश्त कर रही थी। ये समुद्री सीमा भारत-श्रीलंका को अलग करती है। तभी उन्हें भारतीय जल सीमा में घुसे मछली पकड़ने वाले 2 ट्रॉलर दिखे। तटरक्षकों ने इन्हें घेर लिया कुल 78 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें 37 क्रूमेंबर शामिल हैं। दोनों जहाज़ों के रजिस्ट्रेशन बांग्लादेश में हुए हैं। जहाजों पर सवार लोगों के बारे में छानबीन की जा रही है।

महाराष्ट्र में वीवीपैट की पर्चियों और ईवीएम के वोटों में कोई अंतर नहीं

नई दिल्ली, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के निर्वाचन आयोग ने कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों की अनिवार्य गणना के दौरान कोई खामी नहीं पाई गई है। आयोग ने विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि सत्यापन प्रक्रिया सभी 288 निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित की गई। दरअसल, महाविकास अघाड़ी ने ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप लगाया था।

आयोग ने कहा कि दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में रैंडम रूप से चयनित पाँच मतदान केंद्रों की वीवीपैट पर्चियों की गणना करना आवश्यक है। आयोग ने दिशा-निर्देशों के तहत काम किया और उसे किसी तरह का मिसमैच नहीं मिला। आयोग ने परिणाम के दिन 23 नवंबर को मतगणना पर्यवेक्षक और उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पर्चियों की गिनती की। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आयोग ने पूरी प्रक्रिया के दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों को साथ रखा था। इस दौरान सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक किए गए थे। यह पूरा प्रोसेस सीसीटीवी कैमरों के सामने किया गया, ताकि किसी को कोई आशंका न रहे और न बाद में किसी तरह का इस पर विवाद हो।

महाराष्ट्र के सभी 36 जिला चुनाव अधिकारियों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, सभी निर्वाचन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में दर्ज वोटों की उम्मीदवार के अनुसार संख्या वी-वीपीएटी पर्चियों से पूरी तरह मेल खाती है।

इसके लिए कुल 1,440 वीवीपैट पर्चियों की गिनती की गई। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों ने ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन आयोजित शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया था। इसके कुछ दिनों के बाद चुनाव आयोग का यह बयान आया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हारने वाले विपक्षी दलों के 20 से अधिक उम्मीदवारों ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे।

कल्याण कोर्ट ने खारिज किया वक्फ बोर्ड का दावा

दुर्गाडी किले की मस्जिद वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति नहीं

छत्रपति शिवाजी से जुड़ी है किले की पहचान

मुंबई, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के कल्याण जिले में स्थित दुर्गाडी किला पर महाराष्ट्र सरकार का अधिकार है। कल्याण की जिला एवं सत्र न्यायालय ने किले के भीतर स्थित मस्जिद और ईदगाह पर वक्फ बोर्ड के दावे को खारिज कर दिया है। इस किले में दुर्गा माता का एक प्राचीन मंदिर भी स्थित है।

कल्याण कोर्ट ने वक्फ बोर्ड के दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि किले के भीतर की मस्जिद वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति नहीं है। इस जगह पर 1968 तक मंदिर और मस्जिद दोनों का इस्तेमाल दोनों समुदाय करते थे,

लेकिन इसके बाद विवाद हो गया। साल 1967 में यहां पूजा करने पर भी रोक लगा दी गई थी। हालांकि शिवसैनिक रोक के बावजूद यहां पूजा किया करते थे। फिलहाल, ये सम्पत्ति कल्याण म्यूनिसिपल काउंसिल के कब्जे में है। यहां नवरात्रि के मौके पर शिवसेना प्रशासन से अनुमति लेकर बड़े पैमाने पर पूजा और मेले का आयोजन करती है।

कोर्ट के इस फैसले का पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना ने स्वागत किया है। शिवसेना का कहना है कि यह फैसला देवी दुर्गा के आशीर्वाद और हिंदू समुदाय की एकजुटता का परिणाम है। शिवसेना नेता दिनेश देशमुख और गोपाल लांडगे समेत कई कार्यकर्ताओं और सरकारी वकीलों के प्रयासों को भी इस जीत का श्रेय दिया गया है।

दुर्गाडी किला ऐतिहासिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह वह स्थान है जहां छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज्य के पहले नौसैनिक अभियान की शुरुआत की थी।

यह किला हमेशा से हिंदू समुदाय के लिए आस्था का केंद्र रहा है। पिछले 48 वर्षों से दुर्गाडी किले को देवी दुर्गा का मंदिर घोषित करने के लिए शिवसेना और हिंदू संगठनों ने आंदोलन चलाया। इस संघर्ष की शुरुआत शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने की थी। धर्मवीर आनंद दिघे और वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस आंदोलन को मजबूती दी। शिवसैनिकों ने कई बार दुर्गाडी किले के पास घंटानाद आंदोलन किया और सामूहिक आरती गाई। खासतौर पर नवरात्रि के दौरान इस किले को केंद्र में रखकर भव्य धार्मिक आयोजन किए गए। दुर्गाडी किले पर आज का फैसला न केवल एक ऐतिहासिक निर्णय है, बल्कि यह हिंदुत्व और मराठा इतिहास के गौरव को भी पुनर्जीवित करता है। शिवसेना और हिंदू संगठनों के प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया कि सत्य को दबाया नहीं जा सकता। अब यह किला न केवल आस्था का केंद्र रहेगा, बल्कि मराठा इतिहास का एक जीवंत स्मारक भी बनेगा।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नदी के कैचमेंट एरिया में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने की भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा

लखनऊ, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2407.20 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति हुई है। इसमें और वृद्धि की अपेक्षा है। इसकी बेहतरी के लिए विभागीय व जनपद स्तर के अधिकारी तेजी से प्रयास करें।

राजस्व प्राप्ति के लिए जिलाधिकारी व जिला खनन अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सोनभद्र, बांदा, कौशांबी तथा महोबा में खनन के दृष्टिगत राजस्व वृद्धि की असीम संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री जी ने कम राजस्व प्राप्त

करने वाले जनपदों की समीक्षा करते हुए इनमें भी राजस्व बढ़ोतरी के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शासन, विभाग व जनपद स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों पर शीघ्रता से निर्णय लेकर कार्रवाई बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व बढ़ाने के अन्य उपायों पर भी विचार करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नदी के कैचमेंट एरिया में किसी भी प्रकार के अवैध खनन की गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तकनीक का उपयोग करते हुए इसे सख्ती से रोका जाए। स्वीकृत खनन क्षेत्र के अंदर खनन कर रहे वाहनों पर व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) लगाया जाए, जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि खनन स्वीकृत क्षेत्र में ही हो रहा है या नहीं। इससे परिवहनकर्ता को भी सहूलियत होगी। अन्य राज्यों से प्रदेश में उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों की वैधता की जांच के लिए उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान व मध्य प्रदेश से एप-ीआई इंटीग्रेशन किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जनपदों में टास्क फोर्स अवैध खनन को रोकने के लिए समय-समय पर छापेमारी करते रहें। छापेमारी के दौरान विभागीय अधिकारी, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित हो। इसकी वीडियोग्राफी भी नियमित कराई जाए। विभाग के विभिन्न स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और विभागीय स्तर पर पेंडिंग मामलों का समय से निस्तारण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के किनारे मिट्टी-बालू तथा सिल्ट का प्रयोग ईंट बनाने में किया जाए। यह पर्यावरण को बचाने में कारगर होगा। उपजाऊ जमीन की मिट्टी का प्रयोग ईंट भट्ठों में न किया जाए।

इंडी गठबंधन पर जेल से ही भड़के सपा नेता आजम खान

गठबंधन स्टैंड स्पष्ट करे, अन्यथा मुस्लिम विकल्प तलाशेंगे

सीतापुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने सीतापुर जेल से ही इंडी गठबंधन पर कड़ा प्रहार किया है। आजम ने कहा कि इंडी गठबंधन रामपुर की बर्बादी पर चुपचाप बैठा रहा और इसने मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम किया है। आजम ने चेतावनी देते हुए कहा है कि इंडी गठबंधन को अपना स्टैंड क्लियर करना होगा वरना भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आजम खान ने जेल से ही अपना संदेश भेजा जिसे समाजवादी पार्टी की रामपुर इकाई के जिला अध्यक्ष अजय सागर ने मीडिया में जारी किया है।

आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओं में शुमार हैं। वह उत्तर प्रदेश में कई बार विधायक, सांसद और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेहद भरोसेमंद और करीबी लोगों में आजम खान का नाम लिया जाता है। आजम खान ने अपने

संदेश में कहा कि समाजवादी पार्टी को रामपुर के मामलों को संसद में उतनी ही मजबूती से उठाना चाहिए जितना कि संभल के मामलों को। आजम ने कहा कि अगर मुसलमानों के वोट का कोई मतलब नहीं है तो उन्हें इस पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा कि उनके वोट का अधिकार रहना चाहिए या नहीं। आजम खान के संदेश का स्पष्ट मतलब है कि मुसलमानों को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के अलावा किसी तीसरे विकल्प की तलाश करनी चाहिए। क्योंकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों ने ही आजम खान और रामपुर के मसले को तरजीह नहीं दी और अब संभल-संभल चिल्ला रहे हैं। आजम ने साफ कहा कि वे अपना स्टैंड स्पष्ट करें अन्यथा मुस्लिम समुदाय अन्य विकल्प पर विचार करने के लिए मजबूर होगा।

लोकसभा चुनाव से पहले आजम खान ने मुरादाबाद और रामपुर की लोकसभा सीट पर उनकी पसंद के उम्मीदवार को टिकट दिए जाने के लिए सपा पर दबाव बनाया था। आजम खान का परिवार पिछले कुछ सालों से लगातार मुश्किलों का सामना कर रहा है। आजम खान की पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्लाह आजम भी मुकदमों का सामना कर रहे हैं। आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। उत्तर प्रदेश में हाल ही में हुए उपचुनाव के बीच अखिलेश यादव आजम खान के परिवार से मिलने के लिए रामपुर गए थे। तब अखिलेश यादव ने कहा था कि आजम खान को इंसाफ मिलेगा और सपा सरकार आने पर उनके खिलाफ दर्ज मामलों को खत्म कर दिया जाएगा। लेकिन अखिलेश ने आजम के पक्ष में संसद में एक शब्द भी नहीं कहा।

हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी कमर उज जमा को उम्र कैद

कानपुर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

कानपुर के विशेष न्यायाधीश (एनआईए) ने आतंकवादी घटनाओं में शामिल कमर उज जामा उर्फ हुरैरा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कमर उज जमा ने गणेश उत्सव के दौरान वर्ष 2018 में हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन ने कानपुर के सिद्धिविनायक मंदिर में बड़ा धमाका करने का षड्यंत्र रचा था। इस आतंकी संगठन का आतंकवादी कमर उज जमा उर्फ डॉ. हुरैरा उर्फ़ करीम इस अनहोनी को अंजाम देने के लिए एक हफ्ते तक कानपुर जनपद के कलेक्टरगंज इलाके में स्थित सिद्धिविनायक मंदिर की रेकी कर रहा था। दस दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव के दौरान विस्फोट करके बड़े पैमाने पर जनहानि की घटना को अंजाम देने की साजिश रची गई थी। मगर आतंकवादियों के इरादों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने नाकाम कर दिया था।

आतंकवादी कमर उज जमा गत दो माह तक कानपुर के चकेरी थाना अंतर्गत शिवनगर मोहल्ले में किराए पर कमरा लेकर रह रहा था। आस-पास के लोगों को उसने बताया था कि वह निजी संचार कंपनी का कर्मचारी है। कमर उज जमा ने सिद्धिविनायक मंदिर के आस-पास के इलाकों का विधिवत अध्ययन कर लिया था। उसके मोबाइल में 5 मिनट का वीडियो मिला था। इस वीडियो को उसने हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन के मुख्यालय को भेजा था। कमर उज जमा ने पुलिस को बताया था कि यह वीडियो उसने रेकी के दौरान बनाया था।

तत्कालीन पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने बताया था कि कमर उज जमा ने स्वीकार किया था कि वह हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रीय आतंकी है। उसको कानपुर में आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए भेजा गया था। सबूत न बचे इसके लिए वह लगातार अपने मोबाइल को फॉर्मेट कर रहा था। हाल-फिलहाल की सभी व्हाट्स ऐप चैट को भी उसने डिलीट कर दिया था। उसके मोबाइल फोन की संपर्क सूची में केवल दो लोगों के नाम और नंबर मिले। आतंकी कमर उज जमा कम्पूटर और तकनीक का अच्छा जानकार है। यह मूल रूप से असम के जमुनामुख, होजाई का रहने वाला है। इसने सोशल मीडिया पर अप्रैल 2018 में स्वचालित हथियार एके-47 के साथ अपनी तस्वीर भी अपलोड की थी। तभी से एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) की टीम इस पर नजर रख रही थी।

महाकुंभ-2025 : एआई, डार्क वेब और सोशल मीडिया स्कैमर्स से बचाएगा साइबर थाना

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए तैयार योगी के योद्धा

महाकुंभ नगर, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी योगी आदित्यनाथ सरकार पहली बार इतने व्यापक स्तर पर महाआयोजन का डिजिटलीकरण करने जा रही है। डिजिटलाइजेशन के साथ साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए भी व्यापक तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में साइबर सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए मेला क्षेत्र में साइबर थाने की शुरुआत की गई है।

इसके माध्यम से एआई, डार्क वेब और सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर लोगों को झांसा देना संभव नहीं हो पाएगा। खास बात ये है कि इस बार देश विदेश से इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए पूरे प्रदेश के चुनिंदा अफसरों की एक स्पेशल टीम बुलाई गई है। यहां प्रदेश के चुनिंदा साइबर एक्सपर्ट्स पहुंच चुके हैं, जो 45 करोड़ श्रद्धालुओं की साइबर सुरक्षा में 24 घंटे तैनात रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ 2025 को अब तक का सबसे भव्य और

दिव्य आयोजन बनाने के लिए वृहद स्तर पर तैयारी की जा रही है। मेला के दौरान यहां 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है, जिनकी सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में एक एक श्रद्धालु की सुरक्षा पर मेले के अधिकारी विशेष ध्यान दे रहे हैं। यही नहीं, उन्हें साइबर सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए पूरे प्रदेश के चुनिंदा अफसरों की एक स्पेशल टीम महाकुंभनगर बुला ली गई है।

महाकुंभनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी बताते हैं कि फेक और डार्क वेबसाइट और सोशल मीडिया के शातिरों से श्रद्धालुओं की हर तरह से हिफाजत करने की योजना तैयार कर ली गई है। इसके लिए पूरे प्रदेश के अनुभवी अफसरों को यहां महाकुंभनगर में बुलाया गया है। आते ही साइबर सेल के एक्सपर्ट अपनी पोजिशन ले चुके हैं। सबसे खास बात यह है कि महाकुंभ में एआई, एक्स, फेसबुक और गूगल का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं किया जा सकेगा। ठगों के फर्जी तरीके से तैयार किए गए लिंक के हथियार नष्ट कर दिए जाएंगे। महाकुंभनगर की साइबर एक्सपर्ट की टीम ने तेजी से काम करते हुए ऐसी संदेहास्पद 44 वेबसाइटों को अपने रडार पर ले लिया है। जिनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को बड़े पैमाने पर जागरूक किया जा रहा है। उन्हें महाकुंभ मेले से संबंधित जानकारी के लिए 1920 नंबर भी जारी किया गया है। इसके साथ-साथ सरकारी वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा फर्जी वेबसाइटों की सूचना भी यहां थाने में दी जा सकती है, जिस पर साइबर थाना तुरंत कार्यवाही करेगा। इसके साथ ही देश-विदेश से महाकुंभ में आने वाले 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की साइबर सुरक्षा के लिए साइबर एक्सपर्ट की टीम दिन रात काम कर रही है। यह टीम एक स्थान पर लैपटॉप और कंप्यूटर से तो सक्रिय है ही, इसके अलावा इनकी मोबाइल टीम भी काम कर रही हैं। जो बड़ी संख्या में फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया के फेक अकाउंट से संबंधित मामलों को मोबाइल पर ही सॉल्व कर रहे हैं।

जो लोग एआई, फेसबुक, एक्स या इंस्टाग्राम के माध्यम से लोगों से पैसे मांगते हैं, उन पर भी साइबर एक्सपर्ट नजर रख रहे हैं। शिकायत मिलते ही उन पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। इनके अलावा फर्जी वेबसाइट और लिंक के जरिए धोखाधड़ी करने वालों पर भी सख्ती की जाएगी। महाकुंभ में आने वाले एक-एक श्रद्धालु की सुरक्षा में साइबर एक्सपर्ट की टीम 24 घंटे अलर्ट मोड में है

महाकुंभ से पहले बदले जाएंगे राम मंदिर में दर्शन और प्रसाद वितरण के नियम

मकर संक्रांति से होगा बदलाव

लखनऊ, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट ने सुविधाएं बढ़ाने का काम शुरू कर दिया है। महाकुंभ का शुभारंभ मकर संक्रांति से होगा। उससे पहले राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के स्लॉट को बढ़ा दिया गया है। अब राम मंदिर में वीआईपी दर्शन का स्लॉट छह से बढ़कर सात हो गया है। सुबह 11 से 12 बजे के बीच भी श्रद्धालु वीआईपी दर्शन कर सकेंगे।

इस समय राम मंदिर में रोजाना 70 से 80 हजार श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। पर्व-त्योहारों व वीकेंड पर यह संख्या बढ़कर दोगुना हो जाती है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ

क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से पास के माध्यम से वीआईपी दर्शन की सुविधा है। इसके लिए ट्रस्ट दो तरह का पास जारी करता है। एक सुगम दर्शन पास व दूसरा विशिष्ट दर्शन पास। इन दोनों पास के माध्यम से श्रद्धालुओं को वीआईपी दर्शन की सुविधा प्राप्त होती है। साथ ही ट्रस्ट ने वीआईपी दर्शन के लिए छह पाली यानी स्लॉट भी निर्धारित कर रखा है। पहला स्लॉट सुबह सात से नौ बजे, फिर नौ से 11, दोपहर डेढ़ से तीन, तीन से पांच, पांच से सात और सात से नौ बजे का था। हर एक स्लॉट में पांच सौ पास जारी किए जाते हैं।

राम मंदिर में वीआईपी श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। कभी-कभी सारे स्लॉट फुल हो जाते हैं, ऐसे में वीआईपी दर्शन कराने में असुविधा होती है। इसको देखते हुए ट्रस्ट ने सुबह 11 से 12 बजे का एक नया स्लॉट बना दिया है। पहले सुबह 11 से एक बजे के स्लॉट में वीआईपी दर्शन की सुविधा नहीं थी, क्योंकि दोपहर 12:15 बजे रामलला की भोग आरती होती है फिर 12:30 से 1:30 तक मंदिर बंद रहता है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि वीआईपी श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या व आगामी कुंभ मेले को देखते हुए स्लॉट में वृद्धि की गई है।

महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को रामलला का प्रसाद मिल सके इसके लिए ट्रस्ट राममंदिर परिसर में प्रसाद का काउंटर बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। महाकुंभ में रोजाना दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने की संभावना है। इसको देखते हुए ट्रस्ट प्रसाद का काउंटर बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। मकर संक्रांति से काउंटर बढ़ा दिए जाएंगे।

महाकुंभ को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रहा है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि महाकुंभ के दौरान यदि दो लाख श्रद्धालु भी रामलला के दरबार में रोजाना पहुंचेंगे तो कोई असुविधा नहीं होगी। सभी श्रद्धालुओं को ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क प्रसाद दिया जाता है। इसके लिए चार काउंटर बनाए गए हैं।

तीन काउंटर श्रीराम जन्मभूमि पथ पर व एक काउंटर वीआईपी दर्शन मार्ग पर बनाया गया है। डॉ अनिल ने बताया कि प्रसाद के पैकेट भी अधिक बनवाए जाएंगे, ताकि सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद मिल सके। इसके अलावा परिसर में चल रहे सड़कों के निर्माण का कार्य भी 14 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। परिसर में इधर-उधर पड़ी निर्माण सामग्री को भी व्यवस्थित कराया जा रहा है। जूता-चप्पल रखने के लिए एक भवन के निर्माण का काम भी शुरू हो गया है।

फर्जी पत्रकार असीम जैदी ने संभल में दी थी पुलिस को धमकी

वर्दी उतरवा दूंगा, बर्खास्त करा दूंगा... वाला पत्रकार पकड़ा गया

संभल, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

संभल जिले में 24 नवंबर हुई हिंसा के बाद पुलिस ने दंगाइयों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने इस कार्रवाई में 41 दंगाई गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने लगभग 450 पत्थरबाजों को सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से चिन्हित किया है। इनकी तलाश जारी है।

संभल पुलिस ने 50 और उपद्रवियों की पहचान कर ली है। अब तक 450 ऐसे ही उपद्रवियों की पहचान हो चुकी है। इनमें से 100 के नाम भी पुलिस को पता चल गए हैं। संभल में हिंसा करने वाले दंगाइयों की पहचान में इसलिए भी समय लग रहा है क्योंकि उन्होंने हमले के वक्त

नकाब पहन रखा था। संभल हिंसा मामले में हाल ही में एक पत्रकार को भी गिरफ्तार किया था। उसके बारे में भी कई जानकारियां सामने आई हैं। संभल पुलिस ने 6 दिसंबर को एक फर्जी पत्रकार असीम रजा जैदी को गिरफ्तार किया। असीम जैदी हिंसा के बाद भड़काऊ वीडियो शेयर कर रहा था। उसने मुस्लिमों को इकट्ठा किया था और उन्हें उकसा रहा था। इस संबंध में सूचना संभल पुलिस को दी गई थी। उसको रोकने के लिए जब पुलिस पहुंची तो वह धमकाने पर उतर आया। उसने सब इंस्पेक्टर संजीव को धमकी दी, मुझे जानते नहीं हो। मैं पत्रकार हूं। अपनी एक खबर से तुमको बर्खास्त करवा दूंगा। इसके बाद असीम को गिरफ्तार कर लिया गया। असीम के खिलाफ इसके बाद पुलिस ने ही एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने असीम जैदी के दावों का सत्यापन भी करवाया कि आखिर वह कहां का पत्रकार है। जब असीम के बताए संस्थान से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वह उनका कर्मचारी नहीं है।

संपादकीय

जॉर्ज सोरोस भारत-विरोधी

संसद के दोनों सदनों में हंगामे, नारेबाजी की एक त्रिकोणीय स्थिति है। त्रिकोण के एक सिरे पर भाजपा, संभल, जॉर्ज सोरोस हैं। दूसरे सिरे पर अडाणी समूह और सोनिया-राहुल गांधी हैं। तीसरे सिरे पर राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की कवायद है। कोई भी कोण समझौते और सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन के पक्ष में नहीं लगता। संसद अखाड़ा बनकर रह गई है। जॉर्ज सोरोस के परोक्ष हस्तक्षेप और भारत-विरोधी सोच और ऐसे ही संगठनों को आर्थिक मदद आदि देने का मुद्दा कुछ अधिक संवेदनशील और कूटनीतिक है। संभल, उप्र की सांप्रदायिक हिंसा पर सपा संसदीय बहस की पक्षधर है, तो कांग्रेस 'अडाणी, अडाणी' के अलावा किसी और मुद्दे पर संसदीय दखल के मूड में नहीं है। कांग्रेस को लगता है कि इसी मुद्दे पर जनादेश मिल सकता है, हालांकि पार्टी बार-बार नाकाम रही है। अडाणी समूह भारत के सर्वोच्च औद्योगिक समूहों में एक है। उस पर लगातार प्रहार करना और उसे अपमानित करने का एजेंडा चलाना देशहित में नहीं है। लोकतंत्र के मायने वाचालता नहीं हैं। कांग्रेस की राज्य सरकारों ने हजारों करोड़ रुपए के ठेके अडाणी समूह को दिए हैं और आज भी ऐसे ठेके कर्नाटक, तेलंगाना की कांग्रेस सरकारों में जारी हैं। अडाणी समूह की काट के लिए एक पुराना मुद्दा, संसद में भी, गूंज रहा है। जॉर्ज सोरोस और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इसमें एक ही सिक्के के दो पहलू लगते हैं। हंगरी में जन्मे सोरोस अमरीका के उम्रदराज उद्योगपति हैं। वह 600 अरब रुपए के बाजार-मूल्य के उद्योगपति हैं। उन्होंने विश्व भर में करीब 90,000 करोड़ रुपए के दान विभिन्न संगठनों को दिए हैं। सोरोस की मदद से ही 30 देशों के 150 खोजी पत्रकारों का एक संगठन बना-ओसीसीआरपी। इस संगठन के सौजन्य से अमरीकी प्रवास के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की उस प्रेस-वार्ता का आयोजन किया गया था, जिसकी विषय-वस्तु अडाणी समूह और प्रधानमंत्री मोदी के ही इर्द-गिर्द थी। प्रधानमंत्री मोदी को कई मौकों पर ओसीसीआरपी ने 'अलोकतांत्रिक नेता' करार दिया। इस संगठन के जरिए जम्मू-कश्मीर में 'फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स फाउंडेशन' बनाया गया था। सोरोस मोदी-विरोध के इस चक्रव्यूह का बुनियादी दानदाता रहा है। ओसीसीआरपी और फोरम ने जम्मू-कश्मीर को 'अलग देश' माना था और प्रचारित कर उसकी व्याख्या भी की थी। आपत्तिजनक मुद्दा यह है कि 1997 में सोनिया गांधी जम्मू-कश्मीर वाले संगठन की सह-अध्यक्ष थीं। वह भारत-विरोधी प्रचार और सोच के संगठन में पदाधिकारी थीं, लिहाजा देशविरोधी गतिविधियों में संलिप्त थीं। बहरहाल हम अडाणी समूह के खिलाफ दुष्प्रचार में सोरोस की वित्तीय और अन्य भूमिकाओं को एक तरफ रखते हैं, क्योंकि यह व्यक्तिगत औद्योगिक खुन्नस का मामला भी हो सकता है। यदि सोरोस भारत-विरोधी गैर-सरकारी संगठनों को, अलग-अलग कार्यों के लिए, पैसा मुहैया कराता रहा है, तो आज तक उसकी अनुमति किन आधारों पर दी जाती रही? क्या भारत सरकार के गृह और वित्त मंत्रालयों को जानकारी नहीं रही कि सोरोस किस मकसद से कुछ संगठनों को वित्त-पोषित करता रहा है? क्या सोरोस और भारत के गांधी परिवार के बीच कोई सांठगांठ, मिलीभगत है, बेशक वह प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ रही हो? यदि किसी भारत-विरोधी अभियान, सर्वेक्षण, दुष्प्रचार में सोनिया गांधी की सवालिया, संदिग्ध भूमिका रही है, तो मौजू सवाल यह है कि 1997 के संदर्भ की याद 2024 में ही क्यों आई? क्या वह संदर्भ आज भी प्रासंगिक है? यदि वाकई ऐसा है, तो सोनिया गांधी के खिलाफ देशविरोध का केस दर्ज किया जाए। कुछ विषय जांच के हैं। संसद में कोहराम 'देशविरोध' का ही काम है।

जॉर्ज सोरोस के परोक्ष हस्तक्षेप और भारत-विरोधी सोच और ऐसे ही संगठनों को आर्थिक मदद आदि देने का मुद्दा कुछ अधिक संवेदनशील और कूटनीतिक है। संभल, उप्र की सांप्रदायिक हिंसा पर सपा संसदीय बहस की पक्षधर है, तो कांग्रेस 'अडाणी, अडाणी' के अलावा किसी और मुद्दे पर संसदीय दखल के मूड में नहीं है। कांग्रेस को लगता है कि इसी मुद्दे पर जनादेश मिल सकता है, हालांकि पार्टी बार-बार नाकाम रही है। अडाणी समूह भारत के सर्वोच्च औद्योगिक समूहों में एक है। उस पर लगातार प्रहार करना और उसे अपमानित करने का एजेंडा चलाना देशहित में नहीं है। लोकतंत्र के मायने वाचालता नहीं हैं। कांग्रेस की राज्य सरकारों ने हजारों करोड़ रुपए के ठेके अडाणी समूह को दिए हैं और आज भी ऐसे ठेके कर्नाटक, तेलंगाना की कांग्रेस सरकारों में जारी हैं। अडाणी समूह की काट के लिए एक पुराना मुद्दा, संसद में भी, गूंज रहा है। जॉर्ज सोरोस और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इसमें एक ही सिक्के के दो पहलू लगते हैं।

अवरुद्ध भागने के रास्ते और अपर्याप्त अग्नि निकास, जिसने बड़ी संख्या में मौतों में योगदान दिया

सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा की लापरवाही

डॉ.सत्यवान सौरभ

राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) और अग्नि सुरक्षा और रोकथाम नियमों के बावजूद, कई अस्पताल इन विनियमों का पालन नहीं करते हैं। यह बेहतर अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन और भविष्य में जानमाल के नुक़सान को रोकने के लिए बुनियादी ढांचे में महत्त्वपूर्ण उन्नयन की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर देता है। सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ अग्नि सुरक्षा कार्यान्वयन में त्रुटिपूर्ण हैं। भ्रष्टाचार और अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने में उचित निगरानी की कमी के कारण कई अस्पताल निर्धारित अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने में विफल रहते हैं।

उत्तर प्रदेश के झांसी में एक अस्पताल में लगी दुखद आग, जिसमें 11 नवजात शिशुओं की जान चली गई, भारत के सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा उपायों की विफलता को उजागर करती है। राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) और अग्नि सुरक्षा और रोकथाम नियमों के बावजूद, कई अस्पताल इन विनियमों का पालन नहीं करते हैं। यह बेहतर अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन और भविष्य में जानमाल के नुक़सान को रोकने के लिए बुनियादी ढांचे में महत्त्वपूर्ण उन्नयन की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर देता है। सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ अग्नि सुरक्षा कार्यान्वयन में त्रुटिपूर्ण हैं। भ्रष्टाचार और अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने में उचित निगरानी की कमी के कारण कई अस्पताल निर्धारित अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने में विफल रहते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, कई अस्पताल विनियामक जाँच को दरकिनार कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप असुरक्षित संरचनाएँ बन जाती हैं जो अग्नि सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करती हैं। अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और योजनाः अनुचित योजना और घटिया निर्माण के कारण अक्सर सार्वजनिक संस्थानों, विशेषकर अस्पतालों में आग का ख़तरा पैदा होता है। कोलकाता एएमआरआई अस्पताल में आग लगने की घटना (2011) ने संरचनात्मक योजना में गंभीर खामियों को उजागर किया, जैसे कि अवरुद्ध भागने के रास्ते और अपर्याप्त अग्नि निकास, जिसने बड़ी संख्या में मौतों में योगदान दिया। जागरूकता और प्रशिक्षण की कमी जैसे चिकित्सा कर्मचारी और अग्नि सुरक्षा कर्मियों को अक्सर आग की रोकथाम, आपातकालीन

निकासी या अग्निशमन तकनीकों में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं किया जाता है। मुंबई (2020) में एक कोविड -19 सुविधा में आग लगने से तैयारियों की कमी का पता चला, अस्पताल के कर्मचारी अपर्याप्त प्रशिक्षण और जागरूकता के कारण आग की आपात स्थिति को संभालने में असमर्थ थे। कई अस्पताल, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने या पर्याप्त अग्निशमन उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी रखते राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट में 2022 में 7, 500 से अधिक आग दुर्घटनाएँ दर्ज की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 7, 435 मौतें हुईं, जो खराब प्रवर्तन के गंभीर परिणामों को दर्शाता है। कई अस्पतालों में आग के खतरों से बचाव के लिए समर्पित निकासी मार्ग, अग्निरोधी सामग्री और अन्य आवश्यक बुनियादी ढाँचे का अभाव है। उपहार सिनेमा अग्नि (1997), जिसमें 59 लोग मारे गए थे, अपर्याप्त निकास बिंदुओं के कारण और भी गंभीर हो गई थी, जो एनबीसी और एनडीएमए दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित मज़बूत निकासी योजना की आवश्यकता को उजागर करती है। भारत में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अग्नि सुरक्षा मानकों के कार्यान्वयन में भिन्नताएँ क्षेत्रीय असमानताएँ पैदा करती हैं। इन चुनौतियों का समाधान करने के उपाय निगरानी और विनियमन को मज़बूत करना है। अग्नि सुरक्षा मानदंडों की मज़बूत निगरानी सुनिश्चित करना और सभी अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य बनाना अनुपालन में सुधार कर सकता है। सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के लिए एनडीएमए के दिशानिर्देशों को नियमित निरीक्षण और गैर-अनुपालन के लिए दंड के साथ और अधिक सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। अस्पतालों को आधुनिक अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, जिसमें फायर अलार्म, स्प्रिंकलर और अग्नि शमन प्रणाली शामिल हैं। दिल्ली के एम्स में अग्नि सुरक्षा उपाय, जिसमें उन्नत अग्नि पहचान और दमन प्रणाली शामिल हैं, अन्य अस्पतालों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकते हैं। आपातकालीन प्रक्रियाओं पर अस्पताल के कर्मचारियों के लिए नियमित अग्नि सुरक्षा अभ्यास और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। एनडीआरएफ द्वारा शुरू किए गए अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को किसी संकट के दौरान कर्मचारियों की तत्परता सुनिश्चित करने के लिए सभी अस्पतालों में दोहराया जा सकता है। सरकारों और अस्पताल अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे और नियमित रखरखाव के लिए अधिक धन आवंटित करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) नए अस्पताल परियोजनाओं के लिए अपने वित्त पोषण प्रस्तावों के अनिवार्य हिस्से के रूप में अग्नि सुरक्षा को शामिल कर सकता है, विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में। अस्पतालों और सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने से बेहतर सतर्कता और सुरक्षा मानकों के पालन को बढ़ावा मिल सकता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान अग्नि रोकथाम और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में ज्ञान फैलाने में मदद कर सकते हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने वाले अस्पतालों को सब्सिडी या अनुदान जैसे प्रोत्साहन प्रदान करने से बेहतर कार्यान्वयन को बढ़ावा मिल सकता है। झांसी में अस्पताल में लगी दुखद आग सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन में चल रही खामियों की एक स्पष्ट याद दिलाती है। जापान जैसे देशों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, जहाँ आग से होने वाली मौतों की दर सबसे कम है, एक मार्गदर्शक प्रकाश हो सकता है। सरकार को सुरक्षित सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे को उन्नत करने, विनियमन को बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दृष्टि कोण

शहीद गाथाओं का महीना, अंधेरों में जश्न नहीं

पिछले अनेक वर्षों की तरह इस वर्ष भी दिसंबर का अर्थ अपने देश में, सरकारों में, समाज में और भारत से इंडिया बनते जा रहे समृद्ध वर्ग में केवल इतना ही है कि नववर्ष के स्वागत की तैयारियां करो। नववर्ष भी वह जो भारतीय संस्कृति के अनुसार सूर्य की पहली किरण के साथ नहीं, अपितु आधी रात के अंधेरों में मनाया जा रहा है। श्री जयशंकर प्रसाद के अनुसार अंधकार में दौड़ लग रही, मतवाला यह सब समाज है। अब दौड़ भी अंधकार में लगती है और एक बहुत बड़ा वर्ग शराब के नशे में मतवाला भी हो जाता है। मेरा प्रश्न देश से, सरकार से, समाज से यह है कि क्या दिसंबर का एक ही महत्व है कि पिछले वर्ष से नए वर्ष में जाने की तैयारी। यह वर्ष तो वैसे भी ब्रिटिश दासता का एक ऐसा नासूर है जिसे हम मिटाते नहीं, बल्कि पाल-पोस कर बढ़ा रहे हैं। सच्चाई यह है कि दिसंबर में हमारे पास मनाने को बहुत कुछ है। याद करने को भी बहुत कुछ है। वास्तविकता तो यह है कि दिसंबर मास में भारत के इतने बेटे-बेटियां शहीद हुए, अगर उनको ही याद करते रहें तो हर दिन अनेक शहीदों का बलिदान दिन या विशेष उल्लेखनीय कर्म का दिन है, पर याद कौन करेगा? दिसंबर के इसी सप्ताह में हम श्री गोबिंद सिंह जी के बलिदानी बच्चों को याद कर रहे हैं, प्रणाम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में ऐसा कोई उदाहरण नहीं जहां सात और नौ वर्ष के बच्चे अपने देश और धर्म की रक्षा के लिए दीवारों में चिनवा दिए गए हों। जिन्होंने ललकार कर कह दिया हो कि वे कभी मुसलमान नहीं बनेंगे और सतश्री अकाल कहते हुए बलि पथ पर बढ़ गए। इन दिनों याद हम शहीद बलिदानी मोतीलाल मेहरा को भी करेंगे जो गुरु जी के बलिदानी परिवार को दूध पिलाने के कारण मुसलमानों की दृष्टि में अपराधी हुआ और सपरिवार कोल्हू में पीस दिया गया। ऐसे महापुरुषों को, बलिदानियों को याद करके ही हम स्वतंत्र रह सकते हैं। देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा कर सकते हैं। इसे हम दुर्भाग्य कहें या विडंबना कि आजादी के बाद उनको पूरी तरह भुला दिया जिन्होंने स्वतंत्रता हित में असंख्य यातनाएं सहते हुए आजादी दी। क्या देश यह याद न करता कि अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए मेघालय के एक गांव में पैदा हुआ नौजवान थोग्गन नेग मइया संगमा बड़ी वीरता से, नेतृत्व कुशलता से अपने आसपास के ग्रामीण युवकों को एकत्रित कर अंग्रेजों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया। वर्षों तक उसने अंग्रेजों को चने चबवाए। उसे काबू करने के लिए अंग्रेज सेना ने एक साथ तीन ओर से हमला किया। वर्तमान बंग्लादेश में स्थित जिला मैमन सिंह, दूसरा ग्वाल पाड़ा और तीसरा दावा बर्मा की ओर से बोला गया, पर यह वीर अजेय रहा। आखिर अंग्रेजों की चाल में फंसा। जब वार्ता के लिए अंग्रेजों ने इसे अपनी छावनी में बुलाया तो 12 दिसंबर 1872 को इसे गोलियों से भून दिया। संगमा की खासियत यह रही कि इसकी शहादत के बाद भी गारो पहाडियों में पैदा हुए उसके वीर अंग्रेजों को नाकों चने चबवाते रहे, पर याद किसको है। निश्चित ही मेघालय में इसके नाम के दीपक घर-घर जलते होंगे, अन्यथा दिसंबर तो बस होटलों में पार्टियों की तैयारियों का ही महीना बन जाता है। 24 दिसंबर 1930 को भारत के अबाल वृद्ध, नर-नारी के सिर ऊंचा करके दुनिया से पूछने का दिन है कि क्या किसी और देश ने ऐसी वीर बेटियां पैदा कीं। बंगाल की शांति घोष और सुनीति चौधरी अंग्रेजों के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल थी। जन्म तो इनका 1916 व 1917 में ही हुआ है, पर 1930 तक इन्होंने इतिहास में अपने लिए स्वर्णिम अक्षर सुरक्षित कर लिए। त्रिपुरा जिले का मजिस्ट्रेट स्टीवंसन जो भारतीयों पर अत्याचार करने के लिए प्रसिद्ध था और सुरक्षा के चार घेरों के अंदर रहता था, वहां तक ये दोनों वीर बेटियां पहुंच गईं। स्टीवंसन को विश्वास दिला दिया कि वे वास्तव में ही नौका प्रतियोगिता के लिए आज्ञा लेने आई हैं और तभी दोनों ने पांच-पांच गोलियां मारकर उसका काम तमाम कर दिया। पूरे देश में ही नहीं, दुनिया में इन गोलियों की गूंज पहुंची। भारत की जनता ने इनमें दुर्गा, भवानी का अवतार महसूस किया। इसके बाद इन्हें कालापानी की जेल में भेजा गया। स्वतंत्र भारत की यह विडंबना है कि किसी इतिहासकार ने, सरकार ने, चिंतक ने यह जानने का प्रयास ही नहीं किया कि ये दो भारत पुत्रियां कालापानी की जेल से मुक्त होने के बाद जिंदा वापस आईं या वहीं शहीद हो गईं। अगर जिंदा आईं तो कहां गईं? पर भारत के लिए दिसंबर माह तो त्योहार होना चाहिए। क्या यह उन शहीदों से कम है जो फांसी के फंदे पर झूल गए और न ही ये रानी झांसी और उसकी मुंहबोली बहन मैना से कम है। काश! कथा कहानियों में इन्हें कोई स्थान मिल पाता तो ये हर बालक-बालिका का कंठहार हो जातीं। 23 दिसंबर 1912 भी तो देश के लिए गौरव का दिन है जब बंगाल से अंग्रेजों ने दिल्ली दरबार बनाने के लिए दिल्ली में प्रवेश किया तो दिल्ली के दिल चांदनी चौक में एक जबरदस्त बम धमाका हुआ।

कुछ अलग

स्वागत करो नए उल्लू का

मुझे अपनी जात को यह हृदय विदारक सूचना देते हुए हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि लाख उलूक उन्नयन संस्कार न करवाने की जिद्द के बावजूद स्वहित में मैंने भी उलूक उन्नयन संस्कार करवा उल्लुओं की संगत ज्वाइन कर ली है। या कि आप संस्कारी भाषा में कहें तो मैंने भी अपना उल्लू उन्नयन संस्कार करवा लिया है। उलूक उन्नयन संस्कार करवाने के बाद ही आदमी उच्चकोटि का आदमी हो पाता है। इसलिए इस संस्कार के बाद अब मैं भी उच्चकोटि का संस्कारित आदमी हो गया हूं। हे संस्कारों के पुजारियो! पहले आदमी के लिए शास्त्रों मे सोलह संस्कारों का प्रावधान था। पर आजकल ये सत्रहवां संस्कार बहुत जरूरी हो रहा है। इसके चलते आदमी के सोलह संस्कार हों या न, पर उसका ये सत्रहवां संस्कार होना बहुत जरूरी माना जा रहा है। जिसका उलूक उन्नयन संस्कार नहीं होता या जो अपना उलूक संस्कार नहीं करवाता, उसे कहीं भी आदमी नहीं समझा जाता। इसलिए आज आदमी की भलाई इसी में है कि वह अपना कोई और संस्कार करवाए या न, पर उलूक उन्नयन संस्कार सही समय पर जरूर करवाए। आदमी होने की सच्ची गरिमा इसी में है। बंधुओ! जब तक आदमी का उलूक उन्नयन संस्कार नहीं होता तब तक आदमी होने के बाद भी वह छिपा हुआ आधा अधूरा उल्लू ही रहता है। इस संस्कार के बाद आदमी का उल्लूपना आदरणीय हो जाता है, परमादरणीय हो जाता है। उसका उल्लूपना उसके सिर चढ़ कर तो बोलता ही है, बिन सिर वालों के भी सिर चढ़ कर बोलता है। इतिहास गवाह है कि उल्लू हुए बिना आदमी की गति तक संभव नहीं, सद्गति तो छोड़िए। मेरे आसपास के संभ्रांत मुझ पर बड़े दिनों से दबाव बनाए थे कि अब समय आ गया है कि मुझे अपना उलूक उन्नयन संस्कार करवा लेना चाहिए। असल में जबसे सनातन! सनातन! कर रट लगाने वाले सनातन की छाती पर मूंग दलते दिखने लगे थे, खुशबुओं के शौकीन जब कुदरती खुशबुओं के बदले नकली खुशबुओं के दीवाने मिलने लगे थे तो मुझे भी मेरा आदमी होना सहन नहीं हो रहा था। इसलिए मैंने उल्लू बनने को प्रयास अधिक तो उन्होंने मुझे उल्लू बनाने के मिलजुल कर प्रयास किए। सब सही चलने के बाद भी पता नहीं अचानक बीच बीच में मुझे क्या हो जाता, कि मैं आदमी ही रहने को तड़प उठता। और फिर मैं उन्हें भगवान की श्रेष्ठ कृति होने के नाते उन्हें दोनों हाथ जोड़ समझाने की कोशिश करता कि जनाब! जरा सोचिए! आप भगवान की तिरयासी लाख निन्यानवे हजार नौ सौ निन्यानवे योनियों के बाद के हैं। पर वह समझ नहीं रहे थे। समझते तो तब जो आदमी होते। आदमी जब उल्लू हो जाता है तो वहन के बराबर ही समझता है। असली उल्लू वही जो अपने मन की करके रहे, करवा कर रहे। इसलिए वे नहीं माने तो नही माने। ...और मैंने उल्लुओं के आगे सहर्ष लंगर डाल दिए। या कि उल्लुओं के आगे घुटने टेक आत्मसमर्पण कर दिया। जब करना ही है तो समर्पण क्यों, आत्मसमर्पण किया जाए पूरी शान शौकत के साथ। ज्यों ही मैंने उनके आगे घुटने टेक आत्मसमर्पण किया तो वे गजब के हिनहिनाए। आत्मसमर्पण करने के बाद अपने पर उनको हिनहिनाता देख उन पर बहुत दया आई। रे भगवान! तू कई बार उल्लुओं को आदमियों की शेप क्यों दे देता है? मैंने भगवान से यों ही पूछ लिया अपना मन रखने को। जबकि मुझे पता है कि सही प्रश्नों के उत्तर तक जब आदमी ही नहीं देते तो बेहूदे प्रश्न का उत्तर वे क्यों देते भला? दूसरे, मेरे आसपास तो चौथाई आदमी तक नहीं था। जब अपने आसपास गलत को ताल ठोंक ठोंक कर सही कहने वालों का बहुमत हो तो ऐसे में हर टाइप के आदमी को जनहित में उल्लू हो जाना चाहिए।

देश दुनिया से

देश-विदेश में प्रासंगिक श्रीमद्भगवद गीता

श्रीकृष्ण तथा सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन का कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर संवाद श्रीमद्भगवदगीता वैश्विक स्तर पर प्रेरणा बन चुका है। करोड़ों लोग भगवदगीता के प्रति सम्मान भाव रखते हैं। सबसे ताकतवर मुल्कों में शुमार अमेरिका की 'नेशनल इंटेलीजैंस एजेंसी' की प्रमुख 'तुलसी गबार्ड' ने सन् 2016 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सांसद पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ली थी। अमेरिका की नेशनल गार्ड यूनिट में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर तुलसी गबार्ड इराक व कुवैत जैसे देशों में सैन्य मिशन का हिस्सा रह चुकी हैं। ब्रिटेन की संसद 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में कश्मीरी पंडितों के पलायन तथा वर्तमान में बांग्लादेशी हिंदुओं की आवाज बुलंद करने वाले ब्रिटिश सांसद 'बॉब ब्लैकमैन' 'पद्मश्री' ने सन् 2020 में सांसद पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ली थी। बॉब ब्लैकमैन ने ही कश्मीर पलायन को नरसंहार की श्रेणी में रखने की मांग की थी। 'ऋषि सुनक' ने हाउस ऑफ कॉमन्स में ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ली थी। ऋषि सुनक के अनुसार तनावपूर्ण हालात में गीता कत्र्तव्य पथ पर अडिग रहने का ज्ञान प्रदान करती है। आस्ट्रेलिया के भारतवंशी सांसद 'डेनियल मुखे' ने सन् 2015 में तथा वल्ड बैंक के पूर्व सलाहकार बैरिस्टर 'वरुण घोष' ने इसी वर्ष आस्ट्रेलिया की संसद में सीनेटर पद की शपथ गीता पर हाथ रखकर ग्रहण की थी। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य की गवर्नर 'अरुणा मिलर' तथा ब्रिटेन की सांसद 'शिवानी राजा' व 'कनिष्क नारायण' जैसे भगवद्गीता को साक्षी मानकर शपथ लेने वाले भारतीय मूल के विश्व में कई नेता हैं। अमेरिका की 'सुनीता विलियम्स' व हालीवुड अदाकार 'बिल स्मिथ' जैसे विदेशी लोग गीता को प्रेरणा मानते हैं। मशहूर वैज्ञानिक 'होमी जहांगीर भाभा' भी गीता को प्रेरणास्रोत ग्रंथ मानते थे। ओपेनहाइमर ने विज्ञान के कई रहस्यों को समझने में भगवदगीता से प्रेरणा ली थी। परमाणु परीक्षण के बाद ओपेनहाइमर को श्रीकृष्ण का विराट रूप याद आया था। भगवदगीता का अनुवाद कई भाषाओं में हो चुका है। मगर भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में धर्म निरपेक्षता की चिल्मन तथा वोट बैंक की सियासत के चलते ज्ञान का सागर भगवदगीता तथा वैदिक साहित्य उपेक्षित हो चुके हैं। देश में कई संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, सुरक्षा एजेंसियों, सर्वोच्च न्यायलय, भारतीय संसद व सेना के आदर्श वाक्य भगवदगीता, रामायण, महाभारत व उपनिषदों से लिए गए हैं। रामायण व महाभारत जैसे महाकाव्यों पर फिल्में व सीरियल बनाकर बालीवुड के अदाकार करोड़ों रुपए कमा लेते हैं। धार्मिक मुद्दों को आधार बनाकर सियासी रहनुमां लोकतंत्र के शीर्ष पर विराजमान हो जाते हैं। चंद्रवंशी व सूर्यवंशी क्षत्रियों की शौर्यगाथाओं का गुणगान करके तथाकथित धर्माचार्य करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। धर्म के नाम पर टीवी चैनलों की भरमार है। लेकिन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर श्रीकृष्ण का प्रेरणादायक उपदेश भगवदगीता व अन्य धर्मग्रंथों का ज्ञान शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं बना। खेलों में विशेष योगदान के लिए 'द्रोणाचार्य अवार्ड' प्रदान किए जाते हैं, परंतु गुरु द्रोणाचार्य की 'चक्रव्यूह' जैसी युद्ध संरचनाओं पर कभी शोध नहीं हुआ। भारतीय सेना के कई टैंकों, मिसाइलों व हथियारों के नाम रामायण व महाभारत काल के महान् योद्धाओं तथा उनके अचूक मारक क्षमता वाले अस्त्र-शस्त्रों के नाम से जाने जाते हैं, मगर पाशुपातास्त्र, ब्रह्मास्त्र, नारायणास्त्र, आग्नेयास्त्र व गरुड़ास्त्र जैसे पूरी कायनात का संतुलन बिगाडने वाले विध्वंसक दिव्यास्त्रों की मारक क्षमता पर गहन अध्ययन नहीं हुआ। अर्जुन, अश्वथामा, बर्बरीक, कर्ण व अभिमन्यु जैसे महापराक्रमी योद्धाओं के शौर्य पराक्रम पर विवेचना नहीं हुई। गंगापुत्र भीष्म, भगदत्त व बाहलीक जैसे महाभारत युद्ध के वयोवृद्ध योद्धाओं की शक्ति व अदम्य साहस पर विश्लेषण नहीं हुआ। देश में महिला सशक्तिकरण की वकालत जोर-शोर से होती है, लेकिन प्राचीन गांधार जनपद की राजकुमारी तथा कौरवों की माता 'गांधारी' जैसी सशक्त महिला के मजबूत जज्बातों को समझने की कोशिश नहीं की जाती। महाभारत युद्ध में अपने निन्यानवें पुत्रों की वीरगति के बाद गांधारी ने ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन को पांडवों के समक्ष संधि-समझौता, युद्ध विराम या आत्मसर्मपण करने की सलाह नहीं दी, बल्कि परम शिव भक्त गांधारी ने अपने तपोबल व निगाहों के तेज से दुर्योधन को वज्र बनाकर युद्धभूमि में जाने के लिए प्रेरित करके क्षत्रिय धर्म का पालन किया था। यदि वर्तमान में युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति व संस्कारों से विमुख होकर बॉलीवुड के अदाकारों को अपना आदर्श मान रही है, छात्र वर्ग महत्वाकांक्षाओं के बोझ में भ्रमित होकर अपने जीवन का लक्ष्य भूलकर आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा रहे हैं, तो स्वीकार करना होगा कि भारतीय समाज शाश्वत ज्ञान से भरपूर भगवदगीता जैसे वन्दनीय ग्रंथ के ज्ञान से महरूम रहकर भौतिकतावादी जीवनशैली व पश्चिमी तहजीब का गुलाम बन चुका है। श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को माध्यम बनाकर दिया गया गीता का ज्ञान समस्त विश्व के लिए सार्थक व उपयोगी सिद्ध हुआ है। कर्म-धर्म व कत्र्तव्य मार्ग पर चलने का उपदेश देने वाली गीता में जीवन जीने की कला का ज्ञान भी मौजूद है। गीता का उपदेश है कि जीवन में संघर्षरत होकर चुनौतियों का सामना करने से ही सफलता प्राप्त होती है। यदि खुद पर भरोसा करके, मन पर नियंत्रण रखकर, लक्ष्य पर पूरी लगन से ध्यान हो तथा कर्म में निरंतर संघर्ष हो तो सफलता निश्चित है। यह ज्ञान छात्र वर्ग के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। अतः आधुनिक जीवनशैली की नैतिक उलझनों का निराकरण भगवदगीता में समाहित है। अनुशासन, निडरता व स्वाभिमान से जीवन जीने को प्रोत्साहन प्रदान करने वाला दार्शनिक ग्रंथ भगवदगीता इसीलिए विश्व में प्रेरणा व मार्गदर्शक बना है। भारत के पड़ोस में अराजकता का दौर चरम पर है। लिहाजा देश के हुक्मरानों को राष्ट्र के स्वाभिमान के लिए अर्जुन की तरह भगवदगीता के उपदेश का अनुपालन करना होगा।

आप का नजरिया

इस भाजपा से मुकाबला है

देश हो या प्रदेश, कांग्रेस का जिस भाजपा से मुकाबला है, उसे संगठन से भी कहीं आगे नागरिक समाज के संपर्क तक छूना पड़ेगा। भाजपा ने हिमाचल की खाक छान ली है। पहले ही 17 संगठनात्मक जिलों में 74 मंडल थे जिनकी संख्या अब 171 की जा रही है, यानी 131 प्रतिशत की दर से अपनी संगठनात्मक शक्ति बढ़ा दी। दूसरी ओर कांग्रेस सत्ता की गलबहियों में न जाने कब अपनी संगठनात्मक पैरवी में कुछ सुधार कर पाएगी। भाजपा के पास जनसंपर्क के सारे औजार काम कर सकते हैं, तो इस चेतना से कांग्रेस को सीखना चाहिए, वरना हरियाणा व महाराष्ट्र के चुनाव परिणाम की चुनौतियों के महाजाल में पार्टी को बाद में बहाने ही खोजने पड़ेंगे। भाजपा के संगठन को बाकायदा नायक की तरह आगे बढ़ाते हुए इसके पदाधिकारियों का प्रदर्शन हर तरह के मीडिया में दिखाई देता है, जबकि कांग्रेस अपने घरानों में सीढियों और पीढियों के साथ दिखाई देती है। बेशक हिमाचल में विपक्ष की सियासी खुराफात के बाद कांग्रेस सरकार सशक्त हो गई, लेकिन मुकाबले में पार्टियों का विश्लेषण भाजपा की तैयारियों के कदमताल में दिखाई देता है। हिमाचल में सत्ता के दो सालों का विवरण बिलासपुर के लाल कालीन पर होने जा रहा है और इसके लिए सरकार आत्मविश्वास, आत्मबल के साथ आत्मनिरीक्षण से भी गुजर जाए, तो अगले तीन साल का सफर नई डगर पर होगा। दो साल सरकार के चरित्र, उपलब्धियों और आर्थिक संतुलन के कत्र्तव्यपथ पर गुजरे हैं, जबकि आने वाले तीन साल का हिसाब चुनाव के रंग में रंगा जाएगा। कम से कम 74 से 171 मंडल तक खुद को फैलाकर भाजपा चुनावी गणित के कई प्रश्न जनता की मानसिक स्लेट पर उकेर रही है। आश्चर्य यह कि भाजपा के केंद्रीय नेताओं और मंत्रियों का प्रदेश में आवागमन एक निश्चित परिधि बनाता है, लेकिन कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के लिए पहाड़ के सफर को शायद ऑक्सीजन नहीं मिल रही। सवाल यह है कि पुरानी जीत के जश्न में और वक्त गुजार दिया जाए या आने वाले चुनाव के इम्तिहान के लिए वर्जिश की जाए। पार्टी अध्यक्ष के चेहरे पर लगे विराम को कब हटाया जाएगा या संगठनात्मक शून्यता में सरकार के पदचिन्हों पर ही कांग्रेस वर्तमान भाजपा से मुकाबिल होने की रस्में निभाती रहेगी। अंततः भाजपा ने तो अपनी बिसात 171 मंडलों में बिछा दी है, तो कांग्रेस कब अपने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए इस चुनौती का सामना करना शुरू करेगी। कम से कम सरकार जो कर चुकी है, कर रही है या करने का वादा कर रही है, उसके प्रचार में संगठन की सक्रियता बढ़ जानी चाहिए। कांग्रेस के पास दो साल का जश्न और तपोवन में शीतकालीन सत्र की एक रूपरेखा है, जिसके आलोक में पार्टी अगले तीन साल की प्रतिज्ञा नत्थी कर सकती है। मंच से चुनाव की मचान का सफर आसान नहीं है और यही परीक्षा कांग्रेस के लिए अब शुरू हो रही है। बिलासपुर में सत्ता का समारोह जाहिर तौर पर एक ताकतवर सरकार का अंदाज और अधिकार हो सकता है, लेकिन अब हिमाचल की गलियां चुनावी सुर और ताल के मजमून सूंघ रही हैं। पार्टी का जनसंपर्क, सत्ता के संपर्क से विशाल करना ही होगा और इसके लिए जरूरी है संगठन को इसकी नई फेहरिस्त व जिम्मेदारी में सजाने की तरफ बढ़ा जाए।

यूरोपीय संघ की सीरिया को चेतावनी, इराक, लीबिया और अफगानिस्तान न बनने देने की नसीहत

ब्रुसेल्स, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ ने सीरिया के लोगों को चेतावनी दी है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने कहा कि अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया को जबरदस्त चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

मंगलवार को यूरोपीय संघ की बैठक में सीरिया की बदली हुई परिस्थितियों पर चर्चा की गई।

यह बैठक मुख्यालय (ब्रलेमोंट बिल्डिंग) में हुई। काजा कैलास ने कहा, हम सीरियाई लोगों से अपील करते हैं कि वे इराक, लीबिया और अफगानिस्तान में हुए भयानक परिदृश्यों को न दोहराएं।

आज हम एक ऐतिहासिक घटना का सामना कर रहे हैं और हमें सीरियाई लोगों को शासन से मुक्ति के लिए बधाई देनी चाहिए, लेकिन यह परिवर्तन सीरिया और क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौतियों का भी प्रतिनिधित्व करता है।

काजा ने अल्पसंख्यकों सहित सभी सीरियाई लोगों के अधिकारों की रक्षा करने और सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता को संरक्षित करने का आह्वान करते हुए कहा, यूरोपीय संघ की धार्मिक समूहों के बीच हिंसा, उग्रवाद की वापसी और राजनीतिक शून्यता पर चिंताएं वाजिब हैं।इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सीरिया के लोग ही हैं जो सीरिया का भविष्य तय करेंगे। सभी देशों को एक समावेशी और पारदर्शी प्रक्रिया का समर्थन करने और बाहरी हस्तक्षेप से बचने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका सीरियाई नेतृत्व वाले राजनीतिक परिवर्तन के लिए अपने पूर्ण समर्थन की पुष्टि करता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल की ओली सरकार ने दलाई लामा के उत्तराधिकारी को नेपाल आने की इजाजत दी

काठमांडू। चीन सरकार ने भारत में निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहे दलाई लामा का उत्तराधिकारी पंचेम

लामा को घोषित किया है। चीन के तमाम प्रयासों के बावजूद दलाई लामा और उनके अनुयायियों ने इस फैसले को स्वीकार नहीं किया है, लेकिन अब चीन पंचेम लामा को नेपाल भेज कर अंतराष्ट्रीय मंचों पर स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। नेपाल की सरकार ने उन्हें अपने देश में आने की इजाजत दी है। चीन ने इससे पहले भी तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को विस्थापित करने के लिए अपनी तरफ से घोषित किए गए उनके उत्तराधिकारी पंचेम लामा को नेपाल भेजने का प्रयास किया था, लेकिन अब तक इसकी इजाजत नहीं दी गई थी। अब लुंबिनी में 12 से 15 दिसंबर तक आयोजित किए जाने वाले बुद्धिज्म राउंड टेबल कांफ्रेंस में शामिल होने के लिए पंचेम लामा को आमंत्रित किया गया है। इसकी पुष्टि करते हुए लुंबिनी विकास कोष के उपाध्यक्ष ल्हारक्यार लामा ने बताया कि अगर अंतिम समय में कुछ परिवर्तन नहीं हुआ तो 12 दिसंबर को चार्टर्ड प्लेन से पंचेम लामा लुंबिनी आएंगे। उन्होंने कहा कि इसे एक धार्मिक सद्भावना यात्रा के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकार ने भी पंचेम लामा को नेपाल में आने की इजाजत दे दी है। चीन की ओर से घोषित दलाई लामा के उत्तराधिकारी पंचेम लामा के नेपाल भ्रमण से नेपाल, भारत सहित दुनिया के अन्य बौद्ध धर्मावलंबियों के बीच तनाव पैदा हो गया है, क्योंकि दलाई लामा के अनुयायी उन्हें उत्तराधिकारी मानने से अब तक इंकार कर रहे हैं। ऐसे में इनका आरोप है कि चीन सरकार जबरन पंचेम लामा को तिब्बतियों के ऊपर थोपने का प्रयास कर रही है।

मर्दू फर्नांडो श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस बनने वालीं दूसरी महिला

कोलंबो। डॉ. शिरानी भंडारनायके के बाद मर्दू फर्नांडो श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस बनने वालीं

दूसरी महिला बन गई हैं। उन्होंने कल न्याय के स्वतंत्र और निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में देश की न्यायपालिका की अखंडता, स्वतंत्रता और गरिमा को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा की। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार, चीफ जस्टिस मर्दू फर्नांडो ने यह टिप्पणी औपचारिक स्वागत समारोह में की। श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट ने देश के 48वें मुख्य न्यायाधीश के स्वागत के लिए समारोह का आयोजन किया। नवनिर्वाचित मुख्य न्यायाधीश मर्दू फर्नांडो का उच्चतम न्यायालय, अपील न्यायालय, उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों और मजिस्ट्रेट न्यायालयों के न्यायाधीशों ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया। चीफ जस्टिस मुर्दु फर्नांडो ने कहा कि वह कानून के शासन को मजबूत करने और एक ऐसी न्यायपालिका का निर्माण जारी रखने के लिए तत्पर हैं जो न केवल निष्पक्ष हो बल्कि लोगों के लिए पारदर्शी, सुलभ और जवाबदेह भी हो। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, उनके लिए अन्याय के हमले से लोकतंत्र के किले की रक्षा करने वाले सैनिकों की एक सेना के समान है। उन्होंने कहा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं। उन्हें प्रत्येक नागरिक के जीवन में न्याय के महत्व की याद आती है। न्याय मात्र एक आदर्श नहीं है, यह एक जीवित, सांस लेने वाली शक्ति है जो परिवारों, समुदायों और राष्ट्रों को प्रभावित करती है। यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि कानून का शासन बिना किसी डर या पक्षपात के निष्पक्ष और निष्पक्ष रूप से लागू हो।

सीरिया में फंसे पाकिस्तान के 350 नागरिक लेबनान पहुंचे

बेरूत (लेबनान)। सीरिया में फंसे पाकिस्तान के 245 तीर्थयात्रियों सहित लगभग 350 नागरिक लेबनान सीमा पार कर गए । सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद पैदा हुए संकट के बाद पाकिस्तान के सैकड़ों तीर्थयात्री अभी भी फंसे हुए हैं।पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, सीरिया में मौजूद पाकिस्तान के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेशमंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार के निर्देशों के तहत दमिश्क में पाकिस्तान के दूतावास ने प्रत्यावर्तन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया।

रूस के कॉसमॉस 2553 सैटेलाइट से घबराया अमेरिका, क्या अंतरिक्ष में मचेगी तबाही

मॉस्को , 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस के कॉसमॉस 2553 सैटेलाइट पर अमेरिका ने सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका ने इस पर चिंता जताते हुए कहा है कि इसमें परमाणु हथियार या फिर दूसरी सैटेलाइट्स को नष्ट करने वाला उपकरण हो सकता है। ये स्पेप में तबाही मचा सकता है और तीसरे विश्व युद्ध के शुरू होने की वजह बन सकता है। यह सैटेलाइट 24 फरवरी 2022 को रूस के यूक्रेन पर हमले से 19 दिन पहले लॉन्च किया था।

रूस का कॉसमॉस 2553 एक उच्च-विकिरण कक्षा में है, जहां आमतौर पर सैटेलाइट नहीं भेजे जाते। रूस का तर्क है कि यह सैटेलाइट विकिरण के प्रभावों का परीक्षण करने भेजा गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इस अंतरिक्ष यान में नए उपकरण और सिस्टम लगे हैं। वहीं अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि सैटेलाइट डमी हथियार ले जा सकती है और यह एक खतरनाक हथियार का शुरुआती रूप है। यह हजारों महत्वपूर्ण उपग्रह नष्ट कर सकता है।

कॉसमॉस 2553 हर दो घंटे में पृथ्वी का चक्कर लगाता है। यह एक ऐसी कक्षा में है, जहां बहुत ज्यादा विकिरण होता है। इसलिए इस कक्षा का उपयोग कम ही होता है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं। सैटेलाइट हमारी रोजमर्रा की जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है। ये मौसम की जानकारी से लेकर वित्तीय लेनदेन जैसे कई कामों में मददगार हैं। अगर अंतरिक्ष में परमाणु विस्फोट हुआ तो इसका पृथ्वी पर बहुत बुरा असर होगा। ऐसा हथियार एक ही परमाणु विस्फोट से कई सैटेलाइट्स को नष्ट कर सकता है। इससे दुनिया भर के संचार और आर्थिक सिस्टम ठप हो सकते हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि रूस अंतरिक्ष में परमाणु हथियार रखने के खिलाफ है। अंतरिक्ष में हथियार तैनात करने के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समझौते भी हैं। 1967 की अंतरिक्ष संधि कक्षा में सामूहिक विनाश के हथियार तैनात करने से रोकती है। अमेरिका का कहना है कि रूस शायद इस संधि का पालन नहीं कर रहा है।

फ्लाइंग कारें, टैक्सी और ड्रोन को लॉन्च करेगा चीन

बीजिंग। चीन ने 2030 तक 1,00,000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कारों, फ्लाइंग टैक्सी और ड्रोन को लॉन्च करने का ऐलान किया है। चीन ने भविष्य में फ्लाइंग कारों के बाजार में ग्लोबल लीडर बनने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। चीन 'लो-एल्टीट्यूड इकोनॉमी' में मार्केट लीडर बनने के लिए योजना बना रहा है। यह कदम चीन, जापान, कोरिया और अमेरिका जैसे देशों द्वारा यातायात और परिवहन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। चीन के इस कदम के तहत, फ्लाइंग कारें और ड्रोन कम ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम होंगे, जिससे सड़क पर वाहनों के ट्रैफिक से अलग एक नई हवा में यात्रा का अनुभव होगा। ऐसे वाहनों का उपयोग न केवल लोगों की एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करने में होगा, बल्कि ये सामान की डिलीवरी, इमरजेंसी सेवाओं, कार्गो और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी सहायक हो सकते हैं। चीन द्वारा बनाई जा रही फ्लाइंग कारों और टैक्सी के लिए वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग की क्षमता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इन्हें अधिक लचीला और उपयोगी बनाती है। बैटरी से चलने वाले इन फ्लाइंग वाहनों से प्रदूषण का खतरा भी कम होगा, क्योंकि ये सड़क वाहनों की तुलना में प्रदूषण पैदा नहीं करेंगे। हालांकि, इन वाहनों के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनका अलग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा। उड़ने वाली कारों के लिए विशेष ट्रेनिंग और ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता होगी, साथ ही इन्हें ऑपरेट करने के लिए विमान सेवाओं जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत पड़ेगी। जापान और कुछ खाड़ी देशों में फ्लाइंग कारों का ट्रायल चल रहा है, और चीन का उद्देश्य इन वाहनों को न केवल अपने घरेलू बाजार में, बल्कि साउथ कोरिया, मिडिल ईस्ट, अमेरिका और जापान जैसे विकसित देशों में भी एक्सपोर्ट करना है।

टोरंटो में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंदुओं का प्रदर्शन, अत्याचार के लिए मोहम्मद यूनुस की आलोचना

टोरंटो, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार से कनाडा में रह रहे भारतीय चिंतित और गुस्से में हैं। उन्होंने आज टोरंटो में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर हिंदुओं से एकजुटता का आह्वान किया। कनाडा में रहने वाले हिंदुओं के संगठन कनाडा हिंदू वॉलंटियर्स ने एक्स हैंडल पर प्रदर्शन का ब्यौरा देते हुए फोटो कोलाज जारी किया है। कनाडा हिंदू वॉलंटियर्स के एक्स हैंडल पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, बांग्लादेश के कट्टर इस्लामी शासन में हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में आज कनाडाई हिंदू समुदाय के सदस्य टोरंटो में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास के बाहर एकत्र हुए। हिंदू समुदाय के सदस्यों ने प्रदर्शन करते हुए सभी क्षेत्रों के लोगों से न्याय और हिंसा के इस क्रूर चक्र के अंत की लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया।संगठन ने कहा कि बांग्लादेश में कट्टर इस्लामी मोहम्मद यूनुस के शासन में हिंदुओं को अभूतपूर्व अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है। धार्मिक आस्था पर प्रहार कर प्राचीन मंदिरों को अपवित्र और नष्ट किया जा रहा है। कई पुजारियों की हत्या कर दी गई या उन्हें जेल में डाल दिया गया। नौकरीपेशा और कामकाजी हिंदुओं को जबरिया बेरोजगार कर आजीविका का साधन छीना जा रहा है। हिंदुओं को लूटा जा रहा है। उनके परिवार की महिलाओं के साथ बलात्कार किया जा रहा है। संगठन ने इस पर दुनिया के तमाशबीन बने रहने पर चिंता जताई है।कनाडा हिंदू वॉलंटियर्स का मानना है कि यह सिर्फ एक संकट नहीं है। यह एक समुदाय, एक संस्कृति और एक आस्था को मिटाने का एक व्यवस्थित अभियान है। बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों को दिया गया दर्द और पीड़ा मानवता की अंतरात्मा पर एक दाग है। संगठन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया है। साथ ही सभी कनाडाई लोगों से अपने निर्वाचित अधिकारियों को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर आवाज उठाने का आग्रह किया है। लोगों से कहा गया है कि इस मुद्दे को कनाडा की संसद में उठाने के लिए वह अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों पर जोर डालें। हिंदू संगठन ने कहा कि कनाडा को राजनयिक दबाव और प्रतिबंधों के माध्यम से बांग्लादेशी शासन को जवाबदेह ठहराकर कड़ा स्टैंड लेना चाहिए। बांग्लादेश में हिंदुओं की पीड़ा कोई अकेली त्रासदी नहीं है। यह एक गहरा मानवाधिकार संकट है।

ढाका में 17 जुलाई से खड़ी रेलगाड़ी मिताली एक्सप्रेस भारत लौटी, दोबारा परिचालन कब से, यह तय नहीं

ढाका, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका और भारत के न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ने वाली मिताली एक्सप्रेस लगभग पांच महीने बाद भारत लौट गई। पश्चिम रेलवे के सूत्रों के अनुसार, कड़े सुरक्षा उपायों के बीच ट्रेन ने बुधवार सुबह चिल्हाटी-हल्दीबाड़ी सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश किया। इसे बांग्लादेश के रेल के इंजन की सहायता से भारत भेजा गया। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, यह ट्रेन (संख्या 13132/31) न्यू जलपाईगुड़ी से 17 जुलाई को ढाका पहुंची।

बांग्लादेश में भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन के कारण तब से ढाका में खड़ी रही। बदले हालात में अभी यह अनिश्चित है कि दोनों देशों के बीच इस ट्रेन सेवा का संचालन कब से शुरू होगा। दोनों देशों के बीच यह ट्रेन सेवा 57 वर्षों के अंतराल के बाद पहली जून, 2022 को शुरू की गई थी।चिल्हाटी स्टेशन मास्टर हैदर अली ने कहा कि हल्दीबाड़ी में डिब्बों को भारतीय अधिकारियों को

सौंप दिया गया और इंजन चिल्हाटी लौट आया। लौटाए गए डिब्बों में चार एसी बर्थ, चार एसी चेयर कार और ब्रेक वैन के साथ दो पॉवर कार हैं। दोनों देशों के अधिकारियों ने अभी तक नियमित परिचालन फिर से शुरू करने के लिए समय-सीमा की घोषणा नहीं की है।

आग बुझते हुए टैंकर

कैलीफोर्निया के मैलीबू में लगी आग पर काबू पाने के लिए उसे बुझाने वाला पदार्थ गिराते हुए एक एयर टैंकर।

नेपाल और चीन के बीच बीआरआई के अतिरिक्त एक और समझौते का खुलासा

काठमांडू, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की हालिया चीन यात्रा के दौरान बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के साथ-साथ एक और समझौता होने का खुलासा हुआ है जिसे सरकार ने अब तक छिपा कर रखा हुआ था। नेपाल और चीन के बीच ट्रांस हिमालयन मल्टी डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क (टीएचएमडीसीएन) के तहत वर्ष 2025-2029 के लिए विकास योजना नामक नए समझौते पर हस्ताक्षर किया गया था।

नेपाल के वित्त मंत्रालय और चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी के बीच हस्ताक्षरित नए समझौते के दस्तावेज को नेपाल सरकार ने गुप्त रखा है लेकिन चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी ने

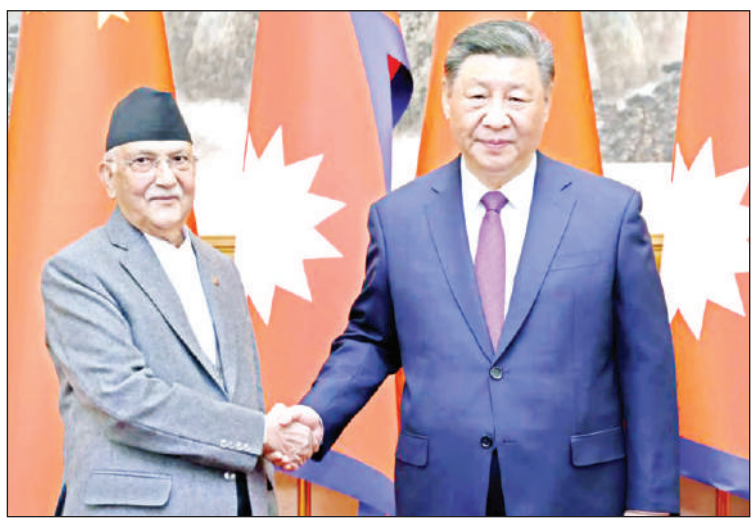

इसका खुलासा कर दिया। चीन की तरफ से किए गए खुलासे के बाद नेपाल सरकार कोई प्रतिक्रया देने से मना कर रही है।

नेपाल के वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता महेश भट्टराई ने सिर्फ इतना बताया कि मंत्रालय बीजिंग में हस्ताक्षरित विकास योजना के दस्तावेज से पूरी तरह से अवगत नहीं है और अगर इस तरह का कुछ समझौता हुआ है तो विदेश मंत्रालय से विवरण मिलने की प्रतीक्षा कर रहा है।

मंगलवार को विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह बीजिंग में नेपाल और चीन के बीच हस्ताक्षरित बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव सहयोग के लिए हुए समझौता से जुड़े दस्तावेज जारी किए। लेकिन विकास योजना (2025-2029) पर वित्त मंत्रालय, नेपाल और चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी के बीच समझौता ज्ञापन जारी किया जाना बाकी है। वैसे तो नेपाल और चीन के बीच हुए हर उच्च स्तरीय भ्रमण के बाद जारी वक्तव्य में ट्रांस हिमालयन मल्टी डाइमेंशनल कनेक्टिविटी की बात रहती थी लेकिन यह पहली बार है जब दोनों देशों के बीच इस विषय को लेकर लिखित समझौता हुआ है। हालांकि चीन सरकार ने इस योजना को लागू करने के लिए अगले चार वर्षों के लिए नेपाल को प्रदान की जाने वाली राशि का उल्लेख नहीं किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कृष्णा प्रसाद ढकाल ने माना कि प्रधानमंत्री ओली के भ्रमण के दौरान अगले चार वर्षों के लिए विभिन्न विकास योजनाओं के सहयोग के कुछ क्षेत्रों की पहचान करने के अलावा अभी तक किसी और विवरण पर चर्चा नहीं की गई है। प्रवक्ता ढकाल ने चीन के साथ विकास योजनाओं पर अलग से किसी तरह के समझौते होने से ना तो इनकार किया ना ही स्वीकार किया। उन्होंने बस इतना कहा कि यह विकास योजना बीआरआई समझौते से कुछ अलग है। यह अगले चार वर्षों के लिए चीनी सहयोग के क्षेत्रों को रेखांकित करता है। हम इसके तहत लागू की जाने वाली विशिष्ट परियोजनाओं की पहचान करेंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : वेंकटेश अय्यर के हरफनमौला प्रदर्शन से मध्य प्रदेश सेमीफाइनल में

अलूर (कर्नाटक), 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरप्रीत सिंह और वेंकटेश अय्यर की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत मध्य प्रदेश ने अलूर में सौराष्ट्र को चार गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर 2010-11 के बाद पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सौराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में मध्य प्रदेश ने 19.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी वेंकटेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए, इसके अलावा उन्होंने तीन ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए। दूसरी तरफ हरप्रीत ने नौ गेंदों पर आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 22 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मध्य प्रदेश के लिए अर्पित गौड़ (29 गेंदों पर 42 रन), सुभ्रांशु सेनापति (16 गेंदों पर 24 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (18 गेंदों पर 28 रन) ने भी मध्य प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, सौराष्ट्र के लिए चिराग जानी ने 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए। जानी ने अपनी पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने सौराष्ट्र के लिए आखिरी तीन ओवरों में 45 रन जोड़े। एक समय 36 गेंदों पर 54 रन बनाने वाले गोहिल ने 18वें ओवर से दो चौके और एक छक्का लगाया। चिराग के अलावा हार्विक देसाई और जय गोहिल ने 17-17 रन बनाए, जबकि प्रेरक मांकड ने 16 और विश्वराज जडेजा ने 15 रन बनाए।

कीर्ति आजाद ने डीडीसीए पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। डीडीसीए अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल कीर्ति आजाद ने डीडीसीए अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले लगभग 140 करोड़ रुपए का केवल एक हिस्सा ही खर्च किया। वहीं वर्तमान अध्यक्ष रोहन जेटली सहित डीडीसीए के मौजूदा पदाधिकारियों ने अभी तक आजाद के आरोपों का कोई जवाब नहीं दिया है। डीडीसीए की बैलेंस शीट के अनुसार राज्य इकाई को पिछले वित्तीय वर्ष में बीसीसीआई से 70 करोड़ रुपये की अनुदान आय प्राप्त हुई जबकि आईपीएल आय, बीसीसीआई से मैच फीस और अंतरराष्ट्रीय मैचों की टिकट बिक्री सहित अन्य स्रोतों से उसे लगभग 67 करोड़ रुपए की कमाई हुई।

न्यूज ब्रीफ

बीबीएलः मेलबर्न स्टार्स के कप्तान बने मार्कस स्टोइनिस

मेलबर्न। मार्कस स्टोइनिस को आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) सत्र के लिए मेलबर्न स्टार्स का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो लंबे समय से कप्तान रहे ग्लेन मैक्सवेल की जगह लेंगे जिन्होंने पिछली गर्मियों के अंत में कप्तानी छोड़ दी थी। 35 वर्षीय स्टोइनिस ने पिछले सीजन में मैक्सवेल की अनुपस्थिति में एक बार पहले भी स्टार्स का नेतृत्व किया था, जब मैक्सवेल अपने टूटे हुए पैर के कारण पूरे 2022-23 बीबीएल सीजन से चूक गए थे। स्टोइनिस, मैक्सवेल के बाद स्टार्स के लिए 100 बीबीएल मैच खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं और पिछले सीजन के अंत में उन्होंने तीन साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका मतलब है कि वह 2026-27 के अंत तक क्लब में बने रहेंगे। स्टोइनिस ने कहा कि उन्हें यह भूमिका निभाकर सम्मानित महसूस हो रहा है। पिछले साल मैक्सी की अनुपस्थिति में मुझे टीम की कप्तानी करने का थोड़ा अनुभव था और मुझे यह अवसर बहुत पसंद आया, इसलिए पूर्णकालिक भूमिका मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। पिछले 10 सालों से हर साल गर्मियों में स्टार्स मेरे जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं और मुझे सच में विश्वास है कि मैदान के अंदर और बाहर हमने जो समूह बनाया है, वह क्लब को लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता दिला सकता है। स्टार्स के महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने पिछले पांच सत्रों में कप्तान के रूप में मैक्सवेल के योगदान को स्वीकार किया। क्राउच ने कहा, सबसे पहले, मैं पिछले पांच सत्रों में टीम का नेतृत्व करने के लिए ग्लेन मैक्सवेल के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त करना चाहता हूं और वह क्लब में सभी के लिए एक बेहतरीन संसाधन बने रहेंगे। मार्कस ने पिछले साल अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया और लंबे समय से टीम के वरिष्ठ सदस्य हैं। यह बहुत बढ़िया है कि कोई ऐसा व्यक्ति जो हमारे शुरू से ही स्टार्स में रहा है, वह बीबीएल14 में हमारे क्लब का नेतृत्व कर रहा है। स्टोइनिस के सीज़न के शुरुआती हिस्से में कमज़ोर लाइन-अप की अगुआई करने की संभावना है। यह अज्ञात है कि मैक्सवेल अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से कब वापसी करेंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि कम से कम सीज़न के पहले मैच में उनका खेलना संभव नहीं है।

सिराज को समझाएं भारतीय टीम के सीनियर गेंदबाज : टेलर

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों का युवा तेज गेंदबाज मो सिराज को समझाना चाहिये कि अंपायर के फैसले का इंतजार किए बिना विकेट का जश्न मानना गलत है। टेलर ने ये बात इसलिए कही क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले गये दिन-रात के दूसरे टेस्ट में सिराज की मेजबान बल्लेबाज ट्रेविस हेड से बहस हुई थी। इसी को लेकर टेलर ने कहा कि सिराज को जब लगता है कि बल्लेबाज आउट है तो वह अंपायर का फैसला आने से पहले ही जश्न मनाने के लिए अपने साथियों की तरफ दौड़ पड़ते हैं। टेलर ने कहा, ''इसलिए मैं चाहूंगा कि उनकी टीम के सीनियर साथी उनसे बात करें। उन्होंने कहा, ''मुझे उसका जोश पसंद है, मुझे उसका प्रतिस्पर्धी स्वभाव पसंद है। मुझे यह तथ्य पसंद है कि हमारे पास वास्तव में एक अच्छी सीरीज चल रही है पर खेल का सम्मान भी है जिसे बनाए रखने की जरूरत है। एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में हेड से बहस करने के बाद सिराज पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना भी लगा। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 10 विकेट से जीतकर पांच मैच की सीरीज 1-1 से बराबर की। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज साइमन कैटिच का मानना है कि सिराज के दिमाग ने कुछ देर के लिए काम नहीं किया। इस भारतीय तेज गेंदबाज को बाद में इसका पछतावा भी हुआ। साथ ही कहा, ''सिराज ने तब दिमाग से काम नहीं लिया जबकि खेल में इस प्रकार की बातें नहीं होनी चाहिये।

चेंगदू के मिडफील्डर मुटेलिप को टखने में लगी चोट

बीजिंग। चीनी सुपर लीग (सीएसएल) क्लब चेंगदू रोंगचेंग ने मंगलवार को घोषणा की कि उसके

मिडफील्डर मुटेलिप इमिनकारी को अंडर-21 मैच खेलते समय टखने में चोट लग गई है। चेंगदू क्लब ने एक बयान में कहा कि रविवार को खेल के दौरान विपक्षी खिलाड़ी द्वारा टैकल किए जाने के बाद 20 वर्षीय खिलाड़ी के दाहिने टखने में लिगामेंट की चोट लग गई। चेंगदू की टीम ने कहा कि मुटेलिप को दो से तीन सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना होगा। नवंबर की शुरुआत में 2024 सीएसएल अभियान समाप्त होने के बाद से, मुटेलिप पिछले एक महीने से चेंगदू अंडर-21 टीम के साथ खेल रहे थे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

नंबर वन बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक, गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली, 11 दिसंबर(एजेंसियां)।

हैरी ब्रूक ने बुधवार को जो रूट को पछाड़कर नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बदलाव हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सितारों ने अद्यतन सूची में बड़ी बढ़त हासिल की है।

पिछले हफ्ते वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने आठवें टेस्ट शतक के दम पर ब्रूक ने रूट को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, इंग्लैंड के दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अब रैंकिंग में रूट पर एक अंक की बढ़त बना ली है। ब्रूक के कुल 898 रेटिंग अंक हैं, जबकि रूट के 897 अंक हैं।

रूट ने इस साल जुलाई में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया था और अपने शानदार करियर में कुल नौ बार पहले स्थान पर रहे हैं। ब्रूक ने बेसिन रिजर्व में ब्लैक कैप्स पर इंग्लैंड की 323 रनों की प्रभावशाली जीत के दौरान 123 और 55 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टार ट्रैविस हेड छह पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व नंबर 1 रैंक वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज दिनेश चांदीमल (दो पायदान ऊपर 15वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरिन (15 पायदान ऊपर 23वें स्थान पर) भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में ऊपर चढ़े हैं।

टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं। मिशेल स्टार्क (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर), क्रिस वोक्स (दो स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर) और गस एटकिंसन (चार स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) शीर्ष 20 में वापस आ गए हैं।

भारत के स्पिनर रवींद्र जडेजा ऑलराउंडरों की टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 पर बने हुए हैं।

वनडे रैंकिंग में वेस्टइंडीज के दो खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज के पहले दो मैचों के बाद बढ़त हासिल की है। शाई होप बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के सुधार के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं और उनके साथी गुडाकेश मोती गेंदबाजों की सूची में चार स्थान की छलांग के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अपडेट की गई टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में पाकिस्तान के लिए भी कुछ खुशी है, कप्तान मोहम्मद रिजवान बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान की छलांग के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी गेंदबाजों की सूची में छह स्थान की छलांग के साथ 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

एफआईवीबी ने की वॉलीबॉल नेशंस लीग 2025 के लिए मेजबान शहर और पूल की घोषणा

जिनेवा, 11 दिसंबर(एजेंसियां)।

विश्व वॉलीबॉल नियामक संस्था एफआईवीबी ने मंगलवार को 2025 वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) के विवरण की घोषणा की, जिसमें मेजबान शहर, पूल, कार्यक्रम और टिकट शामिल हैं।

महिलाओं की प्रतियोगिता 4-8 जून, 2025 तक तीन शहरों - कनाडा के ओटावा, ब्राजील के रियो डी जेनेरियो और चीन की राजधानी बीजिंग में होगी, जबकि पहले सप्ताह की पुरुषों की प्रतियोगिता 11-15 जून तक कनाडा के क्यूबेक शहर, रियो डी जेनेरियो और चीन के शीआन में आयोजित की जाएगी।

महिलाओं की प्रारंभिक प्रतियोगिता 9-13 जुलाई को नीदरलैंड के एपेलडॉर्न, संयुक्त राज्य अमेरिका के अर्लिंग्टन और जापान के कैंटो में आयोजित की जाएगी, जबकि पुरुषों की टीमें अपने अंतिम प्रारंभिक मैचों में 15-20 जुलाई को पोलैंड के ग्दांस्क, स्लोवेनिया के ल्युब्लजाना और कैंटो में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

2025 वीएनएल में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़ाकर 18 कर दी गई है, क्योंकि चीन और यूक्रेन को पुरुषों की सूची में जोड़ा गया है, जबकि चेक गणराज्य और बेल्जियम को महिलाओं की सूची में रखा गया है।

इसका मतलब है कि प्रारंभिक चरण में तीन सप्ताह में प्रत्येक लिंग के लिए कुल 108 मैच खेले जाएंगे, और प्रत्येक टीम 12 मैच खेलेगी।

महिलाओं की प्रतियोगिता के लिए फाइनल 23-27 जुलाई और पुरुषों के लिए 30 जुलाई से 3 अगस्त तक होगा।

बुडापेस्ट में विश्व एक्वेटिक तैराकी

बुडापेस्ट में विश्व एक्वेटिक तैराकी में अमेरिका की डगलेस केट महिलाओं की 200 मीटर मेडले फाइनल जीतने के बाद उत्साहित होती हुई।

भारतीय पुरुष और महिला टीमें विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में

नई दिल्ली, 11 दिसंबर(एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को हांगकांग-चीन में खेले गए मुक़ाबले में दोनों टीमों ने प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया।

भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया जबकि पुरुष टीम कोलंबिया से 1-2 से हार गई, लेकिन कोलंबिया ने आयरलैंड को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफलता हासिल की, जिससे भारतीय टीम अपने प्रारंभिक समूह में दूसरे स्थान पर रही।

भारतीय पुरुष टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम अगले चरण में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। दोनों वर्गों के प्री-क्वार्टर फाइनल में 12 टीमें होंगी, जिनमें से चार को बाई दिया जाएगा।

अपने आखिरी लीग मैच में भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया, जिसमें आकांक्षा सालुंखे, अनाहत सिंह और निरुपमा दुबे ने सीधे गेम में अपने-अपने मैच जीते।

स्क्वैश रैंकिंग में 206वें स्थान पर काबिज निरुपमा दुबे ने मुकाबले के शुरुआती मैच में

बीट्राइस फिलिप्पी को केवल 15 मिनट में 3-0 (11-4, 11-3, 11-1) से हराया।

विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व की 131वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टीना टार्टारोन को 3-0 (11-3, 11-9, 11-3) से हराकर इसे और मजबूत किया, वहीं, विश्व की 70वें नंबर की खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे ने फ्लाविया मिसेली को 3-0 (11-3, 11-3, 11-1) से हराया।

भारतीय पुरुष टीम कोलंबिया से 2-1 से हार गई, लेकिन बाद में आयरलैंड को हराने के बाद भारतीय पुरुष ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे और प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह ने पुरुष रैंकिंग में 17वें स्थान पर रहने वाले मिगुएल रोड्रिग्ज से पहला मैच 3-1 (4-11, 8-11, 11-5, 4-11) से गंवा दिया। वीर चोटरानी ने शानदार परिणाम के साथ भारत को बराबरी पर ला खड़ा किया। 87वें स्थान पर काबिज चोटरानी ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जुआन कैमिलो वर्गास (39वें स्थान) के खिलाफ 3-1 (11-8, 11-9, 12-14, 11-5) से जीत हासिल की।

सूरज कुमार चंद (159वें स्थान) को टाई के अंतिम मैच में दुनिया के 78वें नंबर के खिलाड़ी रोनाल्ड पालोमिनो के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और सीधे गेमों (11-5, 11-6, 11-3) में हार का सामना करना पड़ा। कोलंबिया ने 2-1 से जीत दर्ज की और बाद में आयरलैंड को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय पुरुषों ने सोमवार को आयरलैंड को 2-1 से हराया था।

एचआईएल जैसी लीग में खेलने का सपना देखा करती थी : वंदना कटारिया

बेंगलुरू, 11 दिसंबर(एजेंसियां)।

भारतीय महिला हॉकी टीम में करीब 15 साल के कठिन सफर के बाद, वंदना कटारिया इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने की कगार पर हैं क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए मैदान में उतरने के लिए खुद को तैयार कर रही हैं।

वंदना ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात है कि महिला एचआईएल आखिरकार शुरू हो रही है। शिविर में उत्साह है क्योंकि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेने और उच्च स्तर पर हॉकी खेलने के लिए उत्सुक हैं। हम सभी उम्मीद कर रहे हैं कि महिला एचआईएल एक बड़ी सफलता होगी और पुरुषों की एचआईएल जितनी ही चर्चा बटोरेगी। और हम बेहद उत्साहित हैं और इसे संभव बनाने के लिए हॉकी इंडिया का जितना धन्यवाद करें, कम है।

वंदना भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 317 मैच खेल चुकी हैं और इस दौरान उन्होंने 158 गोल किए हैं। वह उस टीम का भी अहम हिस्सा थीं, जिसने तमाम मुश्किलों के बावजूद टोक्यो 2022 ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल किया। फिर भी, एचआईएल में खेलने के विचार ने उनके अंदर जोश भर दिया और वंदना इसका श्रेय एचआईएल के भारतीय पुरुष हॉकी टीम पर पड़ने वाले प्रभाव को देती हैं।

वंदना ने बताया, पिछले संस्करणों में, पुरुष टीम को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ घुलने-मिलने, उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने का मौका मिला और जैसा कि सभी देख सकते हैं, इससे टीम को काफी मदद मिली है और वे अब लगातार पदक जीत रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस साल जब महिला एचआईएल चार टीमों के साथ शुरू होगी, तो भी यही प्रभाव होगा। यह उन खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा अवसर होगा, जो राष्ट्रीय शिविर में अपनी क्षमता दिखाने और विभिन्न कोचों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ने में विफल रहे। इससे भारतीय महिला हॉकी टीम में आने वाली प्रतिभाओं के बेल्ट को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, जब पहले एचआईएल पुरुषों के लिए चल रहा था, तो मैं उन मैचों को देखती थी और सपना देखता थी कि मैं एक दिन इस तरह की लीग में खेलूंगी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह अब हकीकत है और हम लीग शुरू होने में बस एक महीने से ज़्यादा समय दूर हैं। महिला टीम इसे अपनी क्षमता दिखाने के अवसर के रूप में देख रही है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने से निस्संदेह हमारे प्रदर्शन और आत्मविश्वास में सुधार होगा।

वंदना के अलावा, श्राची रार बंगाल टाइगर्स में उदिता, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, महिमा चौधरी और सुशीला चानू जैसी मजबूत भारतीय कोर है। वह ओलंपिक कांस्य पदक विजेता फियोना क्रैकल्स और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार की ओलंपियन ग्रेस स्टीवर्ट के साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा करेंगी। उनकी टीम में ज्योति एडुला, मुमुनी दास और लालरिनपुई जैसी कुछ युवा भारतीय संभावनाएँ भी हैं।

32 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, महिला एचआईएल मेरे लिए अपनी क्षमताओं को दिखाने का एक मौका है ताकि मैं भारतीय टीम में अपनी जगह बनाए रख सकूं, लेकिन एक फॉरवर्ड के रूप में, मैं टीम के सभी खिलाड़ियों के साथ अच्छा तालमेल बनाने पर भी ध्यान केंद्रित करूंगी। लीग कुछ खिलाड़ियों को उनके खोल से बाहर निकालकर उन्हें अधिक सहज बनाने के लिए भी बाध्य करती है। यह अनुभव अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही तरह के सभी खिलाड़ियों के लिए सुधार के क्षेत्रों पर भी प्रकाश डालेगा। उन साथियों के खिलाफ खेलना भी दिलचस्प होगा जो आपको सालों से जानते हैं और आपकी सभी आदतों से वाकिफ हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम एक अच्छा टीम प्रदर्शन करना चाहेंगे, पूरे सीजन में सुधार करेंगे और लीग जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

प्राइमरी मार्केट में पांच कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग, 13 दिसंबर तक लगाई जा सकेगी बोली

नई दिल्ली,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

विशाल मेगा मार्ट और मोबिक्विक समेत समेत पांच कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग से प्राइमरी मार्केट में हलचल बनी हुई है। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इन सभी आईपीओ में 13 दिसंबर तक पैसा लगाया जा सकेगा। इन कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग 18 दिसंबर को होगी।

विशाल मेगा मार्ट का 8,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ है। ये आईपीओ 13 दिसंबर को क्लोज होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 74 से 78 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 190 शेयर का है। विशाल मेगा मार्ट के शेयर भी 18 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

ही मोबिक्विक का 572 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। इश्यू में 13 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 265 से 279 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 53 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 18 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग होगी। इसी तरह साई लाइफ साइंसेज का 3,042.62 करोड़ रुपये का आईपीओ ओपन हुआ है। इस आईपीओ में भी 13 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 522 से 549 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 27 शेयर का है। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। ही सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट का 50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। इस आईपीओ में भी 13 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 72 से 76 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 दिसंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा पर्पल यूनाइटेड सेल्स का 32.81 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। इस आईपीओ में 13 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश ...

अल्पसंख्यकों पर हिंसा के 88 मामले दर्ज किए गए। इसमें 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हिंसा और गिरफ्तारियों की संख्या और बढ़ सकती है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के खिलाफ सम्पूर्ण भारत में नाराजगी उफान पर है। भारत में बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों ने पूरे भारत को आंदोलित कर दिया है। भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस गंभीर मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की जा रही है। इन विरोध प्रदर्शनों ने यह संदेश दिया है कि मानवाधिकारों के हनन को सहन नहीं किया जाएगा और अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

मंगलवार को साधु-संतों और प्रमुख हस्तियों ने बांग्लादेश उच्चायोग के पास प्रदर्शन कर बांग्लादेश को चेताया था कि वह हिंदुओं को कमजोर न समझे और उनकी सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करे। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ पूरे भारत में हो रहे व्यापक प्रदर्शनों ने न केवल भारत के विभिन्न राज्यों, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान भी खींचा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल और असम समेत देशभर में आक्रोश रैलियां निकाली गईं। प्रदर्शन का आयोजन बांग्लादेश हिंदू रक्षा संघर्ष समिति के तत्वावधान में किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, भारतीय जनता पार्टी, अधिवक्ता परिषद, अखिल भारतीय संत समिति और कई अन्य संगठनों ने भाग लिया।

दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के निकट तीन मूर्ति चौक पर दो सौ से अधिक सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में साधु-संतों के साथ-साथ पूर्व सैन्य, न्यायिक और पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने हिंदुओं का नरसंहार बंद करो और नहीं सहेंगे अब अत्याचार, बांग्लादेश कर ले विचार जैसे नारे लगाए। दिल्ली सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने बांग्लादेश उच्चायुक्त को ज्ञापन सौंपा, जिसमें भारत और बांग्लादेश के सौहार्दपूर्ण संबंधों की याद दिलाते हुए अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की गई।

सभा को संबोधित करते हुए साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि बांग्लादेश में साधु-संतों और महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों की घटनाएं मानवता पर कलंक हैं। बौद्ध संत भंते राहुल ने भी बांग्लादेश में बौद्ध समाज के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया। इस मौके पर भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी ने बांग्लादेश सरकार से जिम्मेदारी निभाने की अपील की। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बांग्लादेश हिंदू रक्षा संघर्ष समिति के बैनर तले छत्रपति शिवाजी मैदान से हजरतगंज तक विशाल रैली निकाली गई। रैली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बंद नहीं हुए तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। रैली के अंत में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया।

देहरादून में भी सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने सड़कों पर उतरकर बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की कड़ी निंदा की। कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि यह रैली मानवाधिकारों की रक्षा का वैश्विक संदेश है। ऋषिकेश और हरिद्वार में भी प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जयपुर में प्रबुद्ध नागरिकों के एक समूह ने राज्यपाल को संयुक्त राष्ट्र महासचिव और भारत के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग की गई। वहीं, उदयपुर में सर्व हिंदू समाज के नेतृत्व में विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में ग्रेटर सिलीगुड़ी होटेलियर वेलफेयर एसोसिएशन ने बांग्लादेशी नागरिकों को अपने होटलों में ठहरने से रोकने का फैसला किया। दार्जिलिंग में होटलों ने बांग्लादेश के नागरिकों को ठहरने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला वर्तमान संवेदनशील हालात को देखते हुए लिया गया है। वहीं, असम के गुवाहाटी में लोक जागरण मंच के बैनर तले बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया गया। ज्ञापन में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई। हरियाणा के फतेहाबाद और फरीदाबाद में प्रदर्शनकारियों ने लघु सचिवालय और जिला उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपे। धर्मशाला में जिला कांगड़ा मुख्यालय से लेकर उपायुक्त कार्यालय तक रैली निकाली गई। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार को चेतावनी दी कि यदि अत्याचार नहीं रुके, तो विरोध प्रदर्शन और तेज होंगे।

बिहार के भागलपुर में सैनिक स्कूल और सरस्वती विद्या मंदिर के छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे संयुक्त राष्ट्र और एमनेस्टी इंटरनेशनल से मांग की कि वे बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। इन प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत के नागरिक बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ शांत नहीं बैठेंगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे बर्बर इस्लामी आक्रमण को लेकर ओड़ीशा के विभिन्न जिला मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन किये जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर ओड़ीशा की राजधानी भुवनेश्वर में हिंदू सुरक्षा मंच के बैनर के तले विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान विभिन्न संप्रदायों के साधुओं के साथ साथ विभिन्न हिंदू निष्ठ संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए तथा बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

भुवनेश्वर के प्रदर्शनी मैदान में आयोजित इस विशाल विरोध प्रदर्शन सभा में वक्ताओं ने कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व मानवाधिकार दिवस मना रहा है। लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर इस्लामिस्ट द्वारा बर्बर हमलों के कारण मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, इस पर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और बुद्धिजीवियों की चुप्पी है। यह बेहद निंदनीय है।

युवाओं का ...

इसलिए मेरे नौजवानों को जो भी चाहिए सरकार के रूप में हम उस दिशा में काम कर रहे हैं। मैंने लाल किले से कहा है कि देश की राजनीति में एक लाख ऐसे युवाओं को लाऊंगा, जिनके परिवार से पहले कोई भी राजनीति में न रहा हो।

पीएम मोदी ने कहा, युवा इनोवेटर्स के पास 21वीं सदी के भारत को लेकर एक अनूठा नजरिया है। जो नवाचार समाधानों की ओर ले जाता है। जब आपके सामने नई चुनौतियां आती हैं, तो आप असाधारण जवाब देते हैं। यही सबसे बड़ी और अनोखी बात है। मैंने पहले भी हैकाथॉन में भाग लिया है और आपने मुझे कभी निराश नहीं किया। आपने मेरा मनोबल बढ़ाया है। आपकी पिछली टीमों द्वारा प्रस्तुत समाधान अब विभिन्न मंत्रालयों में उपयोग किए जा रहे हैं, जिससे पूरे देश में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर बच्चा खास होता है और उसे बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए या खुद को उपेक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। इसे हासिल करने के लिए, लगातार नए-नए समाधानों की आवश्यकता है। आपकी टीम के संबंधित समाधान लाखों बच्चों के जीवन को बदल देंगे।पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी में से एक है। हमारा देश बड़े पैमाने पर डिजिटली कनेक्ट हो रहा है, ऐसे में साइबर क्राइम का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है, इसलिए जिन समाधानों पर आप काम कर रहे हैं, ये भारत के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। आज देश में ड्रोन का अलग-अलग सेक्टर्स में बहुत इस्तेमाल हो रहा है। ड्रोन आजकल रिमोट एरिया में दवाएं और जरूरी सामान पहुंचाने में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। लेकिन देश के दुश्मन भारत में हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में ड्रोन का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। खुशी की बात है कि आप सभी ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं, इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप सभी को पता है कि भविष्य की दुनिया ज्ञान और नवाचार से ही चलने वाली है। ऐसे में आप सभी भारत की आशा और प्रेरणा हैं। आज दुनिया कह रही है कि भारत की ताकत हमारी युवाशक्ति है। हमारा इनोवेटिव यूथ हमारी टेक पावर है। आज भारत की आकांक्षाएं हर चुनौती से निपटने के लिए अलग सोच की मांग करती हैं। हमें हर क्षेत्र में एक अभिनव दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, इसे अपनी आदत बनाना चाहिए। विशेष रूप से इस हैकाथॉन के संबंध में प्रक्रिया उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी इसका उत्पाद।

पीएम ने कहा कि बीते साल सालों में जितने भी हैकाथॉन हुए हैं, उनके बहुत सारे समाधान आज देश के लोगों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। कई बड़ी समस्याओं का समाधान इन हैकाथॉन ने दिया है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने के लिए हमने नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू की है। आप सभी से बात करने के बाद मेरा विश्वास और बढ़ गया है कि देश विकसित भारत बनने के सही ट्रैक पर है। आप जिस तत्परता और ध्येय के साथ, भारत की समस्याओं के नए समाधान ढूंढ़ रहे हैं, वो अद्भुत हैं।उन्होंने कहा कि देश के अगले 25 सालों की पीढ़ी भारत की अमृत पीढ़ी है। आप सब पर विकसित भारत की जिम्मेदारी है और हमारी सरकार आज की इस पीढ़ी को हर साधन, संसाधन सही समय पर देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अलग-अलग आयु वर्ग के लिए अलग-अलग स्तरों पर काम कर रहे हैं, ताकि सभी को समझने और सीखने का मौका मिले। वन नेशन और वन सब्सक्रिप्शन योजना अपने आप में दुनिया की अनूठी योजनाओं में से एक है। इसके तहत सरकार प्रतिष्ठित जर्नल्स का सब्सक्रिप्शन ले रही है, ताकि किसी भी जानकारी से भारत का कोई भी युवा वंचित न रहे।

कांग्रेस ने...

वहीं वाईएसआरसीपी, बीजू जनता दल, एआईएडीएमके किसी गठबंधन में शामिल नहीं हैं। लेकिन ये दल एंटी इंडी गठबंधन रुख के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि बीजेडी ने फिलहाल इस प्रस्ताव को लेकर कुछ भी कहने से इन्कार किया है, कुछ ऐसा ही रुख वाईएसआरसीपी का दिखा। इन दलों ने अपना रुख साफ नहीं किया है।

विपक्षी गठबंधन के घटक दलों ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस मंगलवार दिया है। कानूनी जानकारों के मुताबिक, दोनों सदनों से बहुमत से प्रस्ताव पारित होने के बाद ही उन्हें उपराष्ट्रपति पद से हटाया जा सकता है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। ऐसे में राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अगर कोई भी अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है तो इसका मतलब यह है कि उन्हें संविधान के प्रावधान के तहत उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए ही प्रस्ताव लाना होगा। संविधान के अनुच्छेद-67 में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति अपने पद ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्षों की अवधि के लिए पद पर रहेंगे। अनुच्छेद-67 बी के तहत प्रावधान किया गया है कि उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाया जा सकता है लेकिन इसके लिए राज्यसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से एक प्रस्ताव पारित होना चाहिए। इस प्रस्ताव को लोकसभा द्वारा भी सहमति दी जानी चाहिए। प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है।

उपराष्ट्रपति ही राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। विपक्षी दल ने इसी कारण सभापति को पद से हटाने के लिए अनुच्छेद-67 बी के तहत नोटिस का सहारा लिया है और इसके तहत उपराष्ट्रपति को हटाने का प्रस्ताव दिया जा सकता है। उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए नियम के तहत नोटिस 14 दिनों पहले देना होता है। संवैधानिक प्रावधान कहता है कि उपराष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए राज्यसभा के कुल चुने हुए सदस्य के आधे से एक से ज्यादा वोट यानी बहुमत को इसके समर्थन में होना होगा और फिर लोकसभा में यही प्रक्रिया होगी और लोकसभा की भी सहमति लेनी होगी। अगर राज्यसभा में ही प्रस्ताव पारित नहीं हो पाता है तो फिर लोकसभा के सामने मामला नहीं जाएगा।जहां तक उपराष्ट्रपति का सवाल है तो उन्हें हटाने के लिए प्रस्ताव लाया जा सकता है लेकिन संविधान में इसके लिए महाभियोग शब्द का प्रयोग नहीं होता है। अनुच्छेद-67 के तहत प्रावधान किया गया है। अगर दोनों सदनों से हटाने का प्रस्ताव पारित हो जाए तो फिर उपराष्ट्रपति को पद छोड़ना होता है। हालांकि आजादी के बाद कभी भी भारत के किसी राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति को हटाने के प्रस्ताव पर कभी कोई वोटिंग नहीं हुई है।

दिल्ली में अकेले...

इसके पहले आपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बात अंतिम चरण में थी। गठबंधन में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के अलावा इंडी गठबंधन के कुछ अन्य दलों को भी शामिल करने की बात सामने आ रही थी। कहा जा रहा था कि कांग्रेस को 15 सीटें और इंडी गठबंधन के अन्य सदस्यों को एक या दो सीटें मिल सकती हैं। लेकिन यह बात बढ़ नहीं पाई और केजरीवाल ने दिल्ली में गठबंधन की इतिश्री कर दी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी अब तक दो सूची जारी कर चुकी है। पहली सूची में पार्टी 11 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया। दूसरी सूची में सोमवार को 20 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए।

दिल्ली में अगले साल यानी 2025 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। फरवरी में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। जनवरी में चुनाव आयोग चुनावों की तारीख का ऐलान कर सकता है। 2020 में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल किया था और 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा के खाते में 8 सीटें गई थीं, जबकि कांग्रेस के हाथ खाली रहे थे।

अब किसानों ...

प्रारंभ की गयी तो उसी दिन और बिना कोई नोटिस दिये देश के 27 लाख बिजली कर्मचारी सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होंगे और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि चंडीगढ़ की विद्युत व्यवस्था जिस दिन निजी कम्पनी को हैंडओवर करने की कार्रवाई की गयी उसी दिन भी इसी प्रकार की राष्ट्रव्यापी कार्रवाई होगी।

एनसीसीओईईई ने यह निर्णय भी लिया कि 13 दिसंबर को देश भर में बिजली कर्मचारी निजीकरण विरोधी दिवस के रूप में मनाएंगे। 19 दिसंबर को काकोरी क्रांति के महानायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान दिवस पर शहीदों के सपनों का भारत बचाओ, निजीकरण हटाओ दिवस मनाया जाएगा और पूरे देश में जनपद एवं परियोजना मुख्यालयों पर सभाएं की जाएंगी।एनसीसीओईईई ने निर्णय लिया कि लखनऊ में 22 दिसंबर को विशाल बिजली पंचायत एवं चंडीगढ़ में 25 दिसंबर को विशाल बिजली पंचायत आयोजित की जाएंगी, जिसमें बिजली कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में किसान और आम उपभोक्ता सम्मिलित होंगे, जिन्हें बिजली के निजीकरण से उपभोक्ताओं और कर्मचारियों को होने वाले भारी नुकसान से अवगत कराया जाएगा।

भारत ने सीरिया से ...

देश में रह रहे विदेशी नागरिकों के बीच डर का माहौल है। इस सबके बीच भारत ने सीरिया से अपने 75 नागरिकों को निकाला। सीरिया में अपने नागरिकों की सुरक्षा और वहां की राजनीतिक स्थिति का आकलन करते हुए भारत सरकार ने यह कदम उठाया है।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से लेबनान पहुंच गए हैं और वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स से भारत लौटेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि यह कदम सीरिया में हाल की घटनाओं के बाद उठाया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, सुरक्षित निकाले गए लोगों में जम्मू और कश्मीर के 44 जायरीन शामिल थे जो सैदा जैनब में फंसे हुए थे। सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से लेबनान पहुंच गए हैं और वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स से भारत लौटेंगे। दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावासों द्वारा यह निकासी सुरक्षा स्थिति के आकलन और सीरिया में भारतीय नागरिकों के अनुरोध के बाद लागू की गई। यह सीरिया की आंतरिक स्थिति का पहला सुरक्षा आकलन है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। सीरिया में रह रहे भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे दमिश्क में भारतीय दूतावास के आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर +963993385973 (व्हाट्सएप पर भी) पर संपर्क में रहें। सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों ...

कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया था। एलजी सचिवालय ने बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने के लिए दो महीने से अधिक समय तक विशेष अभियान चलाकर समयबद्ध तरीके से मौजूदा नियमों के अनुसार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है।यह कदम दरगाह हजरत निजामुद्दीन के मुस्लिम नेताओं और दिल्ली के उलेमाओं के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा एलजी वीके सक्सेना को पिछले हफ्ते दिए गए ज्ञापन के बाद उठाया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने शहर में अवैध प्रवासियों के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई और देश की राजधानी में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ उपराज्यपाल के आदेश पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, आम आदमी पार्टी की कितनी खतरनाक मानसिकता है। क्या दिल्ली के मतदाता, मतदाता नहीं हैं? क्या दिल्ली के मतदाताओं पर आपका विश्वास नहीं है? आपको अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों पर विश्वास है? वो कहीं से भी वोटर्स नहीं हो सकते हैं? जो लोग अवैध घुसपैठिए हैं वो वोटर्स कैसे हो सकते हैं? मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए आगे कहा, यहीं तो मैं बार-बार कह रहा हूं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार जिस तरह के अवैध घुसपैठियों, रोहिंग्या को बसा रही है, यह एक बहुत बड़ा खतरा है और इस पर बहुत बड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है।

दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में पिछले कुछ सालों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन घुसपैठियों ने जनसंख्या के संतुलन को प्रभावित किया है। दिल्ली पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच करने में जुट गई है। इस विशेष अभियान के तहत अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें कानूनी कार्रवाई के तहत बाहर किए जाने की तैयारी है।

रूस के साथ...

दोनों नेताओं ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अपार संभावनाएं हैं और संयुक्त प्रयास उल्लेखनीय परिणामों का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस से एस 400 ट्रायम्फ सतह में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली की दो बाकी यूनिट की सप्लाई में तेजी लाने का आग्रह किया है। उन्होंने मॉस्को में अपने समकक्ष एंड्री बेलौसोव के साथ भी व्यापक वार्ता की। इस बैठक में राजनाथ सिंह ने विभिन्न सैन्य हार्डवेयर के संयुक्त उत्पादन में रूसी रक्ष उद्योगों के लिए भारत में नए अवसरों को प्रदर्शित किया है।

भारत और रूस के बीच गहरी और स्थायी साझेदारी को रेखांकित करने वाले एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में, भारतीय नौसेना ने अपने समुद्री शस्त्रागार में नवीनतम स्टील्थ फ्रिगेट तुशील को कमीशन किया। फ्रिगेट तुशील 9 दिसंबर को कैलिनिनग्राद यंतर शिपयार्ड में रूस द्वारा औपचारिक रूप से सौंप दिया गया। यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग में एक और मील का पत्थर है। इस मौके पर मौजूद भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, यह उपलब्धि न केवल भारत की बढ़ती समुद्री ताकत की बानगी है, बल्कि नई दिल्ली और मॉस्को के बीच मजबूत रक्षा संबंधों की भी अभिव्यक्ति है। यह रिश्ता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में लगातार फल-फूल रहा है।

कमीशनिंग समारोह में शामिल हुए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कार्यक्रम को भारत और रूस के बीच गहरी दोस्ती और आपसी विश्वास का प्रमाण बताया। अपने संबोधन में सिंह ने तुशील को रूसी और भारतीय उद्योगों के बीच सहयोगी कौशल का उत्पाद बताया, जो संयुक्त प्रयासों के माध्यम से तकनीकी उत्कृष्टता की ओर भारत की यात्रा का प्रतीक है। तुशील को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाना परियोजना 11356 श्रृंखला का सातवां फ्रिगेट है, जो स्टील्थ जहाजों की एक उन्नत पंक्ति है और भारत के समुद्री लड़ाकू बेड़े की रीढ़ है। तुशील 125 मीटर तक फैला 3,900 टन का फ्रिगेट है, जो अत्याधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है। बहु-भूमिका क्षमताओं के लिए डिज़ाइन किए गए जहाज में अपने रडार हस्ताक्षर को कम करने के लिए उन्नत स्टील्थ तकनीक है, जो इसे आधुनिक नौसैनिक युद्ध में एक अजेय बनाता है। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं इसकी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें, जो बेहतर आक्रामक क्षमताएं प्रदान करती हैं। विस्तारित रेंज वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (एसएएम), जो इसकी रक्षात्मक ताकत को बढ़ाती हैं। मध्यम दूरी की एंटी-एयर और सरफेस गन, जो सटीक लक्ष्यीकरण के लिए अनुकूलित हैं। निकट-क्षेत्र रक्षा के लिए ऑप्टिकली नियंत्रित क्लोज-रेंज रैपिड-फायर गन सिस्टम। उन्नत एंटी-सबमरीन टॉरपीडो और रॉकेट, जो पानी के नीचे के खतरों के खिलाफ इसकी क्षमताओं को मजबूत करते हैं। एक परिष्कृत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और संचार सूट, जो जटिल परिदृश्यों में परिचालन श्रेष्ठता सुनिश्चित करता है।

जुलाई 2013 में फ्रिगेट निर्माण की शुरात हुई थी और अक्टूबर 2021 में इसे पानी में उतारा गया था। विस्तृत समयरेखा इसके निर्माण में शामिल सटीक इंजीनियरिंग और उन्नत प्रौद्योगिकी एकीकरण को रेखांकित करती है। कैलिनिनग्राद में हुए कमीशनिंग समारोह में भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और उनके रूसी समकक्ष एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेव सहित दोनों देशों के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने भारत और रूस की नौसेनाओं के बीच स्थायी भाईचारे के बंधन पर प्रकाश डाला। त्रिपाठी ने कहा, भारतीय नौसेना और रूसी संघ की नौसेना भाईचारे के विशेष बंधन साझा करती हैं। हम साथी हैं! भारतीय नौसेना के अधिकारियों की मेरी पीढ़ी रूसी तकनीकी और सामरिक दस्तावेजों को पढ़ते हुए, रूसी उपकरणों का संचालन करते हुए, रूसी हथियार प्रणालियों को फायर करते हुए और रूस में निर्मित जहाजों की कमान संभालते हुए बड़ी हुई है। यह सहयोग परिचालन सौहार्द से कहीं आगे तक फैला हुआ है। रूस भारत की मेक इन इंडिया पहल में एक महत्वपूर्ण भागीदार रहा है, जिसका उद्देश्य रक्षा प्रौद्योगिकियों और विनिर्माण में आत्मनिर्भरता बढ़ाना है। प्रोजेक्ट 11356 श्रृंखला के दो अतिरिक्त फ्रिगेट वर्तमान में गोवा में रूसी प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए लाइसेंस प्राप्त उत्पादन के अधीन हैं। एक अन्य फ्रिगेट का रूस में परीक्षण चल रहा है और अगले साल भारत को मिलने वाला है।

तुशील और इसके समकक्ष भारत के सामरिक समुद्री हितों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण हैं, खासकर तब जब हिंद महासागर में विवाद बढ़ता जा रहा है। इस क्षेत्र की सुरक्षा गतिशीलता बढ़ती नौसेना तैनाती और रणनीतिक संरेखण द्वारा आकार लेती है, जिससे भारत के लिए एक मजबूत और आधुनिक नौसैनिक बेड़ा बनाए रखना अनिवार्य हो जाता है।

तुशील की डिलीवरी भारत-रूस रक्षा सहयोग के लंबे इतिहास का नवीनतम अध्याय है। दशकों से, रूस भारत को सैन्य हार्डवेयर का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है, जिसमें विमान और टैंक से लेकर पनडुब्बी और मिसाइल सिस्टम शामिल हैं।

दोनों देश एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जो साझा मूल्यों, आपसी विश्वास और संयुक्त विकास के प्रति प्रतिबद्धता की विशेषता है।

इन शर्तों के बिना कुछ और हो सकती थी महाभारत की कथा

महाभारत युद्ध को इतिहास के सबसे भीषण युद्धों में से एक माना जाता है, जो द्वापर युग में लड़ा गया था। यह युद्ध एक ही वंश के कौरवों व पांडवों के बीच लड़ा गया था। इस युद्ध में कई घटनाओं के साथ-साथ कुछ शर्तों का भी हाथ रहा। तो चलिए जानते हैं इस बारे में।

गंगा ने शांतनु के सामने रखी शर्त

गंगा ने राजा शांतनु के सामने यह शर्त रखी थी कि वह कभी भी उससे किसी तरह का कोई सवाल करेंगे। इसी के चलते गंगा ने अपने 7 नवजात पुत्रों को एक-एक करके नदी में प्रवाहित कर दिया। लेकिन अपने वचन के कारण राजा चुप रहे। परंतु जब गंगा ने अपने आठवें पुत्र को नदी में बहाने का प्रयास किया, तब राजा से रहा नहीं गया और उन्होंने गंगा को रोक दिया। इसपर गंगा अपनी आठवीं संतान को राजा को सौंपकर चली गई। राजा ने अपने पुत्र को देवव्रत नाम दिया, जो आगे चलकर महाभारत युद्ध का एक अहम हिस्सा बना।

देवव्रत कहलाए भीष्म

राजा शांतनु, निषादराज की पुत्री सत्यवती से विवाह करना चाहते थे। लेकिन निषादराज ने शांतनु के आगे यह शर्त रखी कि मेरी कन्या के गर्भ से उत्पन्न संतान को ही आप राज्य का उत्तराधिकारी बनाएंगे। अपने पिता की खुशी के लिए देवव्रत ने जीवनभर विवाह न करने की प्रतिज्ञा ली, जिस कारण उनका नाम भीष्म पड़ गया। अगर निषादराज द्वारा यह शर्त न रखी गई होती है, तो महाभारत की कथा कुछ और हो सकती थी।

इस शर्त पर द्रौपदी को लगाया दांव पर

आम से दिखने वाले चौसर के खेल ने महाभारत जैसे भीषण युद्ध की नींव रखी। जब पांडवों और कौरवों के बीच यह खेल खेला जा रहा था, तब युधिष्ठिर ने अपनी संपत्ति से लेकर अपने भाइयों तक को एक-एक करके सब कुछ दांव पर लगा दिया।

जब उनके पास दांव पर लगाने को कुछ नहीं बचा, तो दुर्योधन ने उन्हें द्रौपदी को दांव पर लगाने को उकसाया और युधिष्ठिर के सामने यह शर्त रखी कि अगर पासे के अंक युधिष्ठिर की इच्छा के अनुसार आते हैं, तो वह उनको दांव पर लगी हर एक चीज वापस कर देंगे। इस शर्त को मानते हुए युधिष्ठिर ने द्रौपदी को भी दांव पर लगा दिया और वह अपना सब कुछ हार बैठे। अगर युधिष्ठिर, दुर्योधन की इस शर्त को नहीं मानते, तो आज महाभारत की कथा कुछ और होती।

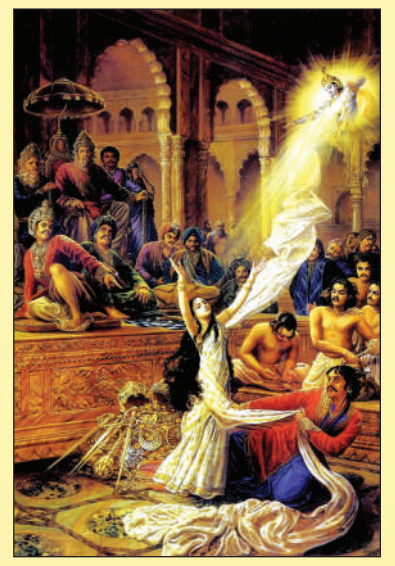

आखिर क्यों श्रीकृष्ण ने इरावन से किया था विवाह, महाभारत में है इसका वर्णन

सनातन धर्म से जुड़े लोग अपने जीवन को सफल बनाने के लिए जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करते हैं और माखन-मिश्री समेत विशेष चीजों का भोग अर्पित करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त होता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। भगवान श्रीकृष्ण कई महत्वपूर्ण लीलाओं का उल्लेख महाभारत में किया गया है। इनमें से एक ऐसी लीला है, जो अर्जुन के किन्नर पुत्र और भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित है। महाभारत के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के पुत्र किन्नर इरावन से विवाह किया था। क्या आप जानते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन पुत्र इरावन से विवाह क्यों किया था? अगर नहीं पता, तो ऐसे में आइए इसकी वजह आपको इस आर्टिकल में विस्तार से बताएंगे।

पौराणिक कथा के अनुसार, इरावन के पिता का नाम अर्जुन और माता का नाम उलूपी था। इरावन को मायावी अस्त्रों का ज्ञान था। महाभारत के युद्ध के दौरान इरावन ने शकुनि के 6 भाइयों का अंत किया था। इसके अलावा भी कई लोगों का हार का मुंह दिखाया था। इरावन स्वयं को देवी चामुण्डा को बलि पांडवों की युद्ध में विजय के लिए देना देना चाहता था, लेकिन इस बात से पांडव सहमत नहीं थे। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने इस विषय के बारे में बताया कि इरावन का बलिदान खराब नहीं जाएगा।

पांडवों के बीच बनी सहमति

इसके पश्चात के इरावन की बलि को लेकर पांडवों के बीच सहमति बनी। इसके बाद इरावन सभी के सामने अपनी एक इच्छा जाहिर की। इरावन ने कहा कि वह अविवाहित नहीं मरना चाहता है। वह मरने से पहले से किसी से विवाह करना चाहता था।

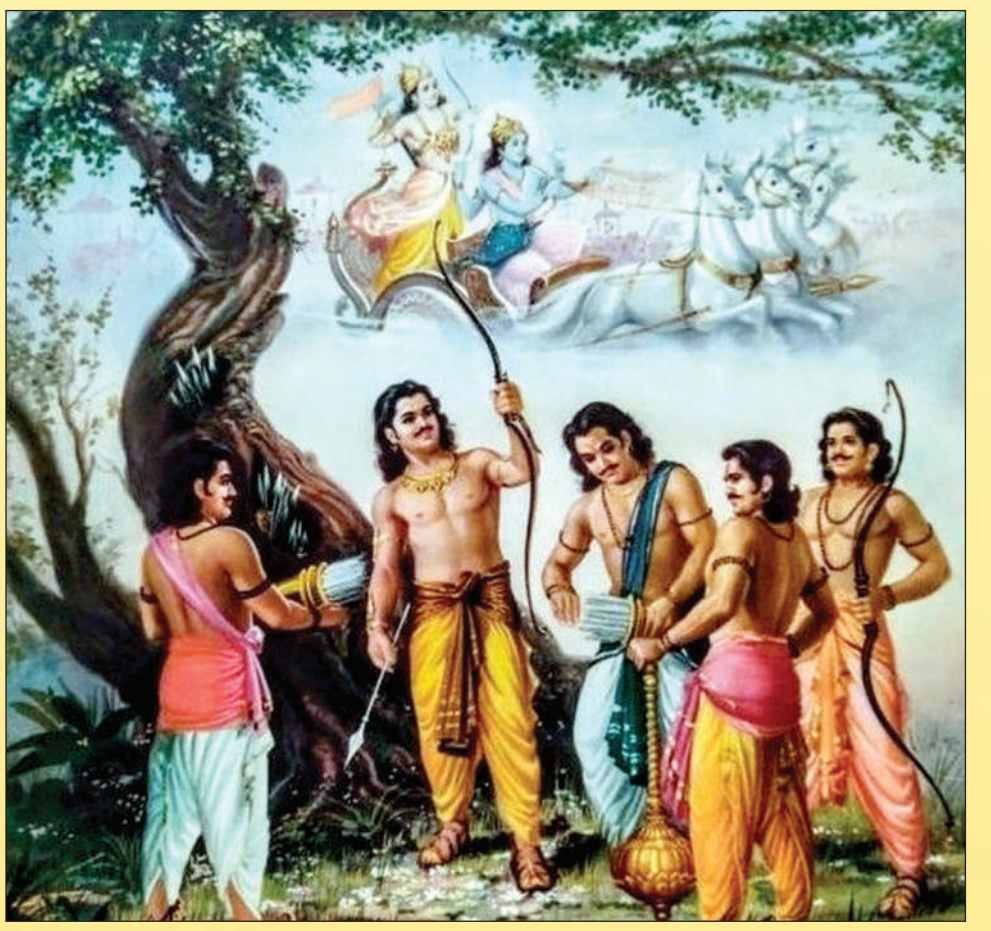

श्रीकृष्ण ने निकाला समस्या का समाधान

इस बात को सुनकर पांडव परेशान हो गए की कि आखिर कौन अपनी कन्या का विवाह ऐसे इंसान के साथ करेगा, जो बाद में खुद की बलि देना चाहते है। इस समस्या का समाधान श्रीकृष्ण ने निकाला। भगवान श्रीकृष्ण ने मोहिनी का रूप धारण कर इरावन से विवाह किया।

सत्यवती की सुंदरता पर मोहित हो गए थे ऋषि पराशर, दिया था ये वरदान

महाभारत काल में ऐसी कई घटनाएं घटी हैं, जिनका महाभारत के युद्ध से भी कोई-न-कोई संबंध रहा है। शांतनु की तरह ही पराशर ऋषि भी सत्यवती की सुंदरता पर मोहित हो गए थे, जिसके चलते उन्होंने सत्यवती को वरदान भी दिया था। यह भी महाभारत काल की एक महत्वपूर्ण घटना रही है, क्योंकि अगर यह घटना न हुई होती, तो आज महाभारत का स्वरूप कुछ और होता।

क्या है पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, ऋषि पराशर एक विद्वान और सिद्ध ऋषि थे। एक दिन धीवर नामक एक मछुआरे की नाव पर बैठकर नदी पार कर रहे थे, तभी उनकी नजर मछुआरे की पुत्री सत्यवती पर पड़ी, जो उसी नाव पर मौजूद थी। सत्यवती की सुंदरता को देखकर ऋषि पराशर उन पर मोहित हो गए और उन्होंने सत्यवती को अपने मन की बात बताई। इसपर सत्यवती ने कहा कि में मछुआरे की पुत्री हूं और आप एक सिद्ध ऋषि हैं, ऐसे में हमारा मिलन अनैतिक होगा।

दिए इतने वरदान

सत्यवती की चिंता को भांपते हुए पराशर ऋषि ने उस स्थान पर एक कृत्रिम आवरण तैयार कर दिया, जिससे वहां उन दोनों को कोई नहीं देख सकता था। साथ ही उन्होंने सत्यवती को यह वरदान दिया कि संतान उत्पन्न करने के बाद भी तुम्हारी कौमार्यता प्रभावित नहीं होगी। इसी के साथ मछुआरों के साथ रहने के कारण सत्यवती के शरीर से हमेशा मछली की दुर्गंध आती थी, जिस कारण उसे मत्स्यगंधा भी कहा जाता था। ऐसे में पराशर ऋषि ने सत्यवती को यह वरदान भी दिया कि अब उसकी यह दुर्गंध एक अत्यंत मोहक सुगंध में बदल जाएगी।

उत्पन्न हुई संतान

सत्यवती और ऋषि पाराशर की एक संतान भी उत्पन्न हुई, जिसका नाम कृष्णद्वैपायन रखा गया। आगे चलकर यही महर्षि वेदव्यास बने, जो आज महाभारत के रचयिता के रूप में जाने जाते हैं। वहीं आगे चलकर महर्षि वेदव्यास ही धृतराष्ट्र, पांडु और विदुर के जन्म का कारण बने, जो महाभारत की महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है।

महाभारत ग्रंथ से लें ये सीख, जीवन में न दोहराएं इन पात्रों की गलतियां

जहां रामायण ग्रंथ व्यक्ति को जीवन में किन कार्यों को करना चाहिए, वहीं महाभारत ग्रंथ व्यक्ति को यह सीखाता है कि व्यक्ति को अपने जीवन में किन गलतियों को नहीं करना चाहिए। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आप महाभारत ग्रंथ से क्या शिक्षा ले सकते हैं।

ये है प्रमुख सीख

द्रौपदी के चीरहरण की घटना को महाभारत युद्ध का प्रमुख कारण माना जाता है। इस घटना पर बड़े-बड़े विद्वान और महान योद्धा भी चुप रहे, जिसका नतीजा उन सभी को युद्ध भूमि में मिला। ऐसे में इस ग्रंथ से व्यक्ति को यह सीख लेनी चाहिए कि महिलाओं का हमेशा सम्मान करना चाहिए, वरना इसका परिणाम बुरा ही होता है।

कर्ण की तरह न करें ये गलती

महाभारत युद्ध का एक महान योद्धा होने के बाद भी कर्ण को काफी बुरे अंत का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसने यह जानते हुए भी दुर्योधन का साथ दिया कि वह गलत कर रहा है। इसलिए जितना हो सके बुरी संगति से दूर रहना चाहिए, वरना व्यक्ति के अच्छे कर्म भी नष्ट हो जाते हैं और उसे जीवन में बुरे परिणाम मिलने लगते हैं।

युद्ध नहीं है हल

महाभारत के भीषण युद्ध में हजारों सैनिकों और योद्धाओं ने अपनी जान गवाई। यदि कौरवों और पांडवों के बीच सुलह हो जाती तो, इस युद्ध को रोका जा सकता था। ऐसे में इससे हमें यह सीख लेनी चाहिए कि किसी भी समस्या को बातचीत से हल करने का प्रयास करना चाहिए। क्योंकि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, इससे व्यक्ति को केवल नुकसान ही होता है।

रणनीति है जरूरी

यदि महाभारत के युद्ध में भगवान कृष्ण ने सारथी बनकर पांडवों का साथ नहीं दिया होता, तो युद्ध में पांडवों का जीतना मुश्किल था। श्रीकृष्ण की रणनीति से ही पांडवों को युद्ध में जीत मिली। ऐसे में हमें किसी भी कार्य को बिना रणनीति के नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे उस कार्य में सफलता मिलना काफी मुश्किल होती है।

कुंती के अलावा और किस-किस को पता थी कर्ण के जन्म की सच्चाई?

कर्ण महाभारत का एक महत्वपूर्ण पात्र रहा है, जिनकी जन्म की कथा भी काफी रोचक है। पांडवों का सबसे बड़ा भाई होने के कारण भी कर्ण महाभारत के अंत तक अपने अधिकारों से वंचित रहा। उनसे अपने जीवन में कई कष्ट झेले। केवल दुर्योधन ने ही उसे अपना सच्चा मित्र माना, जिस कारण गलत होने के बाद भी कर्ण ने अंत तक दुर्योधन का साथ दिया।

कैसे हुआ कर्ण का जन्म

कथा के अनुसार, दुर्वासा ऋषि ने कुंती को एक वरदान दिया था, जिसके अनुसार, वह किसी भी देवता का स्मरण करके पुत्र प्राप्त कर सकती थी। इस वरदान के चलते कुंती ने सूर्य देव का आवाहन किया, जिससे उसे कर्ण की प्राप्ति हुई।

लेकिन कर्ण का जन्म कुंती के विवाह से पहले हुआ था, इसलिए लोक-लाज के दर से उसने कारण को त्याग दिया था और एक नदी में प्रवाहित कर दिया था। हस्तिनापुर के सारथी के रूप में कार्य करने वाले अधिरथ को पुत्र के रूप में कर्ण की प्राप्ति हुई। अधिरथ की पत्नी राधा ने कर्ण को बड़े ही स्नेह के साथ पाला, जिस कारण उसे राधेय भी कहा जाता है।

यह लोग भी जानते थे सच्चाई

कुंती ने सबसे ये बात सबसे छिपाकर रखी कि कर्ण उसका पुत्र है। कुंती के अलावा कर्ण के जन्म की सच्चाई नारद ऋषि, भगवान कृष्ण और विदुर भी को पता थी। इसी के साथ भीष्म पितामह और महाभारत ग्रंथ के रचयिता वेदव्यास भी यह बात जानते थे कि कर्ण, कुंती का पुत्र है।

भीष्म को कैसे हुआ ज्ञात

अपने अंतिम समय में जब भीष्म पितामह बाण शैय्या पर लेटे हुए थे, तब उन्होंने बताया कि वह कर्ण की सच्चाई जानते थे। उन्होंने पता था कि कर्ण अधिरथ और राधा का पुत्र नहीं, बल्कि सूर्य का पुत्र है, जो वरदान के रूप में कुंती को प्राप्त हुआ था। जब कर्ण ने पूछा कि उन्हें यह बात कैसे ज्ञात हुआ, तब भीष्म बोले कि नारद ऋषि से उन्हें कर्ण का परिचय प्राप्त हुआ था। इसके बाद श्रीकृष्ण और द्वैपायन व्यास से भी तुम्हारे जन्म का वृत्तांत ज्ञात हुआ।

पुष्पा 2 ने एनिमल, बाहुबली 2 को दी धोबी पछाड़

अल्लू अर्जुन की एक्शन फिल्म पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर रूल कर रही है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई यह फिल्म ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म ने जहां पहले पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वहीं बॉक्स ऑफिस पर मंड टेस्ट में भी नया रिकॉर्ड कायम किए हैं। फिल्म पुष्पा 2 के हिंदी वर्जन ने पहले मंडे टेस्ट में बाहुबली 2 और एनिमल को पीछे छोड़ दिया है और भारत में पहले सोमवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनकर उभरी है।पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली फिल्म बन गई है, जो अपने ओपनिंग डे से शानदार कमाई के साथ रिकॉर्ड तोड़ती जा रही है। सैकनिल्क के अनुसार, अपने पहले सोमवार को पुष्पा 2 ने सभी भाषाओं में 64।1 करोड़ रुपये की कमाई की, पुष्पा 2 की कुल कमाई 593।1 करोड़ रुपये हो गई। यह अल्लू अर्जुन स्टारर के लिए एक और मील का पत्थर है, जिसने अपने शुरुआती दिनों में ही बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़े हैं। इस ताबड़तोड़ कलेक्शन के साथ, पुष्पा 2 भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक कमाई करने वाली में से एक बन गई है।पुष्पा 2 ने हिंदी वर्जन ने मंडे टेस्ट में नया रिकॉर्ड कायम किया है। भारत में हिंदी बॉक्स ऑफिस पर इसने प्रभास की ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 और रणबीर कपूर की एनिमल को पछाड़ दिया है और पहले सोमवार को हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर उभरी है।सैकनिल्क के मुताबिक, पहले सोमवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म सलमान खान की टाइगर 3 का नाम दर्ज है। इसने फर्स्ट मंडे टेस्ट में 58 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। जबकि पुष्पा 2 के हिंदी वर्जन ने 46 रुपये कमाए हैं। वहीं प्रभास स्टारर बाहुबली 2 ने 40।25 और रणबीर की एनिमल ने पहले सोमवार को 40।06 करोड़ रुपये कमाए थे।सोमवार को वर्किंग डे होने के बावजूद, पुष्पा 2 ने वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स के अनुसार, फिल्म ने चौथे दुनिया भर में 829 करोड़ रुपये की कमाई की, जो 800 करोड़ रुपये का मील का पत्थर पार करने वाली सबसे तेज भारतीय फिल्म बन गई। स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर आंकड़ों की घोषणा की, इसे बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी वाइल्ड फायर कहा ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंडे टेस्ट में पुष्पा 2 के दुनियाभर में 950 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा की कमाई करने की उम्मीद है।

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप

ओटीटी पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही कंगुवा

हाल ही में हुई महाकाव्य एक्शन ड्रामा फिल्म कंगुवा ने स्ट्रीमिंग की दुनिया में तहलका मचा दिया है। प्राइम वीडियो इंडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही यह फिल्म दर्शकों को अपने शानदार विजुअल्स, जोड़े रखने वाली कहानी और दमदार प्रदर्शन से एंटरटेन कर रही है। सूर्या, बॉबी देओल और दिशा की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली फिल्ममेकर शिवा ने किया है। कंगुवा दर्शकों और आलोचकों के बीच बड़ी हिट साबित हो रही है।फिल्म के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, ऊंची उड़ान भरते हुए नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है।फिल्म की कहानी एक पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें साहस, बदले और मोक्ष की अनोखी गाथा को पेश किया गया है। सूर्या ने एक योद्धा के किरदार में अपने करियर का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन दिया है, जो प्यार, विश्वासघात और किस्मत की चुनौतियों का सामना करता है। बॉबी देओल ने एक खतरनाक विलेन रूप में अपने किरदार को गहराई और तीव्रता दी है, जबकि दिशा पाटनी अपने आकर्षक व्यक्तित्व और भावुकता से कहानी में अहम भूमिका निभाती हैं।कंगुवा इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है। 350 करोड़ से अधिक के बजट के साथ, यह फिल्म पुष्पा सिंघम जैसी बड़ी फिल्मों से भी बड़ी है। फिल्म को भारत सहित सात अलग-अलग देशों में शूट किया गया था। फिल्म का सेट और लुक बेहद अनूठा है क्योंकि यह प्रागैतिहासिक काल को दिखाने वाली फिल्म है।मेकर्स ने तकनीकी विभाग, जैसे एक्शन और सिनेमैटोग्राफी के लिए हॉलीवुड के विशेषज्ञों भी शामिल किया। फिल्म में 10,000 से अधिक लोगों की विशेषता वाले युद्ध के सबसे बड़े सीक्वेंस में से एक है।फिल्म के निर्माता स्टूडियो ग्रीन ने इसे वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर रिलीज करने के लिए शीर्ष वितरण कंपनियों के साथ करार किया था। कंगुवा को 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था, और अब यह प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के जरिए दर्शकों का दिल जीत रही है। 350 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म कंगुवा ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 70।39 करोड़ रु और वर्ल्डवाइड 107।20 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है।

साधारण को असाधारण बनाने वाले इंसान दिलीप साहब

जयंती पर सायरा बानो ने सुनाई मोहब्बत की दास्तां

फिल्म इंडस्ट्री में कमाल की अदाकारी, गजब के डायलॉग और गहरे हावभाव से पर्दे पर छाने वाले 'ट्रेजडी किंग' दिलीप कुमार की बुधवार को 102वीं जयंती है। दिलीप कुमार की हमसफर और दिग्गज अभिनेत्री सायरा बानो ने सोशल पर अपनी मोहब्बत और जज्बात को बखूबी बयां कर 'यूसुफ जान' को याद किया और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

हर एक खास मौकों पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाली दिग्गज अभिनेत्री सायरा बानो ने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत वीडियो मोंटाज शेयर कर दिल को छू लेने वाला नोट कुछ लोग आपकी जिंदगी में हमेशा के लिए आते हैं और आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाते हैं। मेरी जिंदगी में दिलीप साहब का आना भी ऐसा ही था। हम दोनों का अस्तित्व और विचार एक रहा। दिन बदल सकते हैं और मौसम बीत सकते हैं, लेकिन 'साहब' हमेशा साथ हैं और वह हमेशा मेरे हाथ में हाथ डालकर चलते रहे हैं।

आज, उनके जन्मदिन पर मैं सोचती हूं कि वह न केवल मेरे लिए बल्कि उन्हें जानने वाले सभी लोगों के साथ दुनिया भर के लिए एक बड़ा तोहफा है। दिलीप साहब का व्यवहार, संतुलन, शिष्टता शानदार वह जब भी मेरे आस-पास होते थे तो एक बच्चे की तरह बन जाते थे, जो कि चंचल, लापरवाह, सांसारिकता के बोझ से आजाद रहता था। सायरा बानो ने आगे कहा, उनकी सहज मुस्कुराहट के सामने एक लड़के की मासूमियत फेल थी और खास समय में वह खुद को देते थे। साहब के बारे में एक बात मैं निश्चित रूप से कह सकती हूं कि वह कभी भी शांत नहीं बैठते थे। उन्हें घूमना-फिरना बहुत पसंद था। जब भी उन्हें शूटिंग से छुट्टी मिलती थी तो वह हमें अपने साथ खूबसूरत जगहों पर चलने के लिए कहते थे। भाई सुल्तान के बच्चे, परिवार के दूसरे लोग और मैं अक्सर उनके साथ बेहतरीन सफर पर निकल पड़ते थे।

बानो आगे बताती हैं, उनकी सहजता आज भी मुझे हैरान कर देती है। मुझे एक ऐसा ही पल अच्छी तरह याद है। मैं उन्हें विदा करने के लिए एयरपोर्ट गई और जब वह जाने की तैयारी कर रहे थे, तो मैंने उन्हें अलविदा कहा। वह मेरी ओर मुड़े और पूछा, 'सायरा, तुम क्या कर रही हो?' मैंने जवाब दिया, 'मेरी शूटिंग कैंसिल हो गई है, इसलिए कुछ नहीं।' इसके बाद जो हुआ, उससे मैं हैरान रह गई कि वे अपने साथ ले गए! उन दिनों, फ्लाइट टिकट सीधे काउंटर पर बुक किए जाते थे। साहब ने तुरंत अपने सचिव को मेरे लिए टिकट सुरक्षित करने के लिए भेजा और मुझे अपने साथ ले चले। अब कल्पना कीजिए कि उस वक्त मैंने एक साधारण सूती सलवार कमीज पहन रखी मेरे पास साथ ले जाने के लिए ना तो कपड़े थे और ना ही कुछ और सामान।

फिर भी साहब मुझे शादी में ले गए। मैं उस साधारण पोशाक में पूरे समारोह में शामिल हुई, जबकि दिलीप साहब मेरे साथ हाथ में हाथ डाले चल रहे थे। उनकी सादगी परिभाषित करती थी और यही वह विशेषता थी जिसने मुझे हमेशा आश्चर्य में डाला। शायरा बानो ने आगे कहा, मैं उनके जन्मदिन को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। मैं उन्हें सरप्राइज देने के लिए बढ़िया कश्मीरी स्वेटर, बेहतरीन घड़ी चुनती थी और वह भीतर से इतने संतुष्ट कि तारीफ करने पर अपना सामान बिना संकोच या लालच के किसी को भी दे देते थे। मैं यह देखकर हैरत में पड़ जाती थी कि कोई भी व्यक्ति अपनी इतनी कीमती चीजों से इतनी आसानी से कैसे अलग हो सकता है? किसी को अपना सामान कैसे दे सकता लेकिन जल्द ही, मुझे एहसास हुआ कि दिलीप साहब अपने भीतर इतने संतुष्ट थे कि कोई भी भौतिक संपत्ति उनकी कला, उनके परिवार और उनके प्यार के खजाने की बराबरी नहीं कर सकती थी। शायरा बानो ने कहा कि वह एक ऐसे समृद्ध इंसान थे, जिसे सांसारिक संपत्तियों से लगाव नहीं था। वह अपनी खुद की बनाई दुनिया में रहते थे, जहां हर काम और हर शब्द का एक बढ़िया अर्थ और उद्देश्य होता था। जहां तक मेरा सवाल है, मुझे उस व्यक्ति को देखने का सौभाग्य मिला। दुनिया उन्हें अपने कोहिनूर के रूप में पूज सकती है, मेरे लिए, वह बस एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने साधारण को असाधारण बना दिया था। जन्मदिन मुबारक हो, यूसुफ जान!

ब्लैक गाउन पहन रकुल प्रीत सिंह ने शेयर किया हॉट लुक

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की इन फोटोज पर उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनकी कातिल अदाएं सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगती हैं।हाल में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने ब्लैक कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं।बालों को पोनी स्टाइल लुक में बांधकर और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। बता दें कि एक्ट्रेस पोस्ट जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर करती हैं तो उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करने है।

कपूर खानदान ने की पीएम मोदी से मुलाकात

करीना ने तैमूर और जेह के लिए लिया ऑटोग्राफ

भारतीय सिनेमा जगत के 'ग्रेट शो मैन' राज कपूर की 100वीं जयंती का जश्न जबरदस्त होगा। कपूर फैमिली पूरी आन बान शान से उत्सव की तैयारी में जुटी परिवार ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी न्योता दिया है। खुशी का इजहार पूरे परिवार ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किया है। करीना कपूर ने तो तस्वीरों की श्रृंखला के साथ वो क्लिप भी शेयर किया जिसमें पीएम मोदी उनके बच्चों टिम और जेह को ऑटोग्राफ रहे हैं।

करीना कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर पीएम के साथ मुलाकात करने पहुंची कपूर फैमिली की तस्वीर साझा कर कैप्शन में लिखा, हम अपने दादा और ग्रेट अभिनेता राज कपूर के असाधारण जीवन और विरासत के जश्न को मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रित किए पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इस खास दोपहर के लिए मोदी जी का धन्यवाद।

इस मील के पत्थर को मनाने में आपकी गर्मजोशी, अटेंशन और समर्थन हमारे लिए बहुत मायने रखता है। जैसा कि हम दादाजी की कलात्मकता और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के शानदार 100 वर्षों जश्न मनाने जा रहे हैं। हम उनकी विरासत का सम्मान करते हैं, जो हमें और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। हमें उनकी शानदार फिल्मों और 'राज कपूर 100 फिल्म फेस्टिवल' के साथ भारतीय सिनेमा पर उनके प्रभाव पर गर्व है।

इसके साथ अभिनेत्री ने 13-15 दिसंबर, 2024 10 फिल्में , 40 शहर, 135 सिनेमाघर के साथ 'राज कपूर के 100 साल लिखा। करीना ने इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी के साथ पोज देते हुए कपूर परिवार की तस्वीर साझा की। पीएम मोदी के साथ साझा की गई तस्वीर में करीना के साथ करिश्मा कपूर, नीतू सिंह, रणबीर आलिया भट्ट, रिद्धिमा कपूर, सैफ अली खान के साथ अन्य सदस्य नजर आए। एक अन्य तस्वीर में करीना कपूर और करिश्मा कपूर पीएम से ऑटोग्राफ लेती नजर आईं।

अन्य तस्वीरों में पीएम मोदी, सैफ अली, रणबीर, नीतू, आलिया और करीना से बात करते दिखाई दे दिए।

दिग्गज अभिनेत्री नीतू और करिश्मा कपूर ने भी पीएम मोदी के साथ तस्वीर पोस्ट की।

राज कपूर की 100वीं जयंती के मौके पर उनकी सफल और शानदार फिल्में दिखाई जाएंगी। इन फिल्मों में 'आग' (1948), 'बरसात' (1949), 'आवारा' (1951), 'श्री 420' (1955), 'जागते रहो' (1956), 'जिस देश में गंगा बहती है' (1960), (1964), 'मेरा नाम जोकर' (1970), 'बॉबी' (1973) 'राम तेरी गंगा मैली' (1985) शामिल हैं।

इन फिल्मों को 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक भारत के 40 शहरों और 135 सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। सिनेमाघरों में मूवी टिकट की कीमत 100 रुपये होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप ख़ुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं हैं आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इरादों के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके विरुद्ध आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल–ए–तारीफ़ है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 12 दिसंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 10:28 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 09:53 तक
योग : परिघ दोपहर 03:22 तक
करण : बव प्रातः 11:50 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : एकादशी का पारणा , श्याम बाबा की बारस , गण्डमूल प्रातः 09:53 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राइजिंग राजस्थान समिट का समापन सत्र

2026 में फिर होगा राइजिंग राजस्थान का आयोजन

जयपुर,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के में 2047 तक भारत दुनिया का सबसे ताकतवर अर्थनीति बनेगा तथा राजस्थान भारत का अग्रणी राज्य होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रत्येक कोने में राजस्थान का उद्यमी मौजूद है तथा प्रत्येक राजस्थानी अब आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में नई ऊंचाइयां छू रहा है।

प्रधान ने कहा कि केन्द्र राज्य के प्रमुख शैक्षणिक शिक्षा आईआईटी जोधपुर, केन्द्रीय विश्व विद्यालय जैसे संस्थान में एडवांस टैक्नोलॉजी लैब को स्थापित करने में मदद करेगी। राजस्थान की विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद 11 प्रतिशत की विकास दर प्रदेशवासियों की मेहनत को दर्शाती है।

प्रधान बुधवार को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट का सफल आयोजन किया है तथा उनके नेतृत्व में राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान केवल पूंजी निर्माता ही नहीं बल्कि नॉलेज बेस्ड इकोनोमी है। यहां आईआईटी, आईआईएम, एम्स सहित सभी विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश को जॉब सीकर्स से ज्यादा जॉब क्रिएटर्स की जरूरत है। राजस्थान के व्यक्ति को उद्यमिता सिखाने की जरूरत नहीं है उसमें यह खूबी जन्म से ही होती है। उन्होंने कहा कि जैसे खाड़ी देश विश्व अर्थनीति के केन्द्र हैं, वैसे ही भविष्य में जयपुर–जैसलमेर दुनिया के अर्थनीति के केन्द्र बनना तय हैं तथा यह समिट इसको दिशा देने में भूमिका निभाएगा।

प्रधान ने कहा कि मुझे बताया गया है कि इस समिट में ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू साइन हुए हैं जोकि एक प्रोग्रसिव पहल है। दुनिया में ऊर्जा की खपत अमरीका और चीन के बाद भारत में सर्वाधिक होती है। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य में एनर्जी तथा न्यू एनर्जी भी सृजित करेगा तथा राजस्थान इस क्षेत्र में लीडर पॉजिशन पर आ गया है। यहां हुए निवेशों से लोगों को संसाधन मिलेंगे, आय का सृजन होगा तथा आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी जिससे पूरा राज्य विकास की दौड़ में अग्रणी बन सकेगा। प्रधान ने कहा कि पहले राज्य की श्रेणी में 'आर' राजस्थान को माना जाता था लेकिन अब वही 'आर' राजस्थान राइजिंग की तरफ बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राइजिंग समिट में हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए पूरी के साथ काम करेगी तथा अगले वर्ष 11 दिसंबर को इन सभी एमओयू के जमीन पर उतरने की कार्यवाही की समीक्षा कर जनता के सामने लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान का आयोजन 2026 में फिर से होगा। उन्होंने कहा कि असीम संभावनाओं से भरपूर राजस्थान में उद्यमिता विकास के शिखर को छूने की क्षमता है। राजस्थान नवाचार व निवेश आकर्षण के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समिट के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने कई अहम निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 11 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति, पांच नवीन औद्योगिक क्षेत्रों को भूखंड आवंटन, रीको 8 औद्योगिक क्षेत्र नियोजित किए गए हैं। श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए हम अगले तीन साल में जीआई टैग की संख्या को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जीआई टैग वाले उत्पाद गांव से ग्लोबल की तरफ जो यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' विजन को साकार करेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने विभिन्न कंपनियों और उपक्रमों के एजीबिटर बूथ का जायजा लिया। शर्मा ने बिल्डिंग ए सिक्योर नेशन बूथ पर आधुनिक हथियारों का किया। उन्होंने हिंदुस्तान जिंक के बूथ पर 3 डी आईवीआर तकनीक के माध्यम से हिंदुस्तान जिंक की माइंस का वर्चुअल टूर किया। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा लगाए गए आई स्टार्ट राजस्थान बूथ पर रोबोटिक डॉग का रिमोट से संचालन भी किया। वे उत्तर पश्चिम रेलवे के बूथ पर पहुंचे और भारतीय रेलवे के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के मॉडल्स का जायजा लिया।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने सिंकटेक, धूत संगमरमर, हिंगोनिया पुनर्वास केंद्र और एंबेसी ऑफ डेनमार्क के एग्जीबिटर बूथ का भी दौरा किया। इस दौरान वर्ल्ड बैंक के कंट्री हैड ऑगस्ट तानो कुआमे, राज्य मंत्रिपरिषद् के सदस्य, अधिकारीगण, लघु भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा सहित बड़ी संख्या में एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े उद्यमी उपस्थित रहे।

जवाहर नगर में हिस्ट्रीशीटर के घर फायरिंग करने का मामला

मुख्य आरोपी हनी टाइगर व उसका साथी गिरफ्तार

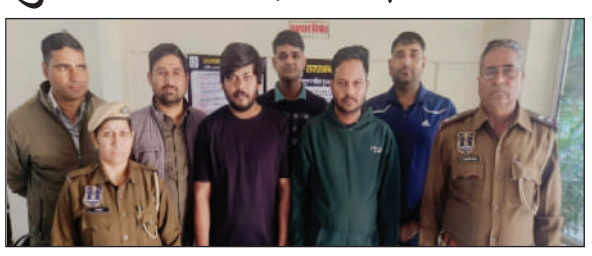

जयपुर,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल हुए हिस्ट्रीशीटर राहुल नंदा के घर पर फायरिंग की घटना के मुख्य आरोपी हनी टाईगर उर्फ आचित्य सिंह पंवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में कुल दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें हनी टाईगर और सद्दाम शामिल हैं।

मध्य रात्रि को 29 नवंबर 2024 को सिंधी जवाहरनगर में स्थित राहुल नंदा के घर पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई थी। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पहले 5 आरोपी गिरफ्तार किए थे, लेकिन मुख्य अभियुक्त हनी टाईगर और उसके साथी कुलदीप गहलोत उर्फ कालू फरार हो गए थे। हनी की गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

गठित पुलिस टीम ने कई राज्यों में अभियुक्तों की तलाश की। हनी टाईगर की गिरफ्तारी के लिए विशेष दबिश दी गई, जिसके बाद उसे जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर के बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद, टाईगर ने बताया कि घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा उसने अपने साथी सद्दाम को दे दिया था, जो सीकर में छिपा था। पुलिस ने सद्दाम को भी गिरफ्तार कर लिया और कट्टे को बरामद किया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से एक सफेद रंग की स्वीफ्ट कार भी बरामद की जिसे वारदात में इस्तेमाल किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों की में आचित्य सिंह पंवार उर्फ हनी टाईगर (उम्र 25 वर्ष), निवासी महेन्द्र नगर, जयपुर। सद्दाम (उम्र 27 वर्ष), निवासी बिसमिल्ला कॉलोनी, सीकर है।

गठित पुलिस टीम के सदस्य : रणजीत सिंह (उप निरीक्षक, पुलिस थाना जवाहरनगर जयपुर पूर्व), छीतरमल उप निरीक्षक, डीएसटी, जयपुर पूर्व), अविनाश (हेड कांस्टेबल, पुलिस थाना प्रतापनगर जयपुर पूर्व), परमानंद (कांस्टेबल, पुलिस थाना जवाहरनगर जयपुर पूर्व), कुमेर सिंह (कांस्टेबल, पुलिस थाना जवाहरनगर जयपुर पूर्व), धर्मपाल (कांस्टेबल, पुलिस थाना जवाहरनगर जयपुर पूर्व), विजय सिंह (कांस्टेबल, डीएसटी, जयपुर पूर्व), अजय सिंह (कांस्टेबल, रिजर्व पुलिस लाइन जयपुर)। इस में पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, जिससे क्षेत्र में शांति बनी रहेगी और अपराधियों को उनके अपराधों का उचित परिणाम मिलेगा।

काछोला में माफिया लोग अवैध मिट्टी दोहन कर बेच रहे

भीलवाड़ा,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

काछोला थाना क्षेत्र के कई गांवो में बजरी माफिया लोग पिछले कुछ दिनो से चरागाह भूमि से जेसीबी एवं ट्रैक्टरो के माध्यम से अवैध मिट्टी दोहन कर बेच रहे है। ग्रामीणो ने इस संबंध मे पुलिस एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी,पटवारी इत्यादि को कई शिकायत की। उन्होने इस पर कार्यवाही करना तो दूर उल्टे माफिया लोगो से ग्रामीणो को धमका रहे है। थल खुर्द गांव के पास पिछले कई दिनो से डम्पर के माध्यम से अवैध मिट्टी दोहन कर बेची जा रही है।इसकी जानकारी थाने पर तैनात बीट कांस्टेबल एवं थानाधिकारी को है। मगर कार्यवाही करने की बजाय वसूली करने पर लगे हुए है। ग्रामीणो ने जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायत भेजकर कार्यवाही करने की मांग की है।

पशुपालन मंत्री ने तरल नत्रजन परिवहन वाहन को हरी दी झंडी

जयपुर,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

पशुपालन, गोपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड के तत्वावधान में 5 तरल नत्रजन परिवहन वाहनों की विधिवत पूजा कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तरल नत्रजन पशु नस्ल सुधार के लिए किए जाने वाले कृत्रिम गर्भाधान में काम आता है।

इस अवसर पर पशुपालन मंत्री ने कहा कि तरल नत्रजन के की व्यवस्था को सुगम और सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से भारत सरकार की शत प्रतिशत वित्त पोशित राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत 15 जिलों को नत्रजन परिवहन वाहन जून में उपलब्ध कराए जा चुके हैं। अब इन पांच जिलों में वाहनों की उपलब्धता से अधिकांश जिलों को यह प्राप्त हो गई है।

उन्होंने बताया कि इन वाहनों में पहली बार जारों को उठाने और रखने के लिए पूली व्यवस्था करवाई गई है जिससे विभागीय कर्मचारियों को अधिक वजन उठाने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। साथ ही जार के खराब होने की संभावना भी कम रहेगी। उन्होंने बताया तरल नत्रजन के भण्डारण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए जाने के लिए वाहन आपूर्ति के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार राज्य के 29 जिलों में 3000 लीटर क्षमता के नवीन साइलों की भी स्थापना हो चुकी है।

अपराध का सफाया करने के लिए कांग्रेस सरकार की तरह सख्त कदम उठाए बीजेपी : हुड्डा

चंडीगढ़,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

गुरुग्राम के क्लब में धमाका, फेंके गए देसी बम। कुरुक्षेत्र में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या। 35 दिन में बदमाशों के साथ पुलिस की 15 मुठभेड़, चार पुलिसकर्मियों को लगी गोली कांड से दहला रोहतक। यह पिछले कुछ दिनों के अखबारों की सुर्खियां हैं, जो हरियाणा में तबाह हो चुकी कानून व्यवस्था का सबूत दे रही हैं। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का।

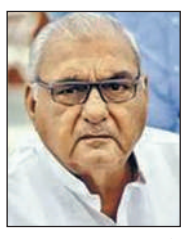

लगातार बढ़ रही वारदातों पर चिंता जाहिर करते हुए हुड्डा ने कहा कि हत्या, चोरी, लूट, डकैती और फायरिंग के बाद अब हरियाणा में बम फेंकने की वारदातें भी होने लगी हैं। हरियाणा की आर्थिक राजधानी गुरुग्राम में हुई बमबारी की वारदात ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में बदमाश पूरी तरह बेखौफ हैं। उन्हें पुलिस और सरकार का रत्तीभर भी नहीं है। बीजेपी सरकार सत्ता के सुरूर में सो रही है और अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। हुड्डा ने कहा कि प्रत्येक सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना होता है। लेकिन बीजेपी जब से सत्ता में आई है, उसने अपनी जिम्मेदारी से तरह मुंह फेर रखा है। यही वजह है कि हरियाणा में अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

इसके चलते हरियाणा में निवेश लगातार घट रहा है। क्योंकि निवेशक उसी प्रदेश में आते हैं, जहां कानून व्यवस्था बेहतर हो। लेकिन बीजेपी ने हरियाणा के कानून व्यवस्था का दिवाला पीट दिया इसी वजह से निवेशक हरियाणा से मुंह फेर रहे हैं और प्रदेश में नए रोजगार पैदा नहीं हो रहे व लगातार बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी बढ़ने की वजह से अपराध में और इजाफा हो रहा है। यानी बीजेपी ने अपराध और बेरोजगारी के खतरनाक कुचक्र में हरियाणा फंसा दिया है। सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से पता चला है कि जनवरी से अगस्त तक हरियाणा में रोज 4 रेप, 3 हत्याएं, 42 वाहन चोरी और 25 घरों में चोरी की वारदातें होती आई हैं।

किसी न किसी बहाने से जनता की जेब काटने में लगी भाजपा सरकार : सैलजा

चंडीगढ़,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा केंद्र की तानाशाह सरकार किसी न किसी बहाने से लोगों की जेब काटने में लगी रहती है, वायदा करके मुकरना भाजपा की पुरानी आदत है, अभी तक किसी भी महिला के खाते में 2100 रुपये प्रतिमाह नहीं डाले गए है उधर महंगाई लोगों के मुंह का निवाला भी छीनने लगी हुई है, ये सरकार किसी की भी बात सुनने को तैयार नहीं है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव के समय जनता को लुभाने के लिए भाजपा वायदे पर वायदे करती है और चुनाव जीतने के बाद भूल जाती है, इतना ही नहीं से जो सुविधाएं दी जा रही थी उनमें भी कटौती कर देती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के 11,08,383 बीपीएल परिवारों की रसोई से भाजपा ने अब सरसों का तेल भी छीन लिया।उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे गुजारा कर रहे 52 लाख से अधिक को मिलने वाले सरसों के तेल में अब 24 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक की भारी कटौती कर दी गई है। आखिर भाजपा गरीबों से किस जन्म का बदला ले रही है। एक ओर जहां महंगाई के दौर में गरीबों को मदद की जरूरत थी वहीं भाजपा ने मदद देना ही बंद कर रही है।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

रेवाड़ी,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

रेवाड़ी में टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 5 देसी कट्टे, 18 जिंदा कारतूस, चोरी करने वाले हथियार और एक कार बरामद की है। आरोपियों पर राजस्थान, हरियाणा, यूपी और अन्य राज्यों में कई मामले दर्ज हैं, और रेवाड़ी जिले में दो दर्जन से अधिक चोरी की वारदातों भी खुलासा हुआ है।

गीता में अहंकार को त्यागने और आत्मज्ञान प्राप्त करने के संदेश को अपनाकर हम समाज में ला सकते हैं समरसता : सैनी

चंडीगढ़,11 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज घोषणा करते हुए कहा कि धर्मक्षेत्र–कुरुक्षेत्र की पावन धरा स्थित थीम पार्क अब केशव पार्क के नाम से जाना जाएगा। इसका उद्देश्य भारत में महान धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थल कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को और अधिक संरक्षित और बढ़ावा देना है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र में वैश्विक गीता पाठ में भाग लेने वाले छात्रों के लिए गुरुवार को विशेष अवकाश की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने आज धर्मक्षेत्र–कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान 18 हजार बच्चों के द्वारा वैश्विक गीता पाठ– अष्टादशी श्लोक कार्यक्रम में

शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के कृषि एवं किसान मंत्री श्याम सिंह राणा, तंजानिया की पर्यटन मंत्री पिंडी चाना, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने गीता स्थली ज्योतिसर में पवित्र ग्रंथ गीता की पूजा– अर्चना की और इसके उपरांत उन्होंने हवन–यज्ञ में पूर्ण आहुति भी डाली। मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र व श्री कृष्ण के विराट स्वरूप का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी एवं गीता जयंती पर्व की शुभकामनाएं देते हुए भगवान से प्रार्थना की कि वे प्रदेशवासियों के जीवन को ज्ञान के आलोक से आलोकित करें। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन 5162 वर्ष भगवान श्री कृष्ण जी के मुख से श्रीमद् भगवद् गीता का उद्घोष हुआ था। आज 18 हजार विद्यार्थियों द्वारा अष्टादशी श्लोकों से आकाश गुंजायमान हुआ है। यह गर्व की बात है कि आज अनेक देशों में गीता का पाठ किया गया है। उन्होंने कहा कि इस गीता पाठ के केवल धार्मिक, बल्कि वैज्ञानिक अर्थ भी हैं। जिन 18 छंदों का पाठ आज किया गया है, वह अपने आप में एक प्रार्थना है, गीत है, और शांति का आह्वान है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गीता को पूरी मानव जाति के लिए उपयोगी मानते हैं। उन्होंने कहा है कि 'गीता के माध्यम से भारत ने देश और काल की सीमाओं से बाहर पूरी मानवता की सेवा की है। प्रधानमंत्री के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने एक नए युग की कदम बढ़ाया है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बिहार में रॉकी सिंह और रवि लाल के नाम पर खेल कोर्ड वर्ड डिकोड होते ही पटना पुलिस में हड़कंप

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब माफिया नए-नए तरीके अपनाकर तस्करी कर रहे हैं। पुलिस की नजरों से बचने के लिए ये लोग शराब के नाम बदलकर बेच रहे हैं। रॉयल स्टैग को 'रॉकी सिंह' और रेड लेबल को 'रवि लाल' कहा जा रहा है। पटना पुलिस ने हाल ही में कई शराब तस्करों को पकड़ा है और उनके मोबाइल पर भी नजर रख रही है। नए साल पर पुलिस शराब माफियाओं पर खास नजर रखेगी, खासकर होम डिलीवरी करने वालों पर।

दरअसल, बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद भी शराब की तस्करी जारी है। शराब माफिया पुलिस से बचने के लिए लगातार अपने तरीके बदल रहे हैं। पुलिस की पकड़ से बचने के लिए ये कोड वर्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं। जैसे रॉयल स्टैग अब रॉकी सिंह बन गया है और रेड लेबल को रवि लाल कहा जा रहा है। इससे पुलिस को शराब की पहचान करने में मुश्किल हो रही है।

पटना पुलिस ने हाल ही में कई शराब तस्करों के खिलाफ छापेमारी की है। कई होम डिलीवरी करने वाले तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कई शराब तस्करों के मोबाइल फोन सर्विलांस पर हैं। इस सर्विलांस के जरिए ही इन नए कोड वर्ड का पता चला है। शराब माफिया अपने ग्राहकों और गैंग के सदस्यों से बात करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। शराब का ऑर्डर लेने से लेकर डिलीवरी तक, सारा काम ही होता है। इससे पुलिस के लिए इन पर नजर रखना मुश्किल हो जाता है।

नए साल पर शराब की मांग बढ़ने की आशंका के चलते पुलिस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। पटना पुलिस ने शराब माफियाओं, खासकर होम डिलीवरी करने वालों पर कड़ी नजर रखने की योजना बनाई है। पुलिस पहले से ही शराब माफियाओं के अड्डों पर छापेमारी कर रही हैं। जेल से रिहा हुए शराब माफियाओं की सूची भी तैयार की जा रही है। पुलिस उन पर भी नजर रख रही है।

इस साल नवंबर तक पुलिस ने 70,917 लीटर अंग्रेजी शराब और 1,04,944 लीटर देसी शराब जब्त की है। यह आंकड़ा बताता है कि शराबबंदी के बावजूद बिहार में शराब का कारोबार कितना बड़ा है। पुलिस लगातार कोशिश कर रही है कि इस अवैध कारोबार पर रोक लगाई जा सके। लेकिन शराब माफियाओं के नए-नए हथकंडे अपनाने से यह काम और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

बेगूसराय में डॉक्टर और कंपाउंडर की मौत

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में संदिग्ध हालत में डॉक्टर और कंपाउंडर की मौत हो गई। आशंका है कि दोनों की मौत शराब पीने से हुई। इनमें एक की आंखों की रौशनी भी चली गई थी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की मौत हो गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मृतक की पहचान चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के मैदा शाहपुर के रहने वाले डॉक्टर सी सी सिंह एवं उनके कंपाउंडर हरे राम तांती के रूप में की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि मृत डॉक्टर सी सी सिंह का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया। लेकिन, स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित एक टीम के देखरेख में हरे राम तांती का पोस्टमार्टम कराया गया। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर मौत किस वजह से हुई है। मामले में बेगूसराय के सिविल सर्जन डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि बीते समय हरे राम तांती को उनके क्लीनिक में इलाज के लिए लाया गया था, उस वक्त उसकी आंखों की रोशनी चली गई थी।

परिजनों ने बताया कि हरे राम तांती शराब का भी सेवन किया करता था। आशंका है कि शराब पीने से ही उनकी मौत हुई है। इधर, घटना के बाद लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया। पुलिस का कहना है कि शराबबंदी वाले बिहार के बेगूसराय में पुलिस निष्क्रिय है। लगातार शराब माफियाओं द्वारा जहरीली शराब बनाकर बेची जा रही है। गौरतलब है कि दोनों ही लोग स्वास्थ्य सेवा से ही जुड़े हुए थे। एसपी मनीष कुमार ने बताया है कि संदिग्ध हालत में दो व्यक्ति की मौत हुई है। जिसमें एक व्यक्ति का पोस्टमार्टम कराया गया है।

नए साल में 15 अगस्त से पहले मिलेगी मेट्रो की सौगात, पटना बनेगा मेट्रो का हर्ट

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने पटना मेट्रो के प्रायरिटी कॉरिडोर का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों से बात की और उनको कई अहम दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ विभाग की संयुक्त सचिव वर्षा सिंह भी मौजूद रही।

निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। मलाही पकड़ी से लेकर न्यू आईएसबीटी तक बने प्रायरिटी कॉरिडोर पर सिविल वर्क लगभग पूरा हो गया है। अब ट्रैक बिछाने और ट्रेन सेट की खरीदारी करने का काम चल रहा है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक और टेलीकॉम सिग्नलिंग का काम भी जल्द शुरू किया जाएगा। हमारी प्राथमिकता है कि अगस्त 2025 तक पटनावासियों को मेट्रो की सुविधा मिलने लगे।

नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि पटना मेट्रो के करीब 6.5 किलोमीटर लंबे प्रायरिटी कॉरिडोर में पांच एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन हैं। इनमें मलाही पकड़ी, खेमनीचक, भूतनाथ, जीरोमाइल और न्यू आईएसबीटी मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। इसके बाद शहरवासी सिर्फ 15 मिनट में मलाही पकड़ी से बैरिया बस स्टैंड तक पहुंच जाएंगे। वहीं, उन्होंने कहा कि मेट्रो का परिचालन होने से पटना की सड़कों पर बढ़ रहे ट्रैफिक का दवाब भी कम होगा। साथ ही शहरवासियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने बैरिया बस स्टैंड के पास बने पटना मेट्रो डिपो का भी निरीक्षण किया। वहां मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि डिपो में धुलाई से लेकर मेंटेनेंस तक का काम किया जाएगा। इसके अलावा यहां एक कंट्रोल सिस्टम भी बनाया जाएगा। आप कह सकते है कि यह पूरे पटना मेट्रो का हर्ट होगा। यहां बने एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग में कंट्रोल सिस्टम, मैनेजमेंट सिस्टम, सिक्योरिटी, ट्रेनिंग सेंटर मौजूद रहेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश पर विवादित टिप्पणी को लेकर लालू यादव के खिलाफ प्रदर्शन, जदयू कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

जहानाबाद (एजेंसियां)।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर की गई विवादित टिप्पणी के विरोध में जहानाबाद जिला मुख्यालय में जदयू कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर चौक पर लालू यादव का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

जदयू कार्यकर्ताओं ने लालू यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनकी टिप्पणी को असभ्य और निंदनीय बताया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी एक सभ्य व्यक्ति को शोभा नहीं देती। जदयू कार्यकर्ताओं ने लालू यादव की टिप्पणी को न केवल मुख्यमंत्री का अपमान बताया, बल्कि इसे महिला समुदाय के प्रति उनकी मानसिकता का द्योतक भी कहा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लालू यादव के घर में सात बेटियां हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी खुद मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। ऐसे में महिला विरोधी टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक है।

जदयू कार्यकर्ताओं ने लालू यादव की टिप्पणी को मानसिक दिवालियापन करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी भाषा का इस्तेमाल समाज में नफरत फैलाने की कोशिश है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह बयान न केवल आधी आबादी का अपमान है बल्कि राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन भी है।

लालू यादव द्वारा की गई टिप्पणी ने राज्य की राजनीति में एक बार फिर गर्मी ला दी है। जदयू इसे गंभीर मुद्दा मानते हुए हर स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर लालू यादव ने अपने बयान पर माफी नहीं मांगी, तो प्रदर्शन और तेज किया जाएगा।

लुटेरी दुल्हन ने भाजपा नेता को बनाया निशाना, आशिक के साथ फरार

पटना (एजेंसियां)।

शादी विवाह का मौसम है और ऐसे में लुटेरी दुल्हन भी खूब चर्चा में है। एक सप्ताह पहले मुजफ्फरपुर में लुटेरी दुल्हन ने शादी के दस दिन बाद ही सारा गहना और नगदी लेकर फरार हो गई थी। अब लुटेरी दुल्हन ने भाजपा नेता को निशाना बनाया है। मामला किशनगंज का है।

घटना के संबंध में धर्मगंज निवासी भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व महामंत्री राकेश गुप्ता ने बताया कि उन्होंने गंगा बाबू चौक निवासी युवती इशिका से 29 अप्रैल 2024 को कोर्ट में विवाह किया था।

इसके बाद दोनों ने फिर मंदिर में शादी की। शादी के कुछ दिन बाद दुल्हन भाजपा नेता को बरगलाकर लगभग 30 से 35 लाख रुपए लेकर अपने मायके भेज दी और फिर एक दिन मौका देखकर ससुराल से फरार हो गई।

शुरूआती समय में भाजपा नेता को कुछ पता नहीं चला लेकिन बाद में उसे पता चला कि उसकी पत्नी सारा रुपया लेकर अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई और फिर उसी के साथ शादी कर ली। इस बात की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता राकेश गुप्ता को हुई तो पीड़ित युवक ने अपने सस-ुराल पहुंच कर जमकर हंगामा किया। इस संबंध में राकेश गुप्ता ने कहा कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले अपनी बेटी को रात में उनके घर रुकने नहीं देते थे। लड़की ने उनको बरगलाकर उनसे मोटी रकम भी लिए, जिससे लुटेरी दुल्हन के घर वालों ने जमीन भी खरीदा। भाजपा नेता ने कहा कि मुझसे रुपये ऐंठकर अब इनलोगों ने लड़की को गायब कर दिया है।

भाजपा नेता राकेश गुप्ता ने बताया कि इससे पहले भी वह बंगाल के कानकी निवासी एक युवक को 9 महीने तक चुना लगाया है।

अब सारी जानकारी होने के बाद पीड़ित राकेश गुप्ता ने टाउन थाना में मामला दर्ज करवाया है। हालांकि लड़की की मां का कहना है कि राकेश गुप्ता से उसके बेटी की शादी नहीं बल्कि सगाई हुई थी।

लड़की की मां का कहना है कि 6 दिसंबर को वह डॉक्टर से दिखाने सिलीगुड़ी गई, लेकिन फिर वापस नहीं लौटी। इतना ही नहीं लड़की की मां ने राकेश गुप्ता से रुपया लेने से भी इंकार किया है।सोशल मीडिया पर लुटेरी दुल्हन और उसके प्रेमी की तस्वीर वायरल हो रही है। मामला दर्ज होने बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल लुटेरी दुल्हन चर्चा में है।

दूल्हा जयमाला से पहले पहुंचा जेल, शराब पीने की पुष्टि के बाद टूट गई शादी

बेगूसराय (एजेंसियां)।

शराबी दूल्हे को देखकर शादी से दुल्हन ने जयमाला के दौरान इनकार किया। जिसके बाद दूल्हे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसकी जब जांच कराई गई तो उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। पुलिस ने उसे न्यायालय भेज दिया। दरअसल, तेघड़ा थाना क्षेत्र के दनियालपुर गांव निवासी भुल्ला महतो 8 दिसंबर की रात सूट बूट पहने बैंड बाजा और बारात के साथ शादी करने के लिए तेयाय थाना क्षेत्र के काजी रसलपुर गांव पहुंचा था। शादी के रस्म के दौरान दूल्हा भुल्ला महतो शराब के नशे में टूल था।

जैसे-तैसे रस्म करने के बाद जब जयमाला के लिए स्टेज पर पहुंचा तो लड़खड़ा कर गिर गया। जिसके बाद दुल्हन ने शादी करने से इनकार कर दिया। बाद में दूल्हे और उसके परिजनों को बंधक भी बनाया गया। 24 घंटे के बाद शादी में हुए खर्च और दहेज के रूप में दी गई राशि को वापस करने की बात पर समझौता हुआ और लड़की वालों ने दूल्हा और उसके परिजनों को छोड़ दिया। लेकिन इस बीच किसी ने 112 डायल पुलिस को सूचना दी। 112 डायल की पुलिस मौके पर पहुंची। दूल्हे और उसके परिजनों को हिरासत में लेकर थाना ले गई।

तेयाय थाना पुलिस ने शराबी दूल्हे का मेडिकल जांच कराया जहां उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। हालांकि दुल्हन के परिजनों ने सामाजिक स्तर पर समझौता कर लिया और किसी प्रकार की शिकायत पुलिस से नहीं की। लेकिन पुलिस ने दूल्हे को शराब के नशे में होने की वजह से गिरफ्तार किया और उसका मेडिकल जांच कराया। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई। जिसके बाद मंगलवार की शाम उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

बिहार में शराबबंदी के कानून के तहत न्यायालय में पहली बार शराब पीने की वजह से 2000 का जुर्माना देकर उसे रिहा कर दिया गया। इस मामले में मुख्यालय डीएसपी रमेश प्रसाद सिंह ने बताया कि दूल्हा शादी करने गया था। उसके शराब पीने की पुष्टि के बाद पुलिस ने उचित कार्रवाई की है। उसके बाद उसकी जांच कराई गई। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई। जुर्माने के बाद उसे छोड़ दिया गया है। शादी टूटने की बात सामने आई है। लड़की पक्ष ने समझौता कर लिया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग, हिंदू संगठनों ने निकाला विशाल मौन जुलूस

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और अत्याचारों के खिलाफ बुधवार को मुजफ्फरपुर में हिंदू संगठनों ने विशाल मौन जुलूस निकाला। इस आयोजन में हजारों की संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा शामिल हुए। क्लब मैदान से शुरू हुआ यह जुलूस पूरे शहर में घूमा, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा की मांग उठाई। जुलूस के दौरान इस्कॉन के स्वामी चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी की रिहाई की भी मांग की गई। चिन्मय कृष्णदास बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे, उन्हें देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने इस गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण बताते हुए तीव्र विरोध दर्ज कराया। हिंदू संघर्ष समिति और अन्य संगठनों ने भारत सरकार से बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। भाजपा नेता साकेत शुभम ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। भारत सरकार को इस मामले में कड़ा कदम उठाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत बांग्लादेश को यह संदेश दे कि हिंदुओं की रक्षा करना उसकी प्राथमिकता है।

मौन जुलूस के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पोस्टर और बैनर लेकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ एकजुटता दिखाई।

दस्तावेज नहीं होने पर भी जमीन आपकी, विभाग के नए दिशा-निर्देश जारी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में चल रहे भूमि सर्वेक्षण को लेकर लोगों के मन में कई सवाल और भ्रम थे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इन शंकाओं को दूर करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों के अनुसार, अगर आपके पास ज़मीन के कागज़ात नहीं हैं, तो भी आपकी ज़मीन आपकी ही रहेगी। विभाग ने माना है कि पुराने रिकॉर्ड्स खराब हो चुके हैं, इसलिए ज़मीन के मालिकाना हक को लेकर नए नियम बनाए गए हैं। यह सर्वेक्षण 4 महीने से चल रहा है और लोगों

के बीच विवाद भी देखने को मिल रहे हैं। इसलिए विभाग ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी की। इससे सर्वेक्षण के काम में तेजी आने की उम्मीद है।

बिहार में भूमि सर्वेक्षण का काम पिछले चार महीनों से चल रहा है। इस दौरान लोगों के मन में कई भ्रम और शंकाएं पैदा हुईं। जमीन के कागजात खो जाने या नष्ट हो जाने के डर से लोग परेशान थे। इसी समस्या को देखते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य लोगों के मन में बैठे डर को दूर करना और सर्वेक्षण के काम को सुचारू रूप से चलाना है।

विभाग ने स्वीकार किया कि पुराने भू-अभिलेख सही स्थिति में नहीं हैं। कैडस्ट्रल सर्वे को 100 साल और रिविजनल सर्वे को 50 साल से ज़्यादा हो चुके हैं। बाढ़, आग और दीमक के कारण कई जमीनी दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। इसलिए विभाग ने 'बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त नियमावली, 2012' के तहत नए निर्देश जारी किए हैं।राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बताया कि बिहार में ज़मीनी विवादों का मुख्य कारण मालिकाना हक को लेकर अस्पष्टता है। नए सर्वेक्षण और बंदोबस्त से हर खेत के मालिक का सही-सही पता चलेगा। इससे भविष्य में ज़मीनी विवाद कम होंगे। उन्होंने कहा कि यह ज़मीन के मालिकाना हक तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोग अब बिना किसी डर के सर्वेक्षण में हिस्सा ले सकेंगे। इससे सर्वेक्षण का काम तेजी से पूरा होगा। सरकार के इस फैसले से सभी अंचलों में चल रहे भूमि सर्वेक्षण के काम में तेजी आएगी। लोग अब बिना किसी हिचकिचाहट के स्व-घोषणा पत्र जमा कर सकेंगे। नए दिशानिर्देशों से सभी भ्रम दूर हो गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com